तिथि-बैशाख, शुक्ल, अष्टमी

सोना - 96,175

चांदी- 98,000

शेयर मार्केट- 80,501

निफ्टी- 24,346

अधिकतम -36 °c
न्यूनतम -26 °c

लखनऊ से प्रकाशित एवं उत्तर प्रदेश के सभी जनपदों से एक साथ प्रचारित

चर्चित राजनीति

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

-: सर्वाधिक लोकप्रिय समाचार पत्र :-

www.charchitrajnit.com | वर्ष - 21 अंक-161 आर.एन.आई. नं.- UPHIN/2004/14385 | लखनऊ, सोमवार 5 मई, 2025 | पृष्ठ-8 | मूल्य : दो रुपये

हर चेहरे पर खुशहाली सरकार की प्राथमिकता : मुख्यमन्त्री

योगी ने जनता दर्शन में फरियादियों की सुनी समस्यायें

चर्चित राजनीति। ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि उनकी सरकार का लक्ष्य प्रदेश के हर आमजन के चेहरे पर खुशहाली लाना है। अपने सरकारी आवास पर जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने 60 से अधिक फरियादियों की समस्यायें सुनी और अधिकारियों को निस्तारण के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा प्रदेश के हर नागरिकों के चेहरे पर खुशहाली लाना ही सरकार की प्राथमिकता है और सरकार इसके लिए पहले दिन से ही कार्य कर रही है। जनता दरबार में पुलिस, राजस्व, चिकित्सा सहायता, वृद्धावस्था पेंशन, सड़क निर्माण समेत अनेक मामले आए। मुख्यमंत्री ने जनता दर्शन में मौजूद अधिकारियों को शिकायतों का प्रार्थना पत्र सौंपते हुए इसके समय से निस्तारण के निर्देश दिए। प्रतापगढ़ के कुंडा में विगत दिनों हुई घटना का संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री ने कार्रवाई

● हर पीड़ित के पास पहुंचे मुख्यमन्त्री योगी

के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस घटना के आरोपियों को बख्शेंगे नहीं। वहीं दो महिलाओं ने पुलिस से संबंधित शिकायत की, जिसे मुख्यमंत्री ने गंभीरता से सुना और कार्रवाई के लिए निर्देशित किया। जनता दर्शन में मड़यिाव थाना के रहने वाले एक राजमिस्त्री वृद्धावस्था पेंशन की फरियाद लेकर (शेष पृष्ठ 7 पर)

मुख्यमंत्री योगी ने राष्ट्रीय सहारा के समूह सम्पादक के निधन पर शोक व्यक्त किया

लखनऊ, चसं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दैनिक समाचार पत्र राष्ट्रीय सहारा के समूह सम्पादक विजय राय के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा की शांति की कामना करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। डॉ. विजय राय का मुंबई के टाटा मेमोरियल अस्पताल में हार्ट अटैक की वजह से निधन हो गया। वह कैंसर और डायग्नोसिस की समस्या से पीड़ित थे। मुंबई के टाटा (शेष पृष्ठ 7 पर)

गरीब परिवारों को दुधारू गोवंश उपलब्ध करायें

लखनऊ, चसं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिया है कि जिन गरीब परिवारों के पास पशुधन नहीं है, उन्हें मुख्यमंत्री निराश्रित गोवंश सहभागिता योजना के अंतर्गत गाय उपलब्ध कराई जाए। इससे परिवारों को एक ओर जहां गोसेवा का पुण्य मिलेगा, वहीं दूसरी ओर दूध की उपलब्धता से परिवार के पोषण स्तर में भी सुधार होगा। मुख्यमंत्री ने रविवार को पशुपालन एवं दुग्ध विकास विभाग की समीक्षा बैठक में निर्देश दिया कि निराश्रित गोवंश संरक्षण केंद्रों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए ठोस प्रयास करें। गोबर से बने प्राकृतिक पेंट का प्रयोग सरकारी भवनों में भी किया जाए तथा पेंट बनाने वाले प्लांट (शेष पृष्ठ 7 पर)

मोदी व वायुसेना प्रमुख के बीच हुई मुलाकात

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। वायुसेना प्रमुख एपी सिंह रविवार दोपहर को प्रधानमंत्री आवास पहुंचे। यहां उन्होंने करीब 40 मिनट तक प्रधानमंत्री से मुलाकात कर उन्हें महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी। इससे पहले शनिवार को नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने प्रधानमंत्री से मुलाकात की थी। मौजूदा समय में यह मुलाकातें काफी अहम हैं। खास तौर पर यह तब और भी अहम हो जाती है जब पाकिस्तान बीते 10 दिनों से नियंत्रण रेखा पर संघर्ष विराम का उल्लंघन कर रहा है। 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद से सुरक्षा बलों ने आतंकियों पर शिकंजा कसा हुआ है। इस आतंकवादी हमले में आतंकियों ने 26 निर्दोष पर्यटकों की हत्या कर दी थी।

आतंकवादी हमले के बाद पूरी स्थिति की समीक्षा करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, तीनों सेनाओं के प्रमुखों, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के साथ महत्वपूर्ण बैठक की थी। इस दौरान सरकार ने सेना को स्थिति से निपटने के लिए खुली छूट देने का निर्णय लिया था। पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद सेना ने इलाके की घेराबंदी कर आतंकियों पर शिकंजा कस दिया है। इससे तिलमिलाया पाकिस्तान नियंत्रण रेखा पर संघर्ष विराम का उल्लंघन कर रहा है। पाकिस्तान (शेष पृष्ठ 7 पर)

मोदी ने खेलो इंडिया यूथ गेम्स का किया शुभारम्भ

चर्चित राजनीति। एजेंसी

नई दिल्ली। खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 का बिहार में पहली बार आगाज हो चुका है। पटना के पाटलिपुत्र स्पेर्ट्स कॉम्प्लेक्स में पीएम नरेंद्र मोदी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए शुभारंभ किया। कार्यक्रम में सीएम नीतीश कुमार और खेल मंत्री मनसुख मांडविया, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी समेत बिहार सरकार के सभी प्रमुख मंत्री और अधिकारी मौजूद हैं। पीएम की मौजूदगी में सीएम नीतीश कुमार और खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने मशाल जलाया।

चार से 15 मई तक चलने वाले इस महासमर में शामिल होने के लिए देश के अलग अलग राज्यों से कुल 8500 खिलाड़ी पहुंच चुकी है। यह सभी खिलाफ 28 खेलों में 2435 पदक के लिए अपना दम दिखाने जा रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि मैं सभी खिलाड़ियों को अपनी शुभकामनाएं देता हूं। भारत में खेल एक कल्चर के रूप में अपनी पहचान बना रहा है। खेलो इंडिया यूथ गेम्स इस दिशा में देश के युवाओं के लिए एक बहुत बड़ा प्लेटफॉर्म बना है। किसी भी खिलाड़ी को अपना प्रदर्शन बेहतर करने के लिए ज्यादा से ज्यादा मैच खेलना और प्रतियोगिता में हिस्सा लेना काफी अहम है। एनडीए सरकार ने इसे

● बिहार के वैभव ने शानदार प्रदर्शन किया

प्राथमिकता दी है। पीएम मोदी ने कहा कि आईपीएल में बिहार के छोटे से लड़के वैभव सूर्यवंशी ने शानदार प्रदर्शन किया। उनके इस प्रदर्शन के लिए मैं उन्हें बधाई देता हूं। इसके पीछे उन्होंने काफी मेहनत की। पीएम मोदी ने कहा कि सरकार का फोकस इस बात पर भी है कि हमारे खिलाड़ियों को नए खेल खेलने का मौका मिले।

इस बार खेल का बजट करीब चार हजार करोड़ का है। आज देश में एक हजार से अधिक खेलो इंडिया सेंटर चल रहे हैं। इसमें दो दर्जन से अधिक तो बिहार में हैं। बिहार में डबल इंजन सरकार की जरूरत है। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि हमने खेल को पढ़ाई में भी शामिल कराया। जीवन के हर क्षेत्र में खेल का बड़ा महत्व है। आपको खेल के मैदान पर अपना श्रेष्ठ देना होता है। पीएम मोदी ने कहा कि बिहार का मखाना आपको काफी पसंद आएगा। सभी खिलाड़ियों को फिर से शुभकामना देते हुए पीएम मोदी खेलो इंडिया यूथ गेम्स की घोषणा की। सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि इस समारोह में कोने कोने से आए खिलाड़ियों का मैं स्वागत और अभिनंदन करता हूं। सीएम नीतीश ने कहा कि खेल के क्षेत्र में अब काम और तेजी से होगा। उत्कृष्ट खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी दी गई है। सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि हम लोग शुरू से ही एनडीए के साथ थे। हमको तो पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई ने ही मुख्यमंत्री बनाया। बीच में हम इधर-उधर चले गए थे। लेकिन, अब हम यहीं रहेंगे। सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि बिहार को नरेंद्र मोदी सरकार की ओर से काफी मदद मिल रहा है। सरकार ने बजट सड़क, उद्योग, पर्यटन और बाढ़ नियंत्रण के लिए काफी मदद मिल रहा है। इसके अलावा मखाना बोर्ड समेत कई सौगात दी। इसके लिए पीएम मोदी को नमन करता हूं। भारत माता की जय के उद्घोष के साथ उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार जैसे राज्य में 14 करोड़ जिसे गरीब बिहार कहा जाता है आज मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार में खेलो इंडिया यूथ गेम की मेजबानी कर रहे हैं। डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने (शेष पृष्ठ 7 पर)

संक्षिप्त समाचार

खाई में गिरा सेना का वाहन, 3 जवान शहीद

रामबन, एजेंसी। रविवार को जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में बैटरी चश्मा के पास सेना का एक वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया है जिसमें 3 सैनिकों के शहीद होने की खबर सामने आई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सेना का एक ट्रक 600 फीट गहरी खाई में लुढ़क गया जिससे 3 सैन्यकर्मियों की मौके पर ही मौत हो गई। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि सेना का ट्रक जम्मू से श्रीनगर जा रहा था, तभी यह हादसा हुआ। एक अधिकारी ने बताया, जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर रामबन के पास ट्रक के 600 फीट गहरी खाई में लुढ़क जाने से उसमें सवार तीन सैन्यकर्मियों की मौके पर ही शहीद हो गए। मृतक सैनिकों की पहचान अमित कुमार, सुजीत कुमार और मन बहादुर के रूप में हुई है। पुलिस, सेना, एसडीआरएफ और सिविल क्यूआरटी रामबन स्वयंसेवकों की मदद से बचाव अभियान जारी है।

मांडविया ने शिक्षकों के साथ चलाई साइकिल

नयी दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया की अगुवाई में रविवार सुबह आयोजित फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल के नवीनतम संस्करण में शिक्षकों, एथलीटों, फिट इंडिया प्रभावितों और फिटनेस प्रेमियों सहित 750 प्रतिभागियों ने भाग लिया। आज यहां मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में अयोजित 'शिक्षकों के साथ साइकिल चलाना' विषय पर लेकर आयोजित कार्यक्रम में डॉ. मांडविया ने कहा कि शिक्षक हमारे छात्रों के नायक हैं और अब आपको विकसित भारत के नायक बनना है। आप सभी साइकिल चलाना एक फैशन बना सकते हैं और मैं सभी शिक्षकों से आग्रह करता हूं कि वे स्वयं साइकिल का उपयोग फिर से शुरू करें और छात्रों से भी इसका अनुकरण करने को कहें। हम डिजिटल युग में हैं लेकिन हमें अपनी शारीरिक फिटनेस में भी सुधार करने की जरूरत है। साइक्लिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (सीएफआई), माई भारत और राज्य सरकारों के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में खेल सचिव हरि (शेष पृष्ठ 7 पर)

राहुल गांधी ने अमेरिका में भगवान राम पर की टिप्पणी, हमलावर हुई भाजपा

चर्चित राजनीति। एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी एक बार फिर बीजेपी के निशाने पर हैं। दरअसल, लोकसभा में विपक्ष के नेता ने एक अमेरिकी यूनिवर्सिटी में बातचीत के दौरान भगवान राम को पौराणिक व्यक्ति कहा। राहुल की इस टिप्पणी पर अब विवाद खड़ा हो गया है। बीजेपी ने उनकी मानसिकता को हिंदू विरोधी बताते हुए उन्हें राम विरोधी भी कहा है। ब्राउन यूनिवर्सिटी के वॉटसन इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल एंड पब्लिक अफेयर्स में राहुल गांधी ने भगवान राम पर टिप्पणी की।

दरअसल, राहुल से पूछा गया था कि हिंदू राष्ट्रवाद के दौर में सभी समुदायों को शामिल करने वाली धर्मनिरपेक्ष राजनीति कैसे तैयार की जानी चाहिए? इसके जवाब में राहुल ने कहा कि भारत में कोई भी बड़ा समाज सुधारक और राजनीतिक विचारक कट्टर नहीं रहा है और उन्होंने कहा कि वह बीजेपी के हिंदू विचार को नहीं मानते हैं। उन्होंने कहा, हमारे सभी पौराणिक चरित्र, भगवान राम ऐसे ही थे। वह क्षमाशील थे, वह दयालु थे। मैं भाजपा द्वारा कही गई बातों को हिंदू विचार नहीं मानता। मैं हिंदू विचार को

बहुत अधिक बहुलवादी, बहुत अधिक गले लगाने वाला, बहुत अधिक स्नेही, बहुत अधिक सहिष्णु और खुला मानता हूं। हर राज्य और समुदाय में ऐसे लोग हैं जो उन विचारों के लिए खड़े हुए, उन विचारों के लिए जिए और उन विचारों के लिए मरे। गांधीजी उनमें से एक हैं। मेरे लिए, लोगों के प्रति घृणा और गुस्सा डर से आता है। अगर आप डरे हुए नहीं हैं, तो आप किसी से नफरत नहीं करते। राहुल गांधी ने आगे कहा, मैं भाजपा की अवधारणा को हिंदू अवधारणा के रूप में नहीं देखता। सोच के मामले में, वे एक फ्रिंज ग्रुप हैं, अब उन्होंने राजनीतिक सत्ता पर कब्जा कर लिया है, उनके पास बहुत सारा धन और

● अमेरिकी यूनिवर्सिटी में बातचीत के दौरान भगवान 'राम' को पौराणिक व्यक्ति कहा

शक्ति है, लेकिन वे किसी भी तरह से भारतीय विचारकों के बड़े बहुमत का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं। सोशल मीडिया पर राहुल गांधी की इस बातचीत की क्लिप साझा करते हुए भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने उन पर निशाना साधा। उन्होंने एक्स पर लिखा, हिंदुओं और भगवान राम का अपमान करना कांग्रेस पार्टी की पहचान बन गई है। जिन लोगों ने हलफनामे के जरिए भगवान राम के अस्तित्व को नकार दिया, राम मंदिर निर्माण का विरोध किया, हिंदू आतंक का मुहावरा गढ़ा, अब उन्होंने राहुल गांधी को पौराणिक बताया है।

राहुल गांधी और सोनिया गांधी राम मंदिर के अभिषेक में शामिल नहीं हुए। यह उनकी राम-विरोधी और हिंदू-विरोधी मानसिकता को दर्शाता है। वे पाकिस्तान की भाषा बोलते हैं, सेना के मनोबल को ठेस पहुँचाते हैं। वे राम विरोधी और भारत विरोधी हैं और लोग इसे माफ नहीं करेंगे।

एक्सिस, आईसीआईसीआई समेत 5 बैंकों पर कार्रवाई

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को कई बड़े बैंकों पर जुर्माना लगा दिया। इस लिस्ट में आईसीआईसीआई बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा और एक्सिस बैंक समेत पांच बैंकों के नाम शामिल है। इन बैंकों पर नियमों का सही तरीके से पालन न करने का आरोप लगा है। RBI ने आईसीआईसीआई बैंक पर 97.20 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। RBI ने अपने आदेश में बताया कि यह बैंक साइबर सुरक्षा ढांचे, केवाईसी, क्रेडिट और डेबिट कार्ड पर कुछ निर्देशों का पालन नहीं कर रहे थे, जिसके कारण RBI ने बैंकों पर फाइन लगाया है। इसी कड़ी में बैंक ऑफ बड़ौदा पर आरोप है कि वित्तीय सेवाओं और बैंक में मौजूद ग्राहक सेवा काउंटर पर जारी किए गए निर्देशों का पालन नहीं हो रहा था। इसलिए RBI ने बैंक ऑफ बड़ौदा पर 61.40 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। आडीबीआई बैंक ने किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से कृषि और संबद्ध गतिविधियों के लिए दिए गए अल्पकालिक लोन पर ब्याज सहायता से जुड़े निर्देशों का पालन नहीं किया है। ऐसे में RBI ने आईडीबीआई पर 31.8 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। इसके अलावा बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने केवाईसी से संबंधित निर्देशों का पालन नहीं किया है, जिसके चलते उस पर 31.80 लाख (शेष पृष्ठ 7 पर)

हमें भागीदारों की तलाश उपदेशकों की नहीं : जयशंकर

चर्चित राजनीति। एजेंसी

नयी दिल्ली। आर्कटिक सर्कल इंडिया फोरम 2025 में विदेश मंत्री ने बदलती विश्व व्यवस्था में भारत की स्थिति और सोच के बारे में बात की। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत भागीदारी की तलाश में रहता है और यूरोप की ओर इसी सोच के साथ देख रहा है।

आर्कटिक सर्कल इंडिया फोरम 2025 में विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा, हम अब उस आकार और अवस्था में पहुंच गए हैं, जहां दुनिया के किसी भी कोने में होने वाली लगभग हर महत्वपूर्ण घटना हमारे लिए मायने रखती है। अमेरिका आज पहले से कहीं अधिक आत्मनिर्भर है। यूरोप आज बदलाव के लिए दबाव में है। बहुध्रुवीयता की वास्तविकताएं उसे समझ में आ रही हैं। मुझे लगता है कि उसने अभी भी इसे पूरी तरह से समायोजित और आत्मसात नहीं किया है। अमेरिका ने अपना रुख बदल लिया है। चीनी वही कर रहे हैं जो वे पहले कर रहे थे। हम प्रतिस्पर्धा का ऐसा क्षेत्र देखने जा रहे हैं जिसे याद करना आसान नहीं होगा। हम एक बहुत अधिक प्रतिस्पर्धी दुनिया, बहुत अधिक तीव्र प्रतिस्पर्धा देख रहे हैं। जयशंकर ने भारत के बढ़ते रसूख की ओर इशारा करते हुए कहा, ष्जब हम दुनिया को देखते हैं, तो हम भागीदारों की तलाश करते हैं, हम उपदेशकों की तलाश नहीं करते। खास तौर पर, ऐसे उपदेशक जो विदेश में जो उपदेश देते हैं, उसे अपने देश में नहीं अपनाते। उन्होंने आगे कहा, यूरोप के कुछ हिस्से अभी भी इस समस्या से जूझ रहे हैं। यूरोप वास्तविकता की जांच के एक निश्चित क्षेत्र में प्रवेश कर चुका है। वे आगे बढ़ने में सक्षम हैं या नहीं, यह कुछ ऐसा है जिसे हमें देखना होगा।अगर हमें साझेदारी विकसित करनी है, तो कुछ समझ, संवेदनशीलता, आपस के हित और दुनिया कैसे काम (शेष पृष्ठ 7 पर)

आतंकी हमले का डंटकर सामना कर रहा भारत

ग्वालियर, एजेंसी। ग्वालियर स्थित राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय में छात्रों और फैकल्टी को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारतीयता ही हमारी पहचान है और राष्ट्र धर्म से ऊपर कोई धर्म नहीं हो सकता। धनखड़ ने कहा कि राजमाता का जीवन प्रेरणादायक रहा है। उन्होंने अपना पूरा जीवन त्याग और समर्पण के साथ जिया। आज भारत पहलगाम की चुनौती का सामना कर रहा है, लेकिन आज हमारे पास एक सशक्त भारत है, जिसके पास एक सक्षम नेतृत्व है। गौरतलब है कि 22 अप्रैल को जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की हत्या कर दी गई थी, जिनमें अधिकतर पर्यटक थे। इस घटना के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि राजमाता का संदेश था कि राष्ट्रवाद सर्वोपरि है। हम भारतीय हैं और भारतीयता ही हमारी असली पहचान है। राष्ट्रधर्म से बड़ा कोई धर्म नहीं होता। धनखड़ ने छात्रों से अपील की है कि वे हमेशा देश को प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा कि राष्ट्रहित से बढ़कर कुछ भी नहीं होता। हमेशा देश को सबसे ऊपर रखें। उन्होंने यह भी कहा कि राजमाता विजयाराजे सिंधिया ने राष्ट्रवाद के लिए हमेशा मजबूती से खड़ी रहीं और (शेष पृष्ठ 7 पर)

देश जो चाहता है, वह जरूर होगा : राजनाथ

चर्चित राजनीति। एजेंसी

नई दिल्ली। पहलगाम आतंकी हमले के कसूरवार पाकिस्तान को चेतावनी देते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि यह मेरी जिम्मेदारी है कि मैं सशस्त्र बलों के साथ मिलकर काम करूं और भारत पर बुरी नजर रखने वालों को करारा जवाब दूं।

साथ ही कहा कि देश जो चाहता है, वह जरूर होगा। उनकी यह टिप्पणी हाल ही में पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की पृष्ठभूमि में आई है। दिल्ली में सनातन संस्कृति जागरण महोत्सव में सिंह ने कहा कि लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बहुत अच्छी तरह से जानते हैं। उनकी कार्यशैली,

दृढ़ संकल्प और जिस तरह से उन्होंने अपने जीवन में जोखिम उठाना सीखा है, उससे लोग भली-भांति परिचित हैं। मैं आपको आश्वस्त करना चाहता हूं कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में जैसा आप चाहते हैं, (शेष पृष्ठ 7 पर)

लेखिका तस्लीमा नसरीन ने कहा-14 सौ सालों में विकसित नहीं हो पाया इस्लाम

जब तक इस्लाम है, आतंकवाद बना रहेगा

चर्चित राजनीति। एजेंसी

नई दिल्ली। बांग्लादेश की निर्वासित लेखिका तस्लीमा नसरीन ने पहलगाम आतंकी हमले और 2016 में ढाका में हुए आतंकवादी हमले के बीच समानताएं बताते हुए कहा कि जब तक इस्लाम है, आतंकवाद बना रहेगा। तस्लीमा नसरीन की यह टिप्पणी पहलगाम हमले की पृष्ठभूमि में आई है।

दिल्ली साहित्य महोत्सव में 'लज्जा' लेखिका तस्लीमा नसरीन ने कहा कि इस्लाम 1,400 वर्षों में विकसित नहीं हुआ। जब तक ऐसा नहीं होता, तब तक यह आतंकवादियों को जन्म देता रहेगा। 2016 के ढाका हमले में मुसलमानों को इसलिए मार दिया गया क्योंकि वे कलमा नहीं पढ़ पाए थे। जब आस्था को तर्क और मानवता पर हावी होने दिया जाता है, तो यही होता है। 22 अप्रैल को पहलगाम के बायसरन में आतंकवादियों ने 26 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी थी। पहलगाम हमले में जीवित बचे कुछ लोगों और प्रत्यक्षदर्शियों ने दावा किया है कि हमलावरों ने लोगों से इस्लामी आयत कलमा पढ़ने को कहा और ऐसा न करने वालों को गोली मार दी। नसरीन ने कहा कि जब तक इस्लाम रहेगा, आतंकवाद रहेगा। यूरोप में चर्च संग्रहालयों में बदल गए हैं लेकिन मुसलमान हर जगह मस्जिद बनाने में व्यस्त हैं। हजारों मस्जिदें हैं लेकिन वे

और भी मस्जिदें बनाना चाहते हैं। वे जिहादी पैदा करते हैं। मदरसे नहीं होने चाहिए। बच्चों को सभी किताबें पढ़नी चाहिए, सिर्फ एक नहीं। उन्होंने कहा कि मैं अमेरिका की स्थायी निवासी हूं और वहां 10 साल तक रही हूं लेकिन मुझे हमेशा एक बाहरी व्यक्ति जैसा महसूस होता था। कोलकाता आने के बाद ही मुझे घर जैसा महसूस हुआ। पश्चिम बंगाल से निकाले जाने के बाद मुझे दिल्ली में दूसरा घर मिला। इस देश ने मुझे वह अपनापन दिया है जो मेरा अपना देश नहीं दे सका। मुझे भारत से प्यार है। यह घर जैसा लगता है।

बांग्लादेश की स्थिति पर दुख जताते हुए उन्होंने कहा कि उनके देश में महिलाएं सभी बुनियादी अधिकारों से वंचित हैं और समान नागरिक संहिता की वकालत की। उन्होंने कहा, हर सभ्य देश में समान नागरिक संहिता होनी चाहिए। भारत में भी। मैं इसका समर्थन करती हूं। इस्लामी आका कुरान के अनुसार अधिकार चाहते हैं। अधिकार कभी भी धार्मिक नहीं होने चाहिए। अगर संस्कृति, धर्म या परंपरा के नाम पर महिलाओं की सुरक्षा से समझौता किया जाता है, तो हमें उस संस्कृति पर सवाल उठाना चाहिए। जो समाज अपनी आधी आबादी की सुरक्षा नहीं कर सकता, वह एक असफल समाज है। बता दें कि अभी हाल ही में बांग्लादेश की निर्वासित लेखिका तस्लीमा नसरीन ने मोहम्मद यूनुस सरकार पर एक बार फिर निशाना साधा। उन्होंने यूनुस के नोबेल शांति पुरस्कार को वापस लिए जाने की अपील की। तस्लीमा नसरीन ने मोहम्मद यूनुस पर सत्ता का दुरुपयोग, भ्रष्टाचार और मानवाधिकार उल्लंघन के गंभीर आरोप लगाए। तस्लीमा नसरीन ने एक्स पर पोस्ट कर बताया कि उन्होंने नॉर्वेजियन नोबेल कमेटी को एक पत्र लिखा है।

क्षेत्रीय व्यापारी सम्मेलन में उठाई गई मांगों को उच्च स्तर तक पहुंचाकर सकारात्मक समाधान निकलवाएंगे : बृजेश पाठक

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल, हुसैनगंज बाजार इकाई के तत्वावधान में विधानसभा मार्ग, हुसैन गंज में 'क्षेत्रीय व्यापारी सम्मेलन एवं शपथ ग्रहण समारोह' का आयोजन हुआ।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय विधायक एवं उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मण्डल के प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता द्वारा की गई।व्यापारी नेता संजय गुप्ता ने क्षेत्रीय व्यापारी सम्मेलन में उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक के सामने वर्तमान में व्यापारियों के सामने आने वाली समस्याओं को प्रमुखता से रखा तथा 10 सूत्रीय ज्ञापन सौपा जिसमें समस्याएं एवं सुझाव दोनों ही सम्मिलित थे।क्षेत्रीय विधायक एवं उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने 'उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल, हुसैनगंज' की नवगठित इकाई के नवनियुक्त पदाधिकारियों को पद की शपथ दिलाई। इस अवसर पर बोलते हुए उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने कहा कि क्षेत्रीय व्यापारी सम्मेलन में उठाई गई मांगों को उच्च स्तर तक पहुंचाकर सकारात्मक समाधान निकलवाएंगे तथा व्यापारियों की हर लड़ाई में कंधे से कंधा मिलाकर सहयोग करेंगे।

सम्मेलन में प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता द्वारा बाजारों में सीसीटीवी कैमरा लगवाये जाने की मांग पर उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने कैंट विधानसभा क्षेत्र की प्रमुख बाजारों का प्रस्ताव माँगा और उन्होंने अपनी विधायक निधि से कैंट विधानसभा क्षेत्र की प्रमुख बाजार में सीसीटीवी कैमरा लगाए जाने का आश्वासन दिया। उपमुख्यमंत्री ने आदर्श व्यापार मण्डल की सराहना करते हुए कहा आदर्श व्यापार मंडल लगातार व्यापारियों के लिए संघर्ष कर रहा है। उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल, हुसैनगंज बाजार की कार्यकारणी में श्रवण कुमार गुप्ता ने चेयरमैन, पवन वर्मा ने अध्यक्ष, राजू वर्मा ने संरक्षक, परमानंद गोयल ने वरिष्ठ महामंत्री, आदित्य वर्मा ने महामंत्री, ओवेस खान ने वरिष्ठ उपाध्यक्ष, सगीर अहमद मंसूरी, नितिन गुप्ता, मोहम्मद मोइद, राजू गुप्ता ,अंकुर जायसवाल ने उपाध्यक्ष, आनंद बंसल ने कोषाध्यक्ष, पंकज गुप्ता ने सह कोषाध्यक्ष, नितिन गुप्ता ने वरिष्ठ संगठन मंत्री ,वैभव गुप्ता एवं मोहम्मद फरीद ने संगठन मंत्री, चंदन चौरसिया एवं शशांक कुमार ने मंत्री ,स्वाति चौरसिया ने मीडिया प्रभारी पद की शपथ ली।

क्षेत्रीय व्यापारी सम्मेलन एवं शपथ ग्रहण समारोह में संगठन के प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष अविनाश त्रिपाठी, बर्लिंगटन चौराहा ,विधानसभा मार्ग के अध्यक्ष एवं प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष गुरप्रीत सिंह चड्ढा ,आलमबाग प्रभारी एवं नगर महामंत्री मोहित कपूर, सदर बाजार के अध्यक्ष अखिल ग्रोवर, उदयगंज कैन्ट रोड के अध्यक्ष मोहम्मद आरिफ, ओडियन सिनेमा, कैंट रोड अध्यक्ष एवं नगर महामंत्री संजय त्रिवेदी, चारबाग प्रभारी हर्षपाल सिंह, कृष्णा नगर प्रभारी सरबजीत सिंह बग्गा ,चन्दर प्रभारी गुरप्रीत सिंह सचदेवा, लखनऊ नगर वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमिताभ श्रीवास्तव, ट्रांसगोमती अध्यक्ष अनिरुद्ध निगम, भाजपा युवा नेता सतबीर सिंह आनंद, नगर उपाध्यक्ष अवधेश गुप्ता सहित हुसैनगंज, सदर बाजार, उदय गंज बाजार , विधानसभा मार्ग बाजार बड़ी संख्या में व्यापारी मौजूद थे। क्षेत्रीय व्यापारी सम्मेलन में उपमुख्यमंत्री के सामने व्यापारी नेता संजय गुप्ता ने व्यापारियों की प्रमुख समस्याएं रखीं ।. रिटेल ट्रेड पॉलिसी एवं ई कॉमर्स पॉलिसी एवं रिटेल बनाई जाए।वर्तमान में विदेशी ई कॉमर्स कंपनियों द्वारा सरकार के नियम कानूनों का उल्लंघन करते हुए व्यापार किए जाने से प्रदेश के परम्परागत रिटेल (खुदरा व्यापारियों) सेक्टर के व्यापारियों के सामने अपने व्यापार को बचाने में बड़ी समस्या आ रही है। ई कॉमर्स व्यापार करने की वर्तमान विधा है। प्रदेश एवं देश की जनता ने इसे अपना लिया है तथा परंपरागत रिटेल सेक्टर के व्यापारियों को प्रतिस्पर्धा के समान अवसर उपलब्ध कराने के लिए उत्तर प्रदेश में ई कॉमर्स पॉलिसी एवं रिटेल ट्रेड की पॉलिसी बनाया जाना अति आवश्यक है ताकि सरकार को राजस्व देने में ,सामाजिक कार्यों में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले तथा रोजगार सृजन में अपने संसाधनों से स्वयं को एवं अनेकों लोगो को रोजगार के अनेक अवसर उपलब्ध कराने वाले रिटेल सेक्टर के व्यापारियों के व्यापार को बचाया जा सके।

- उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मण्डल के तत्वाधान में हुसैनगंज में हुआ क्षेत्रीय व्यापारी सम्मेलन एवं शपथ ग्रहण समारोह
- व्यापारियों की हर लड़ाई में कंधे से कंधा मिलाकर सहयोग करेंगे, आदर्श व्यापार मंडल लगातार व्यापारियों के लिए संघर्ष कर रहा है : बृजेश पाठक

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मंशा अनुसार vocal for local के अनुरूप उत्तर प्रदेश सरकार अपनी सरकारी खरीद में उत्तर प्रदेश के व्यापारियों को तथा स्थानीय स्तर पर local district local trader से खरीद को प्राथमिकता दें। ताकि स्थानीय व्यापारियों का व्यापार बढ़ सके प्रदेश सरकार जिलों में जिले के व्यापारियों से ही खरीदी करे। रिटेल सेक्टर के व्यापारी अपने व्यापार को ई कॉमर्स पर लाना चाहते है किंतु उनके पास अपनी वेबसाइट एवं मोबाइल ऐप का प्रचार करने का समुचित फंड नहीं होता ऐसे में उन्हें ई कॉमर्स सेक्टर में आने के लिए सहयोग करने हेतु उत्तर प्रदेश सरकार विज्ञापन की नीति बनाए तथा ई कॉमर्स पर व्यापार करने वाले व्यापारियों को सस्ती दर पर एवं सुगम विज्ञापन के अवसर उपलब्ध हो सकें। जिन व्यापारियों के वहाँ पानी का कनेक्शन नहीं है उन्हें भी जल कर का भुगतान करना पड़ता है, जो न्यायोचित नहीं है पुरानी सरकारों के समय का यह नियम बना हुआ है। कृपया इसे समाप्त किया जाए केवल उन्हीं व्यापारियों से जल कर लिया जाए जो इसका उपयोग करते हो राजधानी लखनऊ सहित उत्तर प्रदेश के प्रमुख महानगरों की प्रमुख बाजारों में सीसीटीवी कैमरा योजना शुरू की जाए। इसके लिए बजट में प्राविधान रखा जाए। इसकी शुरुआत राजधानी के कैंट क्षेत्र से हो। जीएसटी विभाग में पंजीकृत व्यापारियों को दस लाख रुपए का स्वास्थ्य बीमा तथा छोटे स्थायी, अपंजीकृत व्यापारियों को आयुष्मान कार्ड का लाभ दिया जाए। जनता की आवश्यकता के अनुसार राजधानी सहित अनेक महानगरों में आवासीय क्षेत्र व्यावसायिक में परिवर्तित हो गए हैं।

सरकार इस विषय पर गंभीरता से काम भी कर रही है तथा नीति भी बना रही है किंतु अभी भी आवास विकास विभाग एवं विकास प्राधिकरण द्वारा पुरानी चलती हुई दुकानों वाले भवनों को मनमाने तरीके से सील किया जाता है जिससे बिल्डरों को कोई नुकसान नहीं होता किंतु व्यापार करने वाले व्यापारियों को असुविधा एवं अपमान का सामना करना पड़ता है पुरानी चलती हुई दुकानों, भवनों को सीलिंग कार्रवाई से मुक्त रखा जाए तथा शीघ्र ही विभागों द्वारा बनाई जा रही नीति को लागू किया जाये। व्यापारियों के शस्त्र लाइसेंस प्राथमिकता के आधार पर बनाये जाये एवं विरासत के लाइसेंस अनिवार्य रूप से बनाए जाने हेतु समुचित निर्देश निर्गत किए जाएं।

राजधानी सहित अनेक शहरों में अस्थायी पटरी दुकानदारों के कारण स्थाई व्यापारियों को परेशानी का सामना करना पड़ता है तथा बाजारों में भी यातायात जाम की समस्या रहती है। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा SCR (स्टेट कैपिटल रीजन) बनाया जा रहा है यदि SCR में पहले से ही सभी पटरी दुकानदारों की सूची बनाकर इनके लिए कोई ठोस कार्य योजना बनाकर इन्हें वहां पर व्यापार के अवसर दिए जाएं। तो इससे बाजारों से अस्थायी अतिक्रमण की समस्या का समाधान हो जाएगा तथा पटरी दुकानदारों को एवम् उनके वारिसों को स्थायी रूप से रोजगार के अवसर तथा सम्मानजनक समाधान मिल जाएगा तथा जाम की समस्या से भी कुछ हद तक राहत मिलेगी।

अधिकारियों एवं कर्मचारियों की मिलीभगत से बिना पार्किंग के भवन बनते जा रहे हैं। जब तक भवनों में ही पार्किंग व्यवस्था सुनिश्चित नहीं की जाएगी तब तक वर्तमान एवं भविष्य में भी पार्किंग की समस्या एवं यातायात जाम की समस्या से छुटकारा नहीं मिलेगा अतः नए भवन बिना पार्किंग के न बने इसके लिए सम्बंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी एवं कार्रवाई तय की जाए।

शिवगढ़ में ओलावृष्ट के साथ हुई झमाझम बारिश

चर्चित राजनीति। संवाददाता

- ओलावृष्टि से जायद की फसलों को हुआ भारी नुकसान

शिवगढ़, रायबरेली। रविवार को शिवगढ़ क्षेत्र में करीब 25 मिनट तक ओलावृष्टि होने के साथ ही करीब आधा घण्टे तक झमाझम बारिश हुई।

बेमौसम बारिश से खेतों में लगा भूसा भीगने के साथ ही सब्जियों की फसलों को भारी नुकसान हुआ है। हालांकि ओलावृष्टि के साथ बारिश होने से उमसभरी गर्मी से बड़ी राहत मिली है। रविवार की दोपहर अचानक मौसम का मिजाज बिगड़ने से अपराह्न 2:30 बजे क्षेत्र के ग्राम पंचायत सूरजपुर तथा उसके आस-पास अचानक ओलावृष्टि के साथ मूसलाधार बारिश होने लगी। ग्रामीणों तथा किसानों की माने तो करीब 25 मिनट तक जमकर ओलावृष्टि हुई जिससे सब्जियों की फसलों के फूल और पत्ते क्षतिग्रस्त होने के साथ ही पेड़ों की पत्तियां टूट कर नीचे बिखर गई। वहीं देहली, निहाल खेड़ा, वाजिदपुर, नेमुलापुर, कुम्भी, बैंती, शिवली, गूढ़ा, शिवगढ़, भवानीगढ़ आदि जगहों पर 2:30 बजे से 3:15 बजे तक झमाझम बारिश हुई। हालांकि क्षेत्र में सूरजपुर,देहली के अलावां अन्य जगहों पर ओलावृष्टि नहीं हुई है, अन्य जगहों पर सिर्फ बारिश हुई है। कृषक विराट सिंह, रामकिशोर मौर्य, मनोज रावत, सुनील यादव आदि लोगों की माने तो बेमौसम बारिश से जहां जायद की फसलों को फायदा हुआ है एवं उमश भरी गर्मी से राहत मिली है वहीं सूरजपुर तथा उसके आस-पास 25 मिनट तक ओलावृष्टि होने से यहां जायद की फसलों को भारी नुकसान हुआ है।

मिट्टी के ढ़ेर में दबी महिला, मौत, गंगा एक्सप्रेस वे में मिट्टी भराई के दौरान हुआ हादसा

रायबरेली, चसं। निर्माणाधीन गंगा एक्सप्रेस वे में मिट्टी बराबर कर रहे ग्रेडर चालक ने बुजुर्ग महिला को मिट्टी के ढ़ेर में दबा दिया। बच्चों ने शोर मचाया तो महिला को मिट्टी से बाहर निकाला लेकिन उनकी मौत हो गई। सलोन कोतवाली क्षेत्र के भखरी मजरे उमरन गांव निवासी विद्यावती (70) पत्नी देवतादीन रविवार की दोपहर गांव के पास निर्माणाधीन गंगा एक्सप्रेस वे पार कर सूकर चराने जा रही थी। वह मिट्टी के दो ढ़ेरों के बीच में पहुंची ही थी कि ग्रेडर से मिट्टी के ढ़ेर को बराबर कर रहे चालक ने ग्रेडर बढ़ा दिया और वह मिट्टी के ढ़ेर में दब गई। चालक जान नहीं पाया और मिट्टी बराबर करता रहा। इस दौरान वहां खेल रहे बच्चों ने शोर मचाया तो चालक ने ग्रेटर रोका। शोर सुनकर गांव वाले भी वहां पहुंचे और मिट्टी खोदकर उन्हें बाहर निकाला लेकिन उनकी मौत हो गई। घटना के बाद चालक ग्रेडर छोड़कर मौके से भाग निकला। थाना प्रभारी निरीक्षक मौके पर पहुंचे और घटना की जांच की। घटना से परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। पुलिस ने ग्रेडर को कब्जे में लिया है। और बताया कि मिट्टी में दबने से महिला की मौत हुई है। चालक की तलाश की जा रही है।

दो ने खाया जहर, हालत गंभीर

रायबरेली, चसं। जिला अस्पताल में जहरीला पदार्थ खाने से लालगंज थाना के गांव आनापुर निवासी गोवर्धन व जिले के प्रतापनगर निवासिनी अंजू को भर्ती कराया गया है। सीओ ने बताया कि प्रकरण की जांच पड़ताल किया जा रहा है।

बोलेरो में तोड़फोड़

रायबरेली, चसं। ऊंचाहार थाना क्षेत्र अंतर्गत गांव छतौना मरियानी में बोलेरो में तोड़फोड़ करने के मामले में बोलेरो सवार शुभम निवासी छोटासरबहदा ने एक दर्जन लोग पर मारपीट व तोड़फोड़ करने का आरोप लगाया है। थाना प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि जांच करवाया जा रहा है।

निजीकरण से 16000 आरक्षित पदों की समाप्ति

चर्चित राजनीति। संवाददाता

- उत्तर प्रदेश पावर ऑफिसर एसोसिएशन की हुई बैठक

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पावर ऑफिसर एसोसिएशन की प्रांतीय प्राथमिक की आगे का आवश्यक बैठक संपन्न हुई जिसमें 42 जनपदों के निजीकरण पर आगे की लड़ाई की रूपरेखा पर विचार विमर्श किया गया। जिसमें प्रस्ताव पास किया गया कि पिछले लगभग 4 महीने से निजीकरण की बात चल रही है लेकिन कारपोरेशन और सरकार दोनों बिजली कंपनियों में निजीकरण के बाद आरक्षण के 16000 पद समाप्त होने के मामले पर कोई भी ना तो आश्वासन दिया। ना ही कोई ठोस जवाब मिला। जिससे ऐसा प्रतीत होता है कि आरक्षण को समाप्त करने के लिए ही निजीकरण को आगे बढ़ाया जा रहा है। जिसे पावर ऑफिसर एसोसिएशन किसी भी हालत में स्वीकार नहीं करेगी। सबसे पहले पदोन्नतियों में आरक्षण छीन गया और अब निजीकरण करके नौकरियों में आरक्षण पर भी कुठाराघात करने की साजिश की जा रही है। जो अपने आप में बहुत गंभीर मामला है।निजीकरण न ही कार्मिको के हित में है न ही उपभोक्ताओ के हित में इस पर रोक लगना चाहिए। उत्तर प्रदेश पावर ऑफिसर एसोसिएशन ने शक्ति भवन में विभिन्न कार्मिक संगठनों द्वारा दिए जा रहे धरने की बिजली पानी व वॉशरूम पर रोक लगाई जाने को बहुत गंभीरता से लिया और कहा पावर का कारपोरेशन प्रबंधन औद्योगिक अशांति पैदा कर रहा है पावर कॉरपोरेशन की या घटना पूरी तरह अक्षम है।

मानवीय मानवता पर एक बड़ा कुठाराघात है। बिजली कार्मिकों का विभाग और उन्हीं की बिजली पानी बंद किया जाना अपने आप में दुर्भाग्य पूर्ण और निंदनीय है। उत्तर प्रदेश पावर ऑफिसर एसोसिएशन के अध्यक्ष आरपीसी कार्यवाहक अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा, संगठन सचिव हरिश्चंद्र वर्मा, राम शब्द, ट्रांसमिशन अध्यक्ष सुशील कुमार वर्मा, सुभाष चंद्र ने कहा पावर कार्पोरेशन प्रबंधन लगातार अभियंताओं को टारगेट करके उच्च स्तरीय समीक्षा बैठकों में ऐसा कमेंट कर रहा है जो उसे नहीं करना चाहिए। गर्मी के महीने में विद्युत आपूर्ति सुचार चलती रहे उसे पर जोर देना चाहिए। लेकिन जिस प्रकार से अभियंताओं को टारगेट करके उन्हें जलील किया जाता है उसे अभियंताओं का मनोबल गिरना स्वाभाविक है।पावर कारपोरेशन प्रबंधन को इस पर पुनर्विचार करते हुए इस प्रकार की कार्यवाही से बचना चाहिए।

निजीकरण के विरोध में क्रमिक अनशन जारी : विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने आरोप लगाया है कि 42 जनपदों के निजीकरण में भारी भ्रष्टाचार हो रहा है । झूठा शपथ पत्र देने वाले कंसलटेंट की फाइल जिस प्रकार चेयरमैन ने दबा रखी है उससे लगता है कि भ्रष्टाचार में पॉवर कारपोरेशन प्रबन्धन की कार्पोरेट घरानों से मिली भगत है। संघर्ष समिति ने आरोप लगाया है कि निजीकरण में भारी भ्रष्टाचार हो रहा है।

निजीकरण हेतु नियुक्त किए गए ट्रांजैक्शन कंसलटेंट ग्रांट थॉर्टन का फर्जीवाडा सामने आए हुए एक माह होने जा रहा है किन्तु कंसल्टेंट को ब्लैक लिस्ट करने और उसकी नियुक्ति का आदेश रद्द करने के बजाय पॉवर कॉरपोरेशन के चेयरमैन फाइल दबाए बैठे हैं और ऊर्जा मंत्री श्री अरविंद कुमार शर्मा जी पूरे प्रकरण के सार्वजनिक होने के बाद भी चुप्पी साधे हुए हैं। इससे मिलीभगत का संदेश जा रहा है। संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि निजीकरण में चल रहे भ्रष्टाचार के मामलों का प्रतिदिन पर्दाफाश किया जाएगा। संघर्ष समिति ने कहा कि पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम और दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम में बिजली उपभोक्ताओं का लगभग 66 हजार करोड़ रुपए का बिजली राजस्व का बकाया है। निजी घरानों की इस बड़ी धनराशि पर नजर है। उन्होंने कहा कि 01 अप्रैल, 2010 को आगरा शहर की बिजली व्यवस्था टोरेंट पावर कंपनी को दी गई थी। उस समय आगरा शहर में बिजली उपभोक्ताओं का लगभग 2200 करोड़ का बिजली राजस्व का बकाया था। आज 15 साल व्यतीत हो चुके हैं और टोरेंट पावर कंपनी ने एक पैसा भी पावर कारपोरेशन को वापस नहीं किया है। यह 2200 करोड़ रुपए की पूरी धनराशि टोरेंट पावर कंपनी ने हड़प लिया है और पॉवर कारपोरेशन के चेयरमैन चुप्पी साधे हुए हैं। पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम एवं दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण के बाद 66000 करोड रुपए की धनराशि निजी कंपनी की जेब में चली जाएगी। ऐसा प्रतीत हो रहा है कि यह सहमति पॉवर कारपोरेशन प्रबन्धन और कार्पोरेट घरानों के बीच बन चुकी है कि निजीकरण के बाद यह धनराशि उन्हें मुफ्त में मिल जाएगी। संघर्ष समिति ने ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा से मांग की है कि वह आगरा में टोरेंट पावर द्वारा 2200 करोड रुपए की धनराशि हड़पने के मामले में सार्वजनिक वक्तव्य दें । संघर्ष समिति निजीकरण में हो रहे अन्य घोटाले को कल सार्वजनिक करेगी। आज उप्र राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने अनशन स्थल पर आकर निजीकरण के विरोध में बिजली कर्मियों को प्रदेश के 03 करोड़ 45 लाख उपभोक्ताओं की ओर से खुला समर्थन दिया। आज अनशन के तीसरे दिन अनशन स्थल पर जितेन्द्र सिंह गुर्जर, जय प्रकाश, महेन्द्र राय, के एस रावत, रामचरण सिंह, राम निवास त्यागी, पी के दीक्षित, सरजू त्रिवेदी, आलोक सिन्हा, आर सी पाल आदि सहित 200 से अधिक बिजली कर्मी और अभियन्ता अनशन के समर्थन में उपस्थित हुए। संघर्ष समिति ने प्रदेश भर के बिजली कर्मचारियों और अभियंताओं से अपील की है कि वे निजीकरण के विरोध में 05 मई को रात्रि 08 बजे से से 0 9 बजे अपने घरों की बिजली बन्द कर आम जनता को यह यह संदेश देंगे कि निजीकरण प्रदेश को लालटेन युग में ले जाने वाला है। निजीकरण के बाद बिजली की दरें तीन गुना बढ़ जाएंगी और आम जनता को बिजली बन्द कर लालटेन युग में जाना होगा। क्रमिक अनशन के तीसरे दिन आज अभियन्ता संघ के अध्यक्ष संजय सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रभात सिंह, उपाध्यक्ष राहुल बाबू कटियार, राहुल सिंह, प्राविधिक कर्मचारी संघ के अध्यक्ष चन्द्र भूषण उपाध्याय एवं महासचिव मोहम्मद वसीम, बिजली मजदूर संगठन के अध्यक्ष माया शंकर तिवारी, कार्यालय सहायक संघ के आशीष त्रिपाठी एवं आशीष भारती, प्राविधिक कर्मचारी संघ के पश्चिमांचल के अध्यक्ष कवितेंद्र बच्चन और 200 से अधिक अन्य बिजली कर्मी सम्मिलित हुए। आज संघर्ष समिति के संयोजक शैलेन्द्र दुबे भी अनशन पर बैठे। 05 मई को वाराणसी, प्रयागराज, गोरखपुर, आजमगढ़, बस्ती, मिर्जापुर क्षेत्र के तथा लखनऊ नगर के बिजली कर्मी और अभियन्ता क्रमिक अनशन में सम्मिलित होंगे।

ग्रांड थॉर्नटन ब्लैक लिस्ट तो अडानी ग्रुप पर भी पड़ेगा प्रभाव : प्रदेश के 42 जनपदों के निजीकरण को लेकर उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन जहां संवैधानिक तरीके से ग्रांड थॉर्नटन कंपनी को काम दिया है उसे ब्लैक लिस्ट केवल इसलिए नहीं किया जा रहा है क्योंकि उसमें कार्यरत ज्यादातर एक्सपर्ट अदानी ग्रुप के साथ काम कर रहे हैं या कम कर चुके हैं इसलिए अदानी ग्रुप नहीं चाहता की ग्रांट थॉर्नटन कंपनी के खिलाफ कोई कार्रवाई हो।

संक्षिप्त समाचार

वाहन की टक्कर से ई रिक्शा चालक की मौत

हरचंदपुर रायबरेली, चसं। थाना क्षेत्र के खुचमा मोड़ के पास उस समय हड़कंप मच गया जब तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने ई रिक्शा में जोरदार टक्कर मार दी जिससे ई रिक्शा चालक गंभीर रूप से घायल हो गया जिसे आनन फानन नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया जहां डॉक्टर नहीं रिक्शा चालक को मदद घोषित कर दिया पुलिस में शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पूरा मामला थाना क्षेत्र के खुचमा मोड का है जहां पर मो मोइन उम्र लगभग 48 वर्ष पुत्र स्व जान मोहम्मद निवासी कठवारा ई रिक्शा से अपने घर जा रहे थे तभी अज्ञात वाहन ने ई रिक्शा में टक्कर मार दी और टक्कर मार कर अज्ञात वाहन मौके से फरार हो गया स्थानीय लोगों ने एंबुलेंस की मदद से ई रिक्शा चालक मो मोइन को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया जहां पर डॉक्टर ईरिक्शा चालक को मृत घोषित कर दिया मौके पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना अध्यक्ष आदर्श कुमार सिंह ने बताया है कि मामला सज्ञान में आया था शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया अज्ञात वाहन की तलाश की जा रही है।

परिषदीय शिक्षकों के संगठन का चुनाव 14 मई को

रायबरेली, चसं। परिषदीय शिक्षकों का नेता बनने के लिए राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के बैनर तले प्रतिष्ठापूर्ण चुनाव लगभग 3 वर्षों के 14 मई 2025 दिन बुधवार को बछरावां में सम्पन्न होगा जिसमें 210 से अधिक सदस्य साथी मतदान कर अध्यक्ष व अन्य पदों चयन करेंगे। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के ब्लॉक संयोजक लोकतंत्र शुक्ल ने बताया कि चुनाव हेतु अंतिम सदस्यता सूची का प्रकाशन हो गया है तथा जनपदीय कार्यसमिति के द्वारा14 मई 2025 की तिथि निर्धारित की गयीं है।सभी की सहभागिता एवम निष्पक्ष चुनाव सम्पन्न कराने हेतु विकास क्षेत्र के समस्त प्राथमिक,उच्च प्राथमिक एवम कंपोजिट विद्यालयों के शिक्षकों को आमंत्रित किया गया है।श्री शुक्ल ने यह भी बताया कि जो भी शिक्षक साथी अभी सदस्य नहीं बन पाए है वह चुनाव के दिन तक सदस्य बनकर चुनाव में प्रतिभाग कर सकते है। ज्ञात हो कि राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ की स्थापना 1988 में हुई थी, यह शिक्षा के माध्यम से राष्ट्र का उत्थान और शिक्षकों के हितों की रक्षा को अपना मुख्य उद्देश्य मानता है। महासंघ का गठन शिक्षा के क्षेत्र में सुधार और विकास के लिए एक मजबूत मंच प्रदान करता है।

पांच सदस्यीय कमेटी करेगी हरचंदपुर बीडीओ पर लगे आरोपों की जांच

रायबरेली, चसं। हरचंदपुर ब्लॉक में तैनात महिला ग्राम पंचायत अधिकारी (वीपीओ) की शिकायत की जांच पांच सदस्यीय कमेटी करेगी। कामकाजी महिलाओं के उत्पीड़न के मामले की जांच के लिए सामाजिक कार्यकर्ता की अध्यक्षता में यह कमेटी डीएम के स्तर से गठित की गई है। महिला कर्मचारी ने हरचंदपुर के खंड विकास अधिकारी पर गंभीर आरोप लगाते हुए डीएम से कार्रवाई की मांग की है। डीएम को दिए शिकायती पत्र में महिला वीपीओ ने आरोप लगाया कि छुट्टी के दिन असमय फोन करके परेशान किया जा रहा है। साथ ही ब्लॉक में कई तरीके से मानसिक दबाव बनाया जा रहा है, जिनका उल्लेख करना संभव नहीं है। बताया कि अविवाहित होने के कारण ऐसे मानसिक शोषण से सामाजिक जीवन पर कुप्रभाव पड़ रहा है। ऐसे में बीडीओ के अधीनस्थ काम कर पाना संभव नहीं है। साथ काम कर रही एक और महिला कर्मचारी को भी परेशान किया जा रहा है। डीएम हर्षिता माथुर ने मामले की जांच का आदेश दिया है। सामाजिक कार्यकर्ता अमिता खुबेले की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय आंतरिक शिकायत कमेटी गठित की गई है। सदस्यों में खंड विकास अधिकारी सलोन सुधा वर्मा, किशोर न्याय बोर्ड की सदस्य मीनू श्रीवास्तव, गांधी सेवा निकेतन के प्रबंधक अरुण कुमार मिश्रा को भी शामिल किया गया है। पदेन सदस्य के रूप में जिला प्रोबेशन अधिकारी जयपाल वर्मा को भी शामिल किया गया है। कमेटी को मामले की जांच करके रिपोर्ट देने के निर्देश दिए गए हैं। सीडीओ अर्पित उपाध्याय ने बताया कि जांच रिपोर्ट आने के बाद आगे कार्रवाई की जाएगी।

यूनिफॉर्म खरीदने को नहीं मिला पैसा

रायबरेली, चसं। परिषदीय विद्यालयों में पढ़ने वाले कक्षा एक से आठ तक के बच्चों को अभी तक यूनिफॉर्म, जूता-मोजा, स्कूल बैग आदि खरीदने के लिए 12-12 सौ रुपये की धनराशि नहीं मिल सकी है। ऐसे में बच्चे पुरानी ड्रेस और जूते-मोजे पहन कर स्कूल आ रहे हैं। डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के तहत बच्चों को धनराशि भेजी जानी है, जिसके लिए नया शिक्षा सत्र शुरू होते ही एक अप्रैल से प्रक्रिया प्रारंभ हो गई थी। काफी बच्चों का सत्यापन हो चुका है। धनराशि पाने के लिए इंतजार करना पड़ेगा। कक्षा एक से आठ तक में पढ़ने वाले बच्चों को यूनिफॉर्म, जूता-मोजा, स्वेटर, स्कूल बैग और स्टेशनरी के लिए 1200 रुपये प्रदान किए जाते हैं। नया शैक्षिक सत्र शुरू हुए एक महीने से ज्यादा वक्त बीत चुका है, लेकिन अब तक किसी भी बच्चे को लाभ नहीं मिला है। सत्र शुरू होते ही डीबीटी प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई थी, ताकि जल्द से जल्द सभी बच्चों का सत्यापन पूरा कराया जा सके। डीबीटी के तहत प्रेरणा पोर्टल पर बच्चों का ब्योरा अपडेट होता है।

इसके बाद विद्यालय स्तर पर डीबीटी प्रक्रिया के तहत बच्चों और उनके अभिभावकों के आधार का सत्यापन कराया जाता है। इसके बाद ब्लाक स्तर और फिर जिला स्तर पर सत्यापन के बाद धनराशि भेजने की प्रक्रिया शुरू की जाती है। जिला समन्वयक (सामुदायिक) डॉ. संजीव कुमार गुप्ता का कहना है कि अब तक प्रेरणा पोर्टल पर कक्षा एक से आठ तक के बच्चों का ब्योरा अपडेट किया जा रहा है। अब तक एक लाख 48 हजार 957 दिखाए गए हैं। इनमें से एक लाख 15 हजार 823 बच्चों का सत्यापन कार्य स्कूल, ब्लाक और जिला स्तर पर पूरा करा लिया गया है। इन बच्चों को धनराशि भेजे जाने के लिए बैच बनाए जा रहे हैं। ब्लाक स्तर पर 10539 और जिला स्तर पर 7123 बच्चों का सत्यापन लंबित है, जिसे दो-तीन दिन में पूरा कर लिया जाएगा। धनराशि भेजे जाने के संबंध में अभी कोई निर्देश नहीं मिला है। प्रयास होगा कि पहले चरण में ज्यादा से ज्यादा बच्चों को धनराशि देकर लाभान्वित करा दिया जाए।

रोड जाम और हंगामा करने पर 17 के खिलाफ केस

रायबरेली, चसं। सड़क हादसे में युवती की मौत के बाद हंगामा करने वाले 17 लोगों पर मिल एरिया थाने में केस दर्ज किया गया है। आरोपियों पर ट्रक पर पथराव, राहगीरों के साथ अभद्रता और रोड जाम करने का आरोप है। मिल एरिया थाने में तैनात वरिष्ठ उपनिरीक्षक के मुताबिक मलिकमऊ की रहने वाली अराधना (18) की बृहस्पतिवार रात ट्रक की टक्कर लगने से मौत हो गई थी। इस दौरान लोगों ने ट्रक पर पथराव करके शीशा तोड़ दिया था। राहगीरों के साथ अभद्रता करते हुए कहासुनी की। पुलिस पहुंची तो सरकारी कार्य में बाधा डाला। वरिष्ठ उपनिरीक्षक के मुताबिक किसी तरह लोगों को शांत कराकर युवती का शव पोस्टमार्टम हाऊस ले जाया गया। इस दौरान फिर लोग आक्रोशित हो उठे और रायबरेली-डीह मार्ग पर जाम लगा दिया। इससे आवागमन प्रभावित हुआ और राहगीरों को परेशानी झेलनी पड़ी। थाना प्रभारी ने बताया कि शुभम, हिमांशू पासी, लकी सिंह, अर्पित, अभिषेक, बड़े, राहुल और आठ-दस अज्ञात पर सरकारी कार्य में बाधा डालने, पथराव, रोड जाम करने समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज कर लिया गया है। आरोपियों पर जल्द कार्रवाई होगी।

ग्राम चौपाल में प्रधान प्रतिनिधि के बेटे ने बीडीओ को लात-घूंसों से पीटा, पीड़ित की तहरीर पर केस दर्ज

रायबरेली, चसं। महराजगंज ब्लॉक के पाली ग्राम पंचायत की है। पाली में रोस्टर के हिसाब से ग्राम चौपाल आयोजित की गई थी। ग्राम विकास अधिकारी संतशरण चौपाल में ग्रामीणों की समस्याएं सुन रहे थे। इसी दौरान प्रधान प्रतिनिधि के रूप में काम कर रहे पाली निवासी राजेंद्र कुमार का पुत्र सावंत कुमार उर्फ साहिल चौपाल में पहुंच गया। उसने गाली-गलौज करना शुरू कर दिया। वीडीओ के मना करने पर उन्हें लात मारकर ढकेल दिया। फिर लात-घूसों से जमकर पिटाई कर दी। कोतवाल जगदीश यादव ने बताया कि वीडीओ की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ मारपीट और सरकारी कार्य में बाधा डालने सहित कई धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया। आरोपी को हिरासत में लिया गया है।

वीडीओ संघ ने बीडीओ को सौंपा ज्ञापन, जताया गुस्सा : वीडीओ के साथ आपराधिक वारदात के बाद ग्राम विकास अधिकारी संघ के पदाधिकारियों ने गुस्सा जताया। वैभव मिश्रा, महेंद्र शुक्ला, सर्वोत्तम सिंह, अरुण कुमार, अतुल कुमार आदि ने बीडीओ वर्षा सिंह को ज्ञापन देकर घटना की कड़ी निंदा की। दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। वारदात के बाद सीडीओ अर्पित उपाध्याय के निर्देश पर जांच करने पहुंचे डीपीआरओ सौम्यशील सिंह ने दुजई को कड़ी फटकार लगाई। कहा कि प्रधान आप हैं, तो प्रतिनिधि किसी और को क्यों बनाए हुए हैं। डीपीआरओ ने प्रधान से पूछा कि 53 हजार रुपये के ह्यूम पाइप की खरीद हुई है। खरीदी गई पाइपों के मामले में जानकारी पूछी तो प्रधान जवाब नहीं दे पाए।

प्रधान के खिलाफ भी कार्रवाई होगी : रिबोर किए गए हैंडपंपों के बारे में भी प्रधान जवाब देने में नाकाम रहे। डीपीआरओ ने महराजगंज थाने पहुंचकर भी घटना की जानकारी ली। डीपीआरओ ने बताया कि प्रधान दुजई हैं, लेकिन प्रतिनिधि के तौर पर राजेंद्र कुमार काम करते हैं। मामले में जांच शुरू की गई है। प्रधान के खिलाफ कार्रवाई होगी।

संक्षिप्त समाचार

आधा दर्जन आईएएस अफसरों का तबादला

लखनऊ, चसं। उत्तर प्रदेश में आज रविवार को छह आईएएस अफसरों के तबादले कर दिए गए हैं। आईएएस ए दिनेश कुमार को विशेष सचिव गृह बनाया गया है। अविनाश कृष्ण सिंह को वर्तमान पद के साथ सचिव प्राविधिक शिक्षा विभाग का भी प्रभार दिया गया है। आईएएस बृजराज सिंह यादव को राजस्व परिषद लखनऊ में अपर भूमि व्यवस्था आयुक्त की जिम्मेदारी दी गई है। विनोद कुमार को विशेष सचिव प्राविधिक शिक्षा बनाया गया है। प्रेम प्रकाश मीणा को अलीगढ़ का नगर आयुक्त नियुक्त किया गया है। कृति राज को उन्नाव जिले का मुख्य विकास अधिकारी बनाया गया है।

पेंशन न पाने वाले पेंशनर प्रस्तुत करें जीवन प्रमाण पत्र

लखनऊ, चसं। कोषागार जवाहर भवन लखनऊ से पेंशन आहरण करने वाले ऐसे पेंशनर,पारिवारिक पेंशनर जिनकी पेंशन का भुगतान विगत 01 वर्ष से अधिक समय से नहीं हो रहा है, ऐसे पेंशनर्स,पारिवारिक पेंशनर्स अनिवार्य रूप से किसी भी कार्यालय दिवस में कोषागार में आई-डी प्रमाण-प्रपत्रों के साथ स्वयं उपस्थित होकर अपना जीवित प्रमाण-पत्र अवश्य प्रस्तुत कर दें। जिन पेंशन प्रकरणों के मामलों में पेंशनर्स,पारिवारिक पेंशनर्स की मृत्यु हो गई है।

ऐसे पेंशन प्रकरणों में पेंशनर्स के परिजनों से अनुरोध है कि वे पेंशनर्स पारिवारिक पेंशनर्स का मृत्यु प्रमाण-पत्र पहचान पत्र आई-डी तथा एक प्रार्थना-पत्र के साथ किसी कार्य दिवस में कोषागार में उपस्थित होकर अविलम्ब सूचित करें। मुख्य कोषाधिकारी आनन्द कुमार जवाहर भवन लखनऊ ने कहा कि विगत एक वर्ष एवं उसके पूर्व से कोषागार जवाहर भवन लखनऊ से पेंशन आहरण करने वाले ऐसे पेंशनरों पारिवारिक पेंशनरों के द्वारा अपना जीवित प्रमाण-पत्र कोषागार में प्रस्तुत नहीं किया गया है, न ही उनके परिजनों के द्वारा कोषागार में कोई सूचना दी गई है जिसके कारण काफी संख्या में पेंशनरों,पारिवारिक पेंशनरों का भुगतान नहीं हो पा रहा है।

टैक्स चोरी में फंसे राज्य कर के चार अफसर

लखनऊ, चसं। यूपी में राज्य कर विभाग में 600 करोड़ रुपये के हेरफेर से जुड़े मामले में चार वरिष्ठ अधिकारी फंस गए हैं। कानपुर से जुड़े इस प्रकरण में करीब 165 करोड़ रुपये की टैक्स चोरी की रिपोर्ट तैयार की गई है। निर्धारण अधिकारी ने आदेश पारित कर दिया। मामले में अपर आयुक्त ग्रेड वन ने चार अधिकारियों के खिलाफचार्जशीट की संस्तुति करते हुए रिपोर्ट शासन को भेज दी है। लेकिन रिपोर्ट में कार्रवाई होने से पहले चार्जशीट की संस्तुति करने वाले अपर आयुक्त को मूल तैनाती से हटाकर मुख्यालय से सम्बद्ध कर दिया गया है। घोटाले में अपर आयुक्त स्तर के एक, संयुक्त आयुक्त स्तर के एक और उपायुक्त स्तर के दो अधिकारियों के नाम हैं।

कानपुर की एक मसाला और तंबाकू निर्माता फर्म की जांच राज्य कर विभाग की विशेष जांच शाखा ने की थी। जांच अपर आयुक्त स्तर के अधिकारी ने कराई थी।

जांच में मसाला इकाई में आठ मशीनें मिलीं थीं। एक मशीन की स्पीड प्रति मिनट 2000 पाउच तैयार करने की होती है। विभाग के स्तर से 1000 पाउच प्रति मिनट की गणना की जाती है लेकिन जांच अधिकारियों ने केवल 400 पाउच प्रति मिनट की स्पीड के आधार पर उत्पादन की रिपोर्ट बनाई। दोबारा जांच में भी इसी गणना के हिसाब से रिपोर्ट दाखिल की गई। आठ मशीनों के बजाय एक मशीन की रिपोर्ट लगाई गई। करीब 600 करोड़ के टर्नओवर को छिपाकर 165 करोड़ की कर चोरी को छिपाया गया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी दुखी

लखनऊ, चसं। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी व प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने वरिष्ठ पत्रकार विजय राय के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है।प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान देने की प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त की है।

विधानसभा अध्यक्ष ने पत्रकार विजय राय के निधन पर जताया शोक

लखनऊ, चसं। उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने वरिष्ठ पत्रकार एवं राष्ट्रीय सहारा के समूह सलाहकार संपादक विजय राय के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है।श्री महाना ने अपने शोक संदेश में कहा, विजय राय एक सशक्त एवं निर्भीक पत्रकार थे, जिन्होंने निष्पक्ष और संवेदनशील पत्रकारिता के माध्यम से समाज को जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके लेखन में गहरी समझ, स्पष्ट दृष्टिकोण और राष्ट्रीय सरोकारों के प्रति प्रतिबद्धता सदैव झलकती थी। पत्रकारिता जगत में उनका योगदान अविस्मरणीय रहेगा।विधानसभा अध्यक्ष ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हुए शोक-संतप्त परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना प्रकट की है।

साइकिल चलाकर फिटनेस का संदेश दिया, कुलपति समेत शिक्षक और छात्रों ने चलाई साइकिल

लखनऊ, चसं। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में रविवार को खेल अनुभाग और एनसीसी के संयुक्त तत्वाधान में फिट इंडिया साइकिल अभियान का आयोजन हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने की। यह अभियान भारत सरकार के युवा मामले और खेल मंत्रालय की राष्ट्रीय पहल है। इसका उद्देश्य नागरिकों को नियमित साइक्लिंग के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना है।

कार्यक्रम के दौरान कुलपति प्रो. मित्तल ने शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों के साथ विश्वविद्यालय परिसर में साइकिल चलाई। उन्होंने कहा कि यह एक राष्ट्रव्यापी फिटनेस आंदोलन है। साइकल चलाना एक टिकाऊ, समावेशी और पर्यावरण-अनुकूल व्यायाम है। कार्यक्रम में कुलसचिव डॉ. अश्विनी कुमार सिंह, डीएसडब्ल्यू प्रो. नरेंद्र कुमार, वित्त अधिकारी डॉ. अजय कुमार मोहंती समेत कई शिक्षक, कर्मचारी और विद्यार्थी शामिल हुए।

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति : इकाइयों के थर्ड पार्टी निरीक्षण में तेजी लायी जाय : केशव

अद्यतन प्रगति के सम्बन्ध में जानकारी हासिल की गयी

चर्चित राजनीति। विशेष संवाददाता

लखनऊ। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति -2023 के तहत प्राप्तपरियोजना प्रस्तावो पर कार्यवाही करने, स्थापित इकाइयों के सब्सिडी प्रकरणों की समीक्षा करते रहने व प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना के क्रियान्वयन पर विशेष रूप से फोकस करने के निर्देश उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण के अधिकारियों को दिए हैं।

अपर मुख्य सचिव उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग की अध्यक्षता में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 अंतर्गत नामित थर्ड पार्टी इन्सपेक्शन एजेन्सी से प्राप्त रिपोर्ट अद्यतन प्रगति के सम्बन्ध में बैठक की गयी।बैठक में कानपुर, मेरठ, लखनऊ, आजमगढ़ ,बरेली प्रयागराज की नामित संस्थाओ विश्वविद्यालय के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। पं. दीन दयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय गोरखपुर से डा दिव्या सिंह व बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय झांसी से प्रोफेसर शिव कुमार कटियार द्वारा वर्चुअल प्रतिभाग किया गया। बैठक नामित थर्ड पार्टी इन्सपेक्शन एजेन्सियों से संबन्धित प्राप्त रिपोर्ट,अद्यतन प्रगति के सम्बन्ध में जानकारी हासिल की गयी तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। निर्देश दिए गए इकाईयों का निरीक्षण करते समय स्वच्छता मानकों का भी ध्यान रखा जाये तथा यह ज्ञात किया जाये कि संस्था द्वारा एचएससीसीपी प्रमाण पत्र सम्बन्धित विभाग से प्राप्त किया गया है अथवा नहीं। रिपोर्ट विभाग को प्रस्तुत करने से पूर्व सुनिश्चित कर लिया जाये कि वैधानिक प्रमाण पत्र संस्था द्वारा सम्बन्धित विभाग से प्राप्त कर लिया गया है जिसका विवरण रिपोर्ट में भी अंकित किया जाये। नोडल अधिकारी खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 को निर्देशित किया गया कि योजना से जुड़ी थर्ड पार्टी इन्सपेक्शन एजेन्सी द्वारा निरीक्षण सत्यापनोंपरान्त नीति में निहित प्राविधान के अनुसार भुगतान हेतु पत्रावली प्रस्तुत की जाये।

सीमैप लखनऊ से वर्चुअल प्रतिभाग कर रहे वैज्ञानिक डा रमेश श्रीवास्तव से चर्चा के मध्य अपेक्षा की गयी कि उनके स्तर से खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 एवं एमआईडीएच अन्तर्गत अधिक से अधिक प्रस्तावों को सम्मिलित करायें। इन्स्पेक्शन एजेंसियों व अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए गए।

केशव मौर्य ने पत्रकार के निधन पर व्यक्त किया शोक : उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने पत्रकार विजय राय के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है।श्री मौर्य ने शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति की कामना की है।

राज्य को वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने में आबकारी विभाग की अहम भूमिका

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। सीएम योगी आदित्यनाथ के राज्य को वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य प्राप्त करने में आबकारी विभाग की भूमिका महत्वपूर्ण है, जो राजस्व संग्रहण और अवैध शराब के कारोबार पर नियंत्रण के माध्यम से राज्य की आर्थिक प्रगति में योगदान दे रहा है। अप्रैल में विभाग ने 4600 करोड़ रुपये के राजस्व लक्ष्य के सापेक्ष 4319.46 करोड़ रुपये यानि 93.9 प्रतिशत की प्राप्ति की है जबकि गत वर्ष इस आलोच्य अवधि में निर्धारित लक्ष्य 4300 करोड़ रुपये के सापेक्ष 3313.43 करोड़ रुपये राजस्व अर्जित किया गया था। गत वर्ष अप्रैल माह में अर्जित राजस्व के सापेक्ष इस वर्ष अप्रैल माह में 30 प्रतिशत से अधिक राजस्व की प्राप्ति हुई है।

आबकारी एवं मद्यनिषेध राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार नितिन अग्रवाल ने कहा कि उपलब्धि विभाग की अवैध शराब के खिलाफ जीरो-टॉलरेंस नीति का परिणाम है, जिसमें सघन छापेमारी, तस्करी पर प्रभावी अंकुश, और क्यूआर कोड आधारित ट्रैकिंग सिस्टम जैसे नवाचारों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। शराब की गुणवत्ता और पारदर्शी आपूर्ति के लिए लागू नई नीतियों ने उपभोक्ता विश्वास को बढ़ाया। यह राजस्व न केवल विभाग की कार्यकुशलता को दर्शाता है, बल्कि उत्तर प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के राज्य के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को गति प्रदान करेगा।

उन्होंने कहा कि अप्रैल माह में राजस्व प्राप्ति का 93.9 प्रतिशत होना यह दर्शाता है कि विभाग सही दिशा में आगे बढ़ रहा है और वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए विभाग ने 63,000 करोड़ रुपये राजस्व लक्ष्य को प्राप्त करने का संकल्प लिया है। यह राजस्व राज्य की विकास योजनाओं, बुनियादी ढांचे, और सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों को गति प्रदान करने में सहायक होगा।आबकारी मंत्री ने कहा कि माह अप्रैल में आबकारी विभाग द्वारा अवैध शराब के निर्माण, बिकी एवं तस्करी के विरूद्ध 80,519 छापे मारे गये तथा 9,768 अभियोग पंजीकृत कर लगभग 2.62 लाख लीटर अवैध शराब बरामद की गयी। अवैध शराब के कारोबार में संलिप्त 1,772 व्यक्तियों को गिरफ्तार करते हुए उनमें से 324 व्यक्तियों को जेल भेजा गया। अवैध मदिरा के परिवहन में संलिप्त पाये गये 13 वाहनों को भी जब्त किया गया है।

मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेले का 2 लाख रोगियों ने उठाया लाभ

चर्चित राजनीति। संवाददाता

- **1700 गंभीर रोएगी रेफर, 3121 गोल्डन कार्ड वितरित किए गये**

लखनऊ। स्वास्थ्य सुविधायें एवं सेवायें जनसामान्य, विशेषकर समाज के अन्तिम पायदान पर स्थित लोगों को उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री द्वारा 2 फरवरी 2020 से शुभारम्भ किये गये मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेले के 199 वां मेला आज पूरे प्रदेश में आयोजित किया गया।

मेलों के प्रारम्भ से ही स्वास्थ्य सुविधाओं यथा जॉच-उपचार, गोल्डेन कार्ड के वितरण के साथ स्वास्थ्य योजनाओं की उपलब्धता के कारण यह मेला जनता में निरन्तर लोकप्रिय रहा है।इन आरोग्य स्वास्थ्य मेलों में आगन्तुकों,रोगियों को स्वास्थ्य सुविधायें उपलब्ध कराने के अतिरिक्तव्यक्तिगत व पर्यावरणीय स्वच्छता की स्वास्थ्य के सन्दर्भ में महत्ता के विषय में अवगत कराया गया। जल-जनित रोगों से बचाव के विषय में चर्चा की गयी। मच्छरों से होने वाली बीमारियों से बचने के लिये सोते समय मच्छरदानी लगाने एवं आस-पास पानी न जमा होने देने की सलाह दी गयी। मौसमी बीमारियों से बचाव हेतु उपायों का व्यापक प्रचार-प्रसार मेले में किया गया। शुद्ध पेयजल तथा मरीजों के बैठने की समुचित व्यवस्था की गयी। तम्बाकू प्रयोग के कारण होने वाली हानियां एवं गैर संचारी रोगों से सुरक्षित रहने के सन्दर्भ में भी स्वस्थ जीवन शैली का अनुसरण करने के विषय में संवेदीकृत किया गया। संतुलित आहार तथा व्यायाम की आवश्यकता के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य के विषय में भी लोगों की जिज्ञासाओं का निराकरण किया गया। इसके अतिरिक्त गम्भीर रोगियों को निःशुल्क एम्बुलेंस से उच्चतर चिकित्सा केन्द्रों पर संदर्भित किया गया। मेले में गोल्डेन कार्ड भी बनाकर वितरित किये गये।

विशेष मृदा नमूना संकलन अभियान आज से

चर्चित राजनीति। संवाददाता

- **प्रत्येक पंचायत से लेंगे 100 नमूने, किसानों को मिलेंगे निःशुल्क मृदा स्वास्थ्य कार्ड : शाही**

लखनऊ। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशानुसार संपूर्ण उत्तर प्रदेश में 5 मई से विशेष मृदा नमूना संकलन अभियान संचालित किया जायेगा ,जिससे मृदा के स्वास्थ्य को सुधारने के लिए बेहतर रणनीति बनाई जा सकेगी और किसानों को उनकी मृदा के स्वास्थ्य के विषय में उपयुक्त जानकारी दी जा सकेगी।

अभियान के माध्यम से खरीफ सीजन के लक्ष्यों की शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित की जायेगी। अपने राजकीय आवास पर पत्रकारों से वार्ता के दौरान मंत्री ने अवगत कराया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 2015 में प्रारम्भ मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना के तहत प्रदेश की 16,520 ग्राम पंचायतों को संतृप्त करने का लक्ष्य निर्धारित है। 2023 में 4,850 एवं 2024 में 8,260 ग्राम पंचायतों में निःशुल्क मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरण का कार्य पूर्ण किया जा चुका है। शेष 16,520 पंचायतों से नमूना संग्रह कर 2025 में संतृप्त किया जायेगा। प्रत्येक पंचायत से 100 नमूने लिये जायेंगे। मंत्री ने बताया कि खरीफ सीजन में 11,564 ग्राम पंचायतों से 11.56 लाख नमूने तथा रबी सीजन में 4,956 ग्राम पंचायतों से 4.96 लाख नमूने संग्रहित किये जायेंगे। 7,500 क्षेत्रीय कृषि प्रसार कर्मी, 1,000 प्रयोगशाला कर्मी एवं 7,684 प्रशिक्षित कृषि सखियों को सम्मिलित किया गया है। कृषि सखियों को प्रति नमूना 15 रूपये मानदेय प्रदान किया जायेगा। अब तक 21, 25 एवं 29 अप्रैल को तीन विशेष अभियानों के माध्यम से 3.60 लाख नमूने एकत्र कर प्रयोगशालाओं में भेजे जा चुके हैं। संकलित नमूनों की जानकारी मृदा स्वास्थ्य पोर्टल https://soil-health.dac.gov.in पर उपलब्ध है। 5 मई के विशेष अभियान में हर जनपद में कृषि विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को नोडल अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है। नोडल अधिकारियों की उपस्थिति में कृषि प्रसारकर्मी, प्रयोगशाला अधिकारी एवं कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक समन्वित रूप से नमूना संकलन करेंगे। अभी तक के परीक्षणों के आधार पर प्रदेश की मिट्टी में जीवांश कार्बन 0.25-0.50 प्रतिशत है। इसमें नाइट्रोजन, फास्फोरस, पोटाश, सल्फर, जिंक एवं आयरन की कमी पाई जा रही है। कृषकों को 12 मानकों पर आधारित निःशुल्क मृदा स्वास्थ्य कार्ड उपलब्ध कराये जायेंगे, जिससे वे संतुलित उर्वरक प्रबंधन कर सकें। शाही ने कृषकों से अपील की है कि सक्रिय सहभागिता करते हुए अपनी भूमि की उर्वरता बढ़ाने हेतु वैज्ञानिक सलाहानुसार उर्वरकों का संतुलित उपयोग सुनिश्चित करें, जिससे न केवल उनके खेतों की मिट्टी का स्वास्थ्य अच्छा होगा बल्कि उन्हें अच्छा उत्पादन भी मिलेगा और भविष्य में अधिक पोषण वाली फैसले भी पैदा होंगी।

राजनीति की बिसात पर अखिलेश यादव की चाल, छोटे मोहरों से बड़े दांव की तैयारी

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी ने मिशन 2027 के लिए अपनी चालें शुरू कर दी हैं। इस बार अखिलेश यादव की निगाह उन छोटे मझोले क्षत्रपों पर है, जिनका क्षेत्रीय असर बड़ा है। सियासी शतरंज पर बड़े खिलाड़ियों से टकराने के लिए अखिलेश उन नेताओं को अपने खेमे में ला रहे हैं, जो भाजपा-सुभासपा जैसे गठबंधनों में सेंध लगा सकते हैं।

हाल ही में महेन्द्र राजभर की सपा में एंट्री ने इस योजना के संकेत दे दिए हैं। कभी सुभासपा मुखिया ओमप्रकाश राजभर के खास रहे महेन्द्र राजभर ने 2017 में मऊ सदर से बाहुबली मुख्तार अंसारी के खिलाफचुनाव लड़ा था। तब पीएम मोदी ने खुद उनके लिए प्रचार किया, उन्हें कटप्पा कहा, लेकिन कुछ ही साल में महेन्द्र राजभर सुभासपा से अलग हो गए और अपने बलबूते पूरब में राजनीतिक जमीन मजबूत की। अब अखिलेश उन्हें भाजपा-सुभासपा के खिलाफ बड़ा हथियार बना सकते हैं, खासकर घोसी, बलिया, गाजीपुर जैसे इलाकों में, जहां राजभर प्रभावशाली माने जाते हैं। राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक, अखिलेश यादव का ध्यान अब सिर्फओबीसी नहीं, बल्कि दलित वोट बैंक को भी साधने पर है। लोकसभा चुनाव के बाद वह तेजी से दलित गोलबंदी की रणनीति पर काम कर रहे हैं। राणा सांगा विवाद को ठाकुर बनाम दलित मोड़ देना, बाबा साहेब अंबेडकर पर केंद्रित कार्यक्रमों की श्रृंखला, ये सब सपा की नई आक्रामक रणनीति का हिस्सा हैं। भाजपा की धर्म आधारित राजनीति की काट के लिए अखिलेश सामाजिक न्याय के एजेंडे को धार दे रहे हैं। वरिष्ठ विश्लेषक वीरेंद्र सिंह रावत का कहना है, ÷अखिलेश जानते हैं कि कांग्रेस के साथ रहना उनके लिए दलित परसेप्शन बनाए रखेगा। यही वजह है कि वह श्इंडियाश् गठबंधन में बने रहने की बार-बार घोषणा कर रहे हैं। उनका मकसद हर उस जाति समूह को साथ जोड़ना है जो भाजपा के बड़े वोट बैंक में सेंध लगा सके।सपा प्रवक्ता अशोक यादव कहते हैं, ÷छोटे दल, समान विचारधारा वाले नेता, सब हमारे साथ आ रहे हैं। पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) आंदोलन को मजबूत करना, किसान, महिला, बेरोजगार जैसे वर्गों की लड़ाई लड़ना, और योगी सरकार को सत्ता से बेदखल करना हमारा मकसद है। इस सरकार की नीतियां जनविरोधी हैं, और जनता में इसकी व्यापक नाराजगी है।÷महेन्द्र राजभर जैसे नेताओं की एंट्री से सपा न सिर्फ पूरब में सुभासपा-भाजपा गठजोड़ को चुनौती देगी, बल्कि राज्यव्यापी स्तर पर छोटे-मझोले क्षत्रपों के सहारे एक नया सामाजिक गठबंधन रचने की कोशिश करेगी। मिशन 2027 की इस तैयारी में अखिलेश की रणनीति साफहै-हर इलाके में मजबूत छोटे मोहरों को अपने पाले में लाओ, ताकत बटोरकर सत्ता की गद्दी पर धावा बोलो।

देश हिंदू राष्ट्र बनेगा, राहुल गांधी को बाहर भेजो : राजू दास

चर्चित राजनीति। संवाददाता

- **हिंदू रक्षा परिषद अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन**

लखनऊ। पहलगाम की घटना को लेकर लखनऊ में विश्व हिंदू रक्षा परिषद ने बड़ी धर्म संसद बुलाई। इसमें हिंदुओं की आवाज के लिए देश भर से धर्मगुरु बुलाए गए।

इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में अयोध्या, काशी, मथुरा के तमाम हिंदुओं के साथ यूपी के डिप्टी सीएम बृजेश पाठक भी धर्म संसद में शामिल हुए। धर्म संसद को लेकर अयोध्या की हनुमानगढ़ी के पुजारी राजू दास ने कहा-हिंदुस्तान एक हिंदू राष्ट्र होगा। जिस तरह से पहलगाम में घटना हुई, मुर्शिदाबाद में घटना हुई है। देखा जा रहा है हिन्दुस्तान से हिंदू पलायन कर रहा है। उन्होंने कहा कश्मीर के उमर अब्दुल्ला ने प्रधानमंत्री से मुलाकात कर बताया कि पहलगाम की घटना कश्मीरियों की मदद से ही हुई है। इसके साथ ही राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा राहुल गांधी को हिंदुत्व-सनातन के बारे में जानकारी नहीं है, इसलिए उन्हें भारत से बाहर कर देना चाहिए। पहलगाम की घटना को लेकर कालिदास चौराहा, भाजपा दफ्तर,अखिलेश यादव के आवास के पास चौराहे पर पोस्टर लगाए गए थे। जो होर्डिंग लगाए गए हैं, उसमें लिखा गया है कि न बंटेंगे न कटेंगे, धर्म संसद है जरूरी. इसके साथ ही होर्डिंग में कोई धर्म पूछ कर न मारे गोली। 4 मई को उठेगी हिंदुओं की आवाज जैसे वाक्य भी लिखे गए हैं। विश्व हिंदू रक्षा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष का कहना है कि पहलगाम में हिंदुओं को टारगेट करके उनका धर्म पूछकर मारा गया।

भारत निर्वाचन आयोग लांच करेगा एकल बिंदु ऐप

चर्चित राजनीति। संवाददाता

- **40 से अधिक आईटी ऐप्स यूआई यूएक्स वाले ऐप में होंगे शामिल**
- **नया ईसीआई-नेट नागरिकों के लिए सुगम बनायेगा चुनावी सेवाएं**

लखनऊ। भारत निर्वाचन आयोग निर्वाचकों और इनके हितधारकों चुनाव पदधारियों, राजनीतिक दलों और नागरिक समाज के लिए एक नया उपयोगकर्ता-अनुकूल डिजिटल इंटरफेस विकसित कर रहा है। नया वन-स्टॉप प्लेटफॉर्म, ईसीआई-नेट, आयोग के 40 से अधिक मौजूदा मोबाइल और वेब एप्लिकेशनों को एकीकृत करेगा और अनुकूल बनाएगा। ईसीआई-नेट में एक सुंदर यूजर इंटरफेस यूआई और एक सरलीकृत यूजर एक्सपीरियंस यूएक्स होगा, जो चुनाव-संबंधित सभी गतिविधियों के लिए एक एकल प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराएगा। प्लेटफॉर्म उपयोगकर्ताओं को कई ऐप डाउनलोड करने और नेविगेट करने, अलग-अलग लॉगिन याद रखने के बोझ को कम करने के लिए भी डिजाइन किया गया है। प्लेटफॉर्म की परिकल्पना भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त सीईसी ज्ञानेश कुमार ने निर्वाचन आयुक्त डॉ सुखबीर सिंह संधु और निर्वाचन आयुक्त डॉविवेक जोशी की उपस्थिति में मार्च में मुख्य निर्वाचन अधिकारियों सीईओ के सम्मेलन के दौरान की थी।ईसीआई-नेट उपयोगकर्ताओं को अपने डेस्कटॉप या स्मार्टफोन पर सुसंगत चुनावी डेटा तक पहुँचने में सक्षम बनाएगा। यह सुनिश्चित करने के लिए कि डेटा यथासंभव सटीक है, ईसीआई-नेट पर डेटा केवल आयोग के अधिकृत पदधारी द्वारा दर्ज किया जाएगा। पदधारी द्वारा की गई प्रविष्टि से सुनिश्चित होगा कि हितधारकों को उपलब्ध कराया गया डेटा सटीक है। किसी भी विवाद के मामले में, सांविधिक फॉर्मों में विधिवत भरा गया प्राथमिक डेटा ही मान्य होगा।ईसीआई-नेट में वोटर हेल्पलाइन ऐप, वोटर टर्नआउट ऐप, सी-विजिल, सुविधा 2.0, ईएसएमएस, सक्षम और केवाईसी ऐप जैसे मौजूदा ऐप शामिल होंगे, जिन्हें 5.5 करोड़ से ज्यादा बार डाउनलोड किया जा चुका है। ईसीआई-नेट से 100 करोड़ निर्वाचकों और सम्पूर्ण चुनावी तंत्र को फायदा मिलने की उम्मीद है, जिसमें देश भर के 10.5 लाख से ज्यादा बूथ लेवल अधिकारी बीएलओ राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त 15 लाख बूथ लेवल एजेंट बीएलए, लगभग 45 लाख मतदान पदधारी, 15,597 सहायक निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एईआरओ, 4,123 ईआरओ और 767 जिला चुनाव अधिकारी डीईओ शामिल हैं।ईसीआई-नेट पहले ही अपने विकास के उन्नत चरण में पहुंच चुका है और इसकी सुचारु कार्यक्षमता, उपयोग में आसानी और मजबूत साइबर सुरक्षा उपायों को सुनिश्चित करने के लिए कठोर परीक्षण किए जा रहे हैं।

इसे सभी राज्यों,संघ राज्य-क्षेत्रों के 36 सीईओ, 767 डीईओ और उनके राज्यों संघ राज्य क्षेत्रों के 4,123 ईआरओ को शामिल करके एक विस्तृत परामर्शी प्रयोग करने के साथ समय-समय पर आयोग द्वारा जारी चुनावी ढांचे, अनुदेशों और पुस्तिकाओं के 9,000 पृष्ठों वाले 76 प्रकाशनों की समीक्षा करने के बाद विकसित किया जा रहा है।

ईसीआई-नेट के माध्यम से उपलब्ध कराए गए आंकड़े लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950, 1951, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम, 1960 तथा निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 और आयोग द्वारा समय-समय पर जारी अनुदेशों द्वारा स्थापित कानूनी ढांचों के सख्त दायरे के भीतर होंगे तथा इसके अनुरूप होंगे।

जब दर्द जज्बात बन जाता है...

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। जिंदगी का असली रंग तब दिखता है, जब दर्द जज्बात बन जाता है ...जब तक इंसान की जिंदगी में सब अच्छा चल रहा होता है वह अपने को बादशाह समझ बैठता है. उसे लगता है कि उसका पद, पैसा ,रुतबा हर चीज से ऊपर है फिर चाहे वह रिश्ते नाते ही क्यों ना हो? लेकिन एक कहावत कही गई है कि वक्त किसी का सगा नहीं होता .यह अचानक ही बदल जाता है और जब वक्त बदलता है उसकी मार से इंसान करहा जाता है।

वक्त की मार ऐसी होती है कि सामने पानी रखा है मगर इंसान खुद उसे उठाकर पी नहीं पद्यता।उसकी ताकत जवाब दे जाती है।

केजीएमयू के ट्रॉमा सेंटर में हर गरीब , अमीर इसी वक्त की मार से आहत है .जो सक्षम है वह अपने मरीज को बचाने के लिए महंगी से महंगी दवाई लगा देते हैं .लेकिन जो गरीब है पहले से ही वक्त की मार से लाचार है उनका क्या? आखिर ट्रॉमा सेंटर में भर्ती अपने मरीज को बचाने के लिए कहां से महंगी दवाई दवाई ले? कहां से इलाज का खर्चा उठाएं? फिर चाहे वह गोंडा से आई सुमन देवी हो, लता हो या राम प्रकाश सभी ट्रॉमा सेंटर परिसर में प्रवेश द्वार के पास अपना सामान रख अपने मरीज को बचाने की खातिर हर पल जूझ रहे हैं. ना खाने पीने की व्यवस्था, न रुकने का पर्याप्त इंतजाम और ना ही पास में पैसे बचे हैं कि खुद कुछ सामान खरीद सके। आज श्रीमती रवि कैंसर सेवा केंद्र को ऐसा ही कुछ देखने को मिला जब केंद्र की ओर से यहां मरीज व तीमारदारों के लिए पानी व खाने का सामान वितरित किया जा रहा था।

खाने पीने का सामान लेने के लिए लोगों की भीड़ जुट गई। महिलाएं, बच्चे और बुजुर्गों को सबसे पहले पानी की बोतल, बिस्कुट व फल आदि वितरित किए गए। इस दौरान वहां उपस्थित बहराइच निवासी लता देवी का रो-रो कर बुरा हाल था उनके पति को एक दुर्घटना में सिर में गंभीर चोटे आई थी। अपने मरीज को देखने के लिए वह परेशान थी. सेवा केंद्र द्वारा लता को एक गार्ड के साथ वार्ड में भिजवा दिया गया। इसी तरह सुल्तानपुर निवासी सुमन देवी के 55 वर्षीय पति को कैंसर है जो कि दिमाग तक फैल गया. ट्रॉमा में भर्ती है. सुमन देवी पिछले दो दिन से रैन बसेरे में रुकी हुई है। श्रीमती रवि सेवा केंद्र के संयोजक अमित कुमार के पास आकर उन्होंने कहा कि 'भैया कुछ पैसे दे दो कुछ खाया नहीं है कल से' इस पर तुरंत ही उन्हें श्रीमती रवि सेवा केंद्र द्वारा आर्थिक सहायता प्रदान की गई।

हे ज्ञानी! अपना धन केवल योग्य को दें और दूसरों को कभी नहीं। मेघों द्वारा प्राप्त समुद्र का जल सदैव मीठा होता है, किसी व्यक्ति की सहनशीलता को ध्यान में रखते हुए, उसे परेशान न करें, शक्तिशाली दिमाग को कोई नहीं हरा सकता : आचार्य चाणक्य

संपादकीय

जातिगत जनगणना के अहम पहलू

भारत में जाति-आधारित आँकड़ा संग्रह का एक लंबा इतिहास है, जिसमें वर्ष 1931 तक की जातियों की सूचना शामिल है। वर्ष 1951 के बाद जातिगत आँकड़ों का संग्रह बंद करने का निर्णय लिया गया ताकि इस विभाजनकारी दृष्टिकोण से बचा जा सके और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा दिया जा सके। हालाँकि, बदलती सामाजिक-राजनीतिक गतिशीलता और सटीक सूचना की आवश्यकता को देखते हुए जातिगत जनगणना का नए सिरे से आह्वान किया जा रहा है।जाति जनगणना के विरोधियों का तर्क है कि जाति-आधारित भेदभाव अवैध है और जातिगत जनगणना जाति व्यवस्था को सबल ही करेगी।उनका मानना है कि लोगों को उनकी जातिगत पहचान के आधार पर वर्गीकृत करने के बजाय सभी नागरिकों के लिये व्यक्तिगत अधिकारों और समान अवसरों पर ध्यान केंद्रित करने को प्राथमिकता दी जानी चाहिये।आलोचकों का तर्क है कि इससे समाज में भ्रम, विवाद और विभाजन की वृद्धि की स्थिति बन सकती है। यद्यपि जातिगत जनगणना के पक्ष और विपक्ष, दोनों में ही प्रबल तर्क मौजूद हैं, सामाजिक न्याय को बढ़ावा देने और संसाधनों के समान वितरण को सुनिश्चित करने के लिये ओबीसीएस एवं अन्य समूहों की आबादी पर सटीक आँकड़े का होना आवश्यक है। जातिगत जनगणना सकारात्मक कार्रवाई नीतियों की प्रभावशीलता की निगरानी करने और भारतीय समाज की एक व्यापक तस्वीर प्रदान करने में भी मदद कर सकती है। नीति निर्माताओं के लिये अधिक न्यायसंगत और न्यायपूर्ण समाज का निर्माण करने के लिये दोनों पक्षों के तर्कों पर सावधानीपूर्वक विचार करना अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। बहरहाल मोदी सरकार ने जातिवार जनगणना कराने का अप्रत्याशित निर्णय ले लिया। इसके पहले 1931 में अंग्रेजों ने ऐसी जनगणना कराई थी। हालांकि इसकी समय-समय पर मांग होती रही। मनमोहन सरकार ने कुछ क्षेत्रीय दलों के दबाव में 2011 में सर्वेक्षण की शक्ल में सामाजिक-आर्थिक जाति जनगणना कराई, लेकिन गलत आंकड़ों के कारण उन्हें सार्वजनिक नहीं किया गया। पिछले कुछ समय से राहुल गांधी जातिवार जनगणना की मांग पर बहुत जोर दे रहे थे। वे इस मामले में सपा, राजद जैसे दलों को भी पीछे छोड़ रहे थे। यह इसलिए हैरान करने वाला था, क्योंकि कांग्रेस कभी भी जातिगत जनगणना के पक्ष में नहीं रही। जनगणना के साथ जातिवार गणना में कोई बुराई नहीं, लेकिन खतरा यह है कि सामाजिक न्याय की बात करने वाले नेता जातिगत जनगणना के जरिये सामाजिक खाई को निश्चित तौर से बढ़ावा देंगे। वैसे भी बिना जातिये जनगणना के जातिगत मतभेद भारत में आम है। कई राजनैतिक दल जातिगत आधार पर ही क्षेत्रीय राजनीति में टिके हुए है। यह खतरा वास्तविक है, क्योंकि कई दल जाति विशेष की बात ही नहीं करते, उन्होंने खुद को कुछ विशेष जातियों के हितैषी दल के रूप में ही उभारा है। वे साफतौर पर कुछ जातियों को दूसरी जातियों के खिलाफ खड़ा करते हैं। यह सामाजिक न्याय नहीं, अन्याय है। यह राजनीति जातीय विभाजन और जातीय वैमनस्य को बढ़ाती है। ऐसी राजनीति सामाजिक एकजुटता को कमजोर कर सकती है। ऐसा न होने पाए, इसके लिए कुछ जतन करने ही होंगे।आरएसएस ने अवश्य इसका समर्थन किया। तब कांग्रेस और कुछ क्षेत्रीय दल जाति आधारित जनगणना पर जोर देने में लगे हुए थे। सबसे ज्यादा जोर राहुल गांधी दे रहे थे, जबकि नेहरू से लेकर नरसिंह राव तक ने इसकी जरूरत नहीं समझी। यह तय है कि जातिगत जनगणना कराने के फैसले पर जहां कांग्रेस एवं अन्य विपक्षी दल इसका श्रेय लेंगे।

टूटे खेती में घाटे की रीत, किसान हों समृद्धि के मीत

उत्तराखंड व हिमाचल में जंगली सुअर,बंदर, लंगूर, तोते आदि फसलों को बहुत नुकसान पहुंचा रहे हैं। किसानों की फसलें बर्बाद हो रही हैं। दरअसल, हमने प्राकृतिक जीवन में जो दखल दी है, ये उसका नतीजा है। किसान व उनके परिवार रात-दिन खेतों व बगीचों में फसल की रक्षा कर रहे होते हैं। हमें विकल्प देने से पहले किसानों को शिक्षित करने की जरूरत है। अन्ना आंदोलन के दौरान भ्रष्टाचार के खिलाफमुहिम चली तो मैं मूल संस्थापकों में शामिल था। उस समय नहीं सोचा कि देश भ्रष्टाचार के खिलाफ खड़ा होगा। मध्य रात्रि में संसद सत्र आहूत किया गया। भले ही परिणाम सबके सामने है, लेकिन इस दिशा में प्रयास तो बंद नहीं होने चाहिए।

समय-समय पर खेती-किसानी से जुड़ी आबादी के आंकड़े आते हैं। भारत की मौजूदा आबादी 140 करोड़ है। इसमें से आधी आबादी प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष तौर पर खेती से जुड़ी है। यह आंकड़ा करीब 70 करोड़ है। सरकारी आंकड़े के अनुसार, 46 प्रतिशत लोग खेती में हैं। कृषि क्षेत्र का देश की जीडीपी में 18 प्रतिशत योगदान है। पहले कहा जाता था कि दुनिया में सबसे ज्यादा खेती में जुड़े लोग चीन व भारत में हैं। दुनिया की खेती में लगी आधी आबादी इन देशों की है। लेकिन अब भारत लीड ले रहा है।

दरअसल, कॉरपोरेट को तरजीह देने वाली सोच ने किसान को गरीब बनाया है। कहा गया कि देश की ग्रोथ तब होगी, जब खेती पर निर्भर जनसंख्या को कम करके उन्हें शहरों में लाया जाएगा। यानी कृषि की कीमत पर आर्थिक रिफॉर्म को प्राथमिकता। ताकि सस्ते श्रमिक कॉरपोरेट को मिल सकें। कॉरपोरेट ने देश में एक सोच बना दी कि आलू, प्याज महंगा होने से आम आदमी का बजट बिगड़ जाएगा। लेकिन मॉल में शॉपिंग से हमारा बजट नहीं बिगड़ता। बेरिस्टा की हो या स्टारबक्स की कॉफी, मॉल में 300 रुपये कीमत लेने पर हमें महंगाई नजर नहीं आती। आलू-प्याज के ही दाम बढ़ने पर हमें महंगाई दिखायी देती है। एक सोचा-समझा मॉडल कि खेती बर्डन है समाज के लिये। कृषि में सुधार लाने के लिये इस सोच को बदलें। खेती से निकला किसान व खेतिहर श्रमिक शहरों की झुग्गियों में बदतर जीवन जीता है। शहरों में फ्लाई ओवर के नीचे सोता नजर आता है। विकास का ये मॉडल कॉरपोरेट को रास आता है। देश की आर्थिक नीतियां भी कॉरपोरेट सोच के अनुरूप हैं। मुख्यधारा के अर्थशास्त्री भी दुनिया के विभिन्न देशों में अपनायी गई नीतियों का कट-पेस्ट करते रहते हैं। पश्चिम में फेल पुराना मॉडल यहां लागू करते हैं। मैने हर बार कहा है कि खेती का संकट खेत में नहीं बल्कि खेत से बाहर है। आर्थिक डिजाइन किसान को पर्याप्त दाम नहीं देता। गांव में आधुनिकीकरण का प्रयास तब सफल होगा जब उसके हाथ में रिसोर्स होंगे। कई बार मैं कहता हूं कि वर्ष 1971 में गेहूं का मूल्य 76 रुपये प्रति कुंतल था। कालांतर 2015 में 45 साल के बाद यह 1450 रुपये हुआ। यह वृद्धि 19 गुना बैठती है। लेकिन इस दौरान आम कर्मचारी की तनख्वाह का बेसिक 120 से 150 प्रतिशत बढ़ा। वहीं प्रोफेसर का वेतन 150 से 170 प्रतिशत बढ़ा। वर्ष 1971 में स्कूल टीचरों का वेतन कम था, ये 1971 के मुकाबले 280 से 220 प्रतिशत बढ़ा। मेरा मानना है कि यदि कर्मचारियों का वेतन

45 साल में 19 प्रतिशत बढ़ता तो आधे लोग नौकरी छोड़ देते या कुछ आत्महत्या कर लेते। लेकिन खेती उसी स्तर पर है। ऐसा नहीं है कि किसान तरक्की नहीं चाहते। एक सर्वे का अकसर उल्लेख करता हूं। वर्ष 2016 में सरकार का एक सर्वे सामने आया था, जिसमें कहा गया कि देश के 17 राज्यों में किसान की सालाना इनकम 20 हजार रुपये है। कुल 17 राज्यों का मतलब है कि आधा देश हो गया। ऐसे में यदि मैं पंजाब में एक गाय पालना चाहूं तो 1700 रुपये प्रतिमाह की आय में यह संभव नहीं होगा। ऐसे में सोचें कि किसान कैसे गुजारा करता होगा। जब किसान की औसत आय इतनी कम है तो तकनीक या उद्योग से किसानों का भला कैसे होगा? शहर में भी यदि बीस हजार तनख्वाह कर दें तो कौन सा चेंज लाया जा सकता है? ये तो किसान के साथ अन्याय है। वहीं दूसरी तरफयदि किसान टमाटर 10 से 20 रुपये किलो कर दे तो हंगामा हो जाता है। रेहड़ी वाले से हर आदमी मोल-भाव करना चाहता है। दस रुपये है तो आठ लगा लो। लेकिन मॉल में जाकर हम यह नहीं कर पाते। यह सोच हमारे आर्थिक डिजाइन की देन है।

सोच बना दी गई है कि यदि लोगों को खेती से निकालकर शहर में नहीं लाते तो देश की तरक्की नहीं हो सकती। गांधी जी कहा करते थे कि भारत की आत्मा गांवों में बसती है। उनकी ग्राम स्वराज की अवधारणा नीति-नियंताओं की समझ में नहीं आती। लेकिन पश्चिमी देशों में विफल रही विश्व बैंक, आईएमएफ आदि की नीतियों को हमारे यहां कट-पेस्ट कर लागू करने को प्राथमिकता दी जाती है। सोच बना दी गई है कि कृषि उपजों का दाम कम होना चाहिए। केवल बाजार में कृषि उत्पादों के ही दाम कम होते हैं। कभी स्कूटर, कार,टीवी व घड़ी आदि के दाम कम होते देखे हैं? यह बात तार्किक नहीं है कि स्टोरेज की व्यवस्था हो जाने से किसान फसल रोककर बाजार के अनुरूप उत्पाद बेचकर मुनाफा कमा लेगा। अमेरिका में तो पर्याप्त स्टोरेज व्यवस्था है फिर वहां किसानों को क्यों घाटा होता है? मेरी बात को एक अमेरिकी किसान ने जायज ठहराया और कहा कि वर्ष 2022 में भी वह मक्का उसी कीमत पर बेच रहा है, जिस दाम में पिताजी 1970 में बेच रहे थे। दरअसल, हम स्टोरेज का बहाना बनाते हैं और किसानों को उसकी उपज का न्यायसंगत दाम नहीं देना चाहते। दरअसल, सरकार की शांता कुमार कमेटी ने 2014 में मुझे बुलाया था। मैं गया और एक बात कही थी कि देश में सरप्लस तीस प्रतिशत अनाज की खरीद पीडीएस आदि के लिये होती है। जिसमें छह प्रतिशत को ही एमएसपी का लाभ मिलता है। जो छोटे किसान हैं, एक एकड़, दो एकड़ वाले, उनके सरप्लस से यह अनुमान लगाया गया। जब विशेषज्ञों से पूछा गया तो किसी से नहीं बताया। इसके अलावा 6 प्रतिशत में भी बड़ी भागीदारी पंजाब व हरियाणा के किसानों की थी, क्योंकि यहां सिस्टम वेल बिल्ट था। बेहतर नेटवर्क स्थापित था। अगर आज की बात करें तो संसद में आंकड़ा दिया गया कि देश में 14 फीसदी किसानों को एमएसपी का पूरा लाभ मिल रहा है। यानी 86 फीसदी किसान बाजार के भरोसे हैं। जो बाजार से 30 से 40 प्रतिशत दाम किसानों को देते हैं। दरअसल, हमारे सुधारों की दिशा हमारे किसानों की आकांक्षा व जरूरतों के अनुरूप नहीं है। जो सुधार लाये जा रहे थे, वे अमेरिका व यूरोप में डिजाइन किए गए थे। वे यूरोप व अमेरिका में लागू हुए और लाभकारी नहीं रहे। अमेरिका में किसानों पर 425 बिलियन डॉलर का कर्ज है। सुधारों ने अमेरिका में किसानों का संकट कम नहीं किया। पहले छह महीने में यूरोपीय देशों में किसानों के 24 बड़े प्रदर्शन हुए। उनकी मांग है कि गारंटिड प्राइस मिलें। अगर बाजार से सही प्राइस मिल रहे होते तो वे किसान ये मांग न करते। दरअसल, ये सुधार यूरोप व अमेरिका में फेल हुए हैं। कॉरपोरेट ने ये सोच दी और हम खुश हो गए। क्या हम भारतीय परिस्थितियों के अनुरूप समाधान के बारे में नहीं सोच सकते। दरअसल, आज सबसे बड़ी जरूरत किसानों की आय बढ़ाना है। जब सुनिश्चित आय होगी तो अब चाहे ग्लोबल वार्मिंग हो या कुछ अन्य, वे निपटने की क्षमता हासिल कर लेंगे। किसान की आय बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए। सबसे पहले किसानों की खरीद क्षमता पर ध्यान दिया जाए। **:: एजेंसी**

वैश्विक शांति में आतंकवाद एक बड़ा अवरोध

समग्र रूप से वैश्विक स्तर पर देखें तो आतंकवाद कई देशों के लिए बड़ा नासूर बन चुका है। भारत में पहलगाम घटना को लिया जाए तो निर्दोष 27 भारतीय पर्यटकों की निर्मम हत्या इसका एक बड़ा उदाहरण है वैश्विक परिपेक्ष में देखें तो वैश्विक शांति के लिए आतंकवाद बहुत बड़ा अवरोध और बड़ी रुकावट है इसका स्थाई समाधान निकाला जाना चाहिए अन्यथा मानवता कराहने लगेगी और ऐसे ही निर्दोष मासूम नागरिकों की हत्या होती रहेगी इनके विरुद्ध कडे से कड़ा कदम उठाकर इनकी जड़े ही खत्म कर देनी चाहिए और आतंकवादियों को चुन चुन कर मारा जाना चाहिए। इसराइल हमास युद्ध किसकी एक बड़ी कड़ी है और अब भारत सरकार भी पाकिस्तान में बैठे आतंकवादियों के साथ उनके पालनहारों को भी खत्म करने में लगी हुई है।

आतंकवाद एक मानसिक विकृति की विचारधारा है, जिसके द्वारा हिंसक कार्यों और गतिविधियों से जनमानस अशांति और भय की स्थापना करके अपने लक्ष्य की प्राप्ति का प्रयास करना होता है। जिससे किसी भी क्षेत्र में आधिपत्य का अधिकार प्राप्त करने के लिए हिंसा और आतंक का सहारा लेकर जनमानस में अशांति का वातावरण निर्मित करने अपने मंसूबे पूरे कर आर्थिक सामाजिक और राजनैतिक विध्वंस का तांडव मचाना होता है। कुछ व्यक्तियों के समूह द्वारा संचालित मानव विरोधी गतिविधियां ही हैं जो कि समाज के विरुद्ध लूट, अपहरण, बम विस्फोट,हत्या जैसे जघन्य अपराधों को जन्म देती है। आतंकवाद मूलतः धार्मिक, राजनीतिक, सामाजिक परिवेश लिए हुए होता है। भारत में आतंकवाद धार्मिक और राजनीतिक ज्यादा परिलक्षित हुआ है। भारत में कश्मीर, लद्दाख, असम मैं विभिन्न अलगाववादी समूह द्वारा हिंसक अपराधिक कृत्य कर लोगों को भयभीत तथा पलायन करने पर मजबूर करने का कृत्य राजनीतिक आतंकवाद ही है। अलकायदा, लश्कर-ए-तैयबा ,जैश-ए-मोहम्मद जैसे संगठन धार्मिक कट्टरता की भावना से अपराध को अंजाम देते हैं। देश में नक्सलवाद ने छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, झारखंड ,बिहार और पश्चिम बंगाल में अपना मौत का परचम फेहरा के रखा है। नक्सलवाद मूलतः सामाजिक क्रांतिकारी समूह द्वारा सरकार के विरोध में आमजन तथा आदिवासियों के मध्य अपनी समानांतर सरकार चलाने हेतु हिंसक घटनाएं की हैं। यह आतंकवादी ग्रुप हिंसा के द्वारा अलग अलग तरीके से आतंकवाद फैलाने का प्रयास करते हैं ,यह ज्यादातर भीड़भाड़ वाले इलाकों में जैसे रेलवे स्टेशन बस स्टैंड रेल रेल पटरियों वायुयानो का अपहरण निर्दोष लोगों को बंदी बनाना बैंक में डकैतियां कर समाज में अराजकता तथा वैमनस्यता फैलाने का काम करते हैं। भारत में नक्सलवाद तो मूल रूप से पश्चिम बंगाल के नक्सल वाली क्षेत्र से पनपा है, जो पूरे

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आतंकवाद ने अनेक घटनाओं को जन्म देकर विश्व शांति सद्भावना की मूल कल्पना को छिन्न-भिन्न करने का प्रयास किया है। दुनिया के प्रत्येक देश में आतंकवाद किसी न किसी रूप में आज मौजूद है। आतंकवाद कहीं रंगभेद, कहीं भाषा विभेद, कहीं राजनीतिक विचारधाराओं में विरोध और कहीं रंगभेद के कारण ,नस्ली समस्या आतंकवाद का कारण बनी है। यह समस्याएं हथियारों से सुलझाने के प्रयास में अत्यंत हिंसक बन गई हैं।

भारत में धीरे-धीरे फैल कर हिंसक रूप अपनाए हुए हैं। आतंकवाद केवल भारत में न होकर उसका साम्राज्य वैश्विक स्तर पर भी दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से फैला हुआ है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आतंकवाद ने अनेक घटनाओं को जन्म देकर विश्व शांति सद्भावना की मूल कल्पना को छिन्न-भिन्न करने का प्रयास किया है। दुनिया के प्रत्येक देश में आतंकवाद किसी न किसी रूप में आज मौजूद है। आतंकवाद कहीं रंगभेद, कहीं भाषा विभेद, कहीं राजनीतिक विचारधाराओं में विरोध और कहीं रंगभेद के कारण ,नस्ली समस्या आतंकवाद का कारण बनी है। यह समस्याएं हथियारों से सुलझाने के प्रयास में अत्यंत हिंसक बन गई हैं। आतंकवाद को वृहद रूप देने में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी ने भी बड़ा साथ दिया है, आतंकवादियों, नक्सलवादियों और नस्ल वादियों के लिए रसायनिक, नाभिकीय, जैविक मानव बम जैसे आधुनिक हथियार उपलब्ध होने से यह आतंकवादी गतिविधियां और भी खतरनाक हो गई है। इसके अलावा मीडिया में इंटरनेट उपलब्धता से यह सारी सरकारी गतिविधियों की जानकारी प्राप्त हो जाती है इससे आतंकवादी और ज्यादा खतरनाक साबित हो रहे हैं। विश्व में वर्ल्ड ट्रेड सेंटर 11 सितंबर 2001 आतंकवादी हमला मानव इतिहास की सबसे क्रूर तम हमला माना जाता है। पाकिस्तान के पेशावर जिले में आर्मी स्कूल में 150 मासूम बच्चों की निर्मम हत्या भी एक क्रूर आतंकवादी घटना हैस भारत में 1993 में मार्च में श्रृंखलाबद्ध बम विस्फोट इसी तरह दिसंबर 2001 में संसद भवन पर हमलावाराणसी बम विस्फोट, अहमदाबाद में बम विस्फोट, 2008 में मुंबई ताज होटल पर हमला,2016 में पठानकोट एयरबेस हमला, 2017 में अमरनाथ तीर्थयात्रियों हमला, 2019 में पुलवामा हमला आतंकवादी घटनाएं हैं जिससे मानवीय संवेदनाएं, शांति स्थापना की मूल धारणा की धज्जियां उड़ जाती हैस भारत में तो नक्सलवाद भी आतंकवाद का एक वृहद रूप ले चुका हैस आतंकवाद का सबसे भयानक रूप यह है की कोई भी देश यह नहीं जानता कि आतंकवाद का अगला निशाना कौन सा देश और कौन सी इमारत, रेलवे स्टेशन, वायुयान और कौन सा धार्मिक स्थल होगास वैश्विक स्तर पर आतंकवाद के खिलाफ असुरक्षा की भावना पूरी तरह व्याप्त हो चुकी हैस आतंकवाद का सबसे विस्तृत और भयानक रूप अफगानिस्तान में सरकार का तख्तापलट का ही हैस वहां तालिबानी आतंकवादियों द्वारा सरकार को गिरा कर अफगानिस्तान देश पर जाकर वहां शासन स्थापित कर लिया था, और पूरी दुनिया तमाशबीन बनी रही। रूस यूक्रेन युद्ध मैं भी लाखों लोगों की आक्रमण कर हिंसक हत्या तानाशाही तथा मानसिक आतंकवाद का ही एक भयानक रूप है। पूरे विश्व में आतंकवाद के खिलाफ भारत सहित अनेक कानून बनाए गए एवं उन पर अमल भी किया जा रहा है। पर आतंकवाद को समूल नष्ट करने के लिए आतंकवादीविचारधारा को ही समूल रूप से नष्ट करना होगा, क्योंकि आतंकवाद कोई तात्कालिक कारणों से पैदा नहीं होता,यह एक घिनौनी, हिंसक आतंक पैदा करने वाली विचारधारा है। अशांति की इस विचारधारा में जन समुदाय में रोश तथा खौफपैदा कर दिया है और यह मानवता के लिए अभिशाप की तरह व्याप्त हो गया है। जिससे विश्वव्यापी वैश्विक शांति की अवधारणा को नष्ट कर दिया है। **:: एजेंसी**

इजरायल के नक्शे-कदम पर चले भारत

हमारे हुक्मरानों को इजरायल के नक्शेकदम पर चलकर पाक परस्त आतंक को खल्लास करने का हलफ उठाना होगा। आतंक के आकाओं के खिलाफ बेबीलोन के शासक 'हम्मुराबी' के कानून 'आंख के बदले आंख और दांत के बदले दांत' को अमल में लाना होगा। आलेख के शुरुआत में एक बार फिर 'सआदत हसन मंटो' की तहरीर को दोहराना पड़ेगा कि जब 'मजहब दिल से निकल कर

दिमाग को चढ़ जाता है तो जहर बन जाता है।' 16 अप्रैल 2025 को इस्लामाबाद में आयोजित पाकिस्तानी आप्रवासी इजलास में पाक जनरल आसिम मुनीर ने भारत तथा हिंदुओं के खिलाफ हिकारत भरी बयानबाजी करके अपना असली चेहरा पेश किया। मुनीर ने कहा कि हिंदू और मुसलमान एक साथ नहीं रह सकते। मुनीर की उस जिहादी तकरीर से आतंकी आकाओं को काफी हद तक ऑक्सीजन मिली। नतीजतन 19 अप्रैल 2025 को पाकिस्तान के सिंध में हिंदू सांसद 'खीलदास कोहिस्तानी' पर कट्टरपंथियों ने हमला कर दिया। 22 अप्रैल 2025 को कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों ने 26 बेगुनाह पर्यटकों को मौत के घाट उतार दिया। दौराने तकरीर में आसिम मुनीर ने 'कलमा-ए-तौहीद' का जिक्र किया था। पहलगाम में पर्यटकों को हलाक करने से पहले आतंकियों ने कलमा पढने् को कहा। जो नहीं पढ़ सके उन्हें गोली मार दी गई। विडंबना है कि मजहब की बुनियाद पर हिंदोस्तान का बटवारा हुआ, मगर हिंदुओं के प्रति पाकिस्तान की नफरती सोच में बदलाव नहीं हुआ। पाकिस्तान के मजहबी रहनुमाओं ने हिंदुओं को हमेशा एक कमजोर कौम के तौर पर पेश किया है, जबकि उनके पूर्वज हिंदू ही थे। असीम मुनीर की तरह पाक जरनैलों ने सन् 1965 में पाक सेना को ये कहकर उकसाया था कि पाकिस्तानी एक 'लडाकू नस्ल' है, जो भारत के हिंदुओं को आसानी से हरा देंगे। इसी गलतफहमी में अमेरिकी पैटन टैंको से लैस पाक सेना की 'प्रथम टैंक डिवीजन' ने अमृतसर के खेमकरण सेक्टर पर हमला कर दिया। लेकिन भारतीय सेना ने पलटवार करके पाक टैंकों को खेमकरण की सरहद पर ही कब्रिस्तान में तब्दील करके पाक टैंक डिवीजन के कमांडर मेजर जनरल 'नासिर अहमद खान' को भी हलाक करके मैदाने जंग में ही सुपुर्दे खाक कर दिया था। इस बात का खुलासा पाकिस्तानी लेखक 'रसूल बक्स रईस' ने अपनी किताब में किया था कि पाक जरनैलों की धारणा कि उनकी 'लड़ाकू नस्ल' की सेना युद्ध में 'हिंदू भारत' को हरा देगी, गलत साबित हुई। तीन बड़े युद्धों में भारतीय सेना द्वारा शर्मनाक शिकस्त के बाद कश्मीर हथियाने में नाकाम पाक हुक्मरानों ने 1980 के दशक में पाकिस्तान को आतंक की दारुल हुकूमत बनाकर भारत के खिलाफ आतंक का रास्ता चुना। जिहाद के नाम पर पाक परस्त दहशतगर्दों ने सन् 1990 में कश्मीरी पंडितों का नरसंहार करके उन्हें घाटी छोडने् के लिए मजबूर किया। कश्मीरी पंडित अपने ही देश में शरणार्थी बन चुके हैं। पाक मजहबी रहनुमाओं ने आतंकियों को जन्नत में 72 हूरों का ख्वाब दिखाकर घाटी को जहन्नुम बना डाला। घाटी में आतंकियों को स्थानीय आबादी की पूरी हिमायत हासिल है। मार्च 2000 में अनंतनाग के 'छत्तीसिंहपोरा' में आतंकियों ने 36 सिखों का कत्ल कर दिया था। अगस्त 2000 में अमरनाथ यात्रा के दौरान 32 तीर्थयात्रियों तथा जुलाई 2001 में 13 अमरनाथ यात्रियों को मौत के घाट उतारा गया था। सन् 2002 में चंदनवाड़ी बेस कैंप पर आतंकी हमले में ग्यारह अमरनाथ यात्री मारे गए थे। 23 मार्च 2003 को पुलवामा के 'नंदीमार्ग' में 24 कश्मीरी पंडित आतंकियों की टारगेट किलिंग का शिकार बने थे।

मजदूरों की दुनिया और समस्यायें

सदियों से वैश्विक और भारतीय समाज के लिए मजदूरों का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान रहा है क्योंकि वे उत्पादन, सेवाओं, निर्माण और अर्थव्यवस्था को गतिशील रखते हैं। लिहाजा आज अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस पर मजदूरों के बारे में चर्चा करना और उनके जीवन, संघर्ष और अधिकारों के बारे में बात करना तो बनता ही है। समाज के आधारभूत ढांचे के उन्नत विकास और राज्यों की निरंतर प्रगति के लिए श्रमिकों एवं मजदूरों का योगदान किसी से छुपा हुआ नहीं है। लेकिन कई बार ऐसा भी प्रतीत होता है कि लोगों की आर्थिक स्थिति में सुधार, औद्योगिकीकरण एवं शहरों के विस्तार के चलते मजदूरों की उपयोगिता और मांग में वृद्धि के बावजूद उन्हें मिलने वाले लाभों और सम्मान से उन्हें वंचित रखा जा रहा है और अभी भी समाज में उनकी हैसियत दोयम दर्जे के नागरिक की बनी हुई है।

असंगठित क्षेत्र के इन लोगों के लिए अभी भी अपर्याप्त आर्थिक सुरक्षा कवच, स्वास्थ्य सुरक्षा और रहन-सहन की व्यवस्थाएं लोकतांत्रिक प्रणाली के लिए गहन चिंतन मनन का विषय बनी हुई हैं। कभी 1848 में 'दुनिया के मजदूरो, एक हो जाओ' का प्रसिद्ध राजनीतिक नारा कार्ल मार्क्स और फ्रेडरिक एंगेल्स ने दुनिया भर के मजदूरों को एकजुट होकर पूंजीवाद के खिलाफ संघर्ष करने और एक बेहतर, वर्गविहीन समाज बनाने के लिए लगाया था। यह नारा कई देशों में मजदूर आंदोलन और कम्युनिस्ट पार्टियों के लिए एक महत्वपूर्ण प्रतीक

सरकार ने श्रमिकों के कल्याण, स्वास्थ्य और सुरक्षा में सुधार के लिए अन्य बातों के साथ-साथ चार श्रम संहिताएं भी लागू की हैं, जिनमें वेतन संहिता 2019, औद्योगिक संबंध संहिता 2020, व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य स्थितियों पर संहिता 2020 और सामाजिक सुरक्षा संहिता 2020 शामिल हैं।

बन गया था। लेकिन बढ़ते पूंजीवाद, नवीन तकनीकों के आगमन, संचार प्रणालियों के उन्नतिकरण और आर्थिक उदारीकरण के वैश्विक प्रभावों के चलते कम्युनिस्ट तो लगभग इस दुनिया से विदा हो ही लिए हैं, ऊपर से मजदूरों के संगठनों का प्रभाव भी क्षीण हो चुका है, लेकिन श्रमिकों की समस्याएं आज भी जस की तस बनी हुई हैं। करोड़ों लोगों के लिए घरों को बनाने वाले करोड़ों ही मजदूर आज भी अपने आश्रय को लेकर तरस रहे हैं और कुंठित एवं तनावग्रस्त जीवन जीने के लिए मजबूर हैं तो इसकी जवाबदेही किस पर है? आज की तारीख में भी मजदूरों के सामने कई समस्याएं बनी हुई हैं, जिनमें कम वेतन, खराब कार्य स्थल, असुरक्षित कार्य वातावरण, सामाजिक जीवन की उपेक्षा, धूल, धुआं यांत्रिक उपकरणों आदि से सुरक्षा का अभाव, उनके कल्याण कार्यों में कमी, स्वच्छता एवं सुरक्षा का अभाव, स्वच्छ वायु और प्रकाश की कमी, काम के अधिक घंटे और कम मजदूरी आदि मुख्य हैं। प्रवासी मजदूरों को आवास समस्या से भी दो-चार होना पड़ता है। इतना ही नहीं, काम के अभाव में इन्हें यत्र-तत्र भटकना पड़ता है और सेवाओं में स्थायित्व की कमी के कारण उनके जीवन में उथल-पुथल मची रहती है। कार्य अनिश्चितता के कारण श्रमिक अपने भविष्य के सम्बन्ध में किसी प्रकार की योजना नहीं बना पाता है और न ही अपने बच्चों की शिक्षा को सही तरीके से सिरे चढ़ा पाता है। निम्न जीवन स्तर के चलते वे समाज की मुख्यधारा से भी जुड़ नहीं पाते हैं। बहुधा ऐसा भी देखने में आता है कि कई मामलों में मजदूर अवसादग्रस्त होकर नशों के सेवन की ओर उन्मुख हो जाते हैं अथवा आत्महत्या करने जैसे घातक कदम भी उठा लेते हैं। अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस हर साल एक मई को मनाया जाता है। यह दिन मजदूरों के योगदान और उनके अधिकारों के लिए किए गए संघर्ष को याद करने के लिए मनाया जाता है। मजदूर दिवस मनाने का उद्देश्य श्रमिकों को सम्मानित करना, उनके योगदान का जश्न मनाना तथा निष्पक्ष श्रम प्रणालियों की वकालत करना होता है। एक मई को मजदूर दिवस मनाने का निर्णय 1889 में पेरिस में आयोजित अंतरराष्ट्रीय समाजवादी सम्मेलन में लिया गया था, जहां मजदूरों ने आठ घंटे के कार्यदिवस की मांग की थी। 1886 में अमेरिका में मजदूरों द्वारा 15 घंटे काम करने के विरोध में हड़ताल की गई थी, जिसके बाद इस दिन को मजदूर दिवस के रूप में मनाने का फैसला लिया गया। जहां तक भारत में मजदूर दिवस मनाने का सवाल है तो एक मई 1923 को पहली बार चेन्नई में मजदूर दिवस मनाया गया था। भारत में मजदूरों के हितों के संरक्षण के लिए स्वतंत्रता के बाद से व्यवस्था की गई थी जिसमें बाद में और सुधार किए गए हैं। भारत में पचास से भी अधिक राष्ट्रीय श्रम कानून तथा बहुत से राज्यनिर्मित श्रम कानून हैं। लेबर एक्ट 1948, जिसे न्यूनतम मजदूरी अधिनियम, 1948 के नाम से भी जाना जाता है, यह अधिनियम कुशल और अकुशल श्रमिकों को दी जाने वाली न्यूनतम मजदूरी की दर तय करता है। **:: चर्चित डेस्क**

आज का राशिफल

मेषः- कोई छोटी बात भी परिवार में तनाव का कारण बन सकती है। महत्वपूर्ण प्रयत्न की सार्थकता हेतु नये उत्साह का संचार होगा। सामाजिक गतिविधियों में क्रियाशीलता बढ़ेगी। भावनात्मक अभिव्यक्ति से संबंध मधुरत होंगे।

वृषभः- हर घटना से आपको सीख लेने की जरूरत है। नये क्षेत्र में निवेश से पूर्व जानकार लोगों से विचार-विमर्श करें। भविष्य के प्रति निराशाजनक विचारों को मन पर हावी न होने दें। नये व्यावसायिक यात्राओं का योग है।

मिथुनः- निकट संबंधों में मधुर संवाद से अपनी सुंदर छवि बनायें। कुछ महत्वपूर्ण अभिलाषाओं की पूर्ति होने के आसार हैं। सामान्य दिनचर्या के साथ बीत रहे जीवन में उत्साह का अभाव रहेगा। घर में खुशहाली होगी।

कर्कः- भविष्य संबंधी कुछ चिंताएं उत्पन्न होंगी। किसी कार्य को छोटा-बड़ा समझने के बजाए अपने कर्त्तव्यों का सही ढ़ंग से निर्वहन करें। वर्तमान कार्य से मन असंतुष्ट रहेगा। जरूरी कार्यो में आलस्य का त्याग करें।

सिंहः- पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति हेतु चिंता उत्पन्न होगी। अपने स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न बरतें एवं जीवन साथी के स्वास्थ्य के प्रति भी ध्यान दें। किसी बड़े आयोजन हेतु समुचित साधन लिए मन प्रयत्नशील होगा।

कन्याः- परिवार की छोटी-छोटी बातों बाहरी लोगों से न कहें। भावना से उद्वेलित मन संबंधियों के सुख-दुख के प्रति चिंतित होगा। किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। रोजगार में व्यस्तता रहेगी।

तुलाः- समय के साथ समझौता करके चलने का प्रयास करें। कार्यक्षेत्र को ही अपनी पूजा समझें और स्वयं को उसी ओर केंद्रित करें। पत्नी के साथ मधुर वणी का प्रयोग करें। रोजगार में लाभकारी स्थिति रहेगी।

वृश्चिकः- स्वयं को सही दिशा और लक्ष्य की ओर केंद्रित करें तभी जीवन में सही प्रगति कर सकते हैं। किसी पुराने संबंध के प्रति विशेष निकटता की अनुभूति करेंगे। ग्रहों की अनुकूलता से अवरोधित कार्य हल होंगे।

धनुः- किसी भी प्रयास में आर्थिक अभाव अवरोधक होगा। साहस व बुद्मित्ता से पुरानी समस्याओं पर विजय प्राप्त कर सुख की अनुभूति करेंगे। विषम स्थितियों के मध्य परिश्रम व लगन से प्रगति की ओर अग्रसर होंगे।

मकरः- बुद्धिमत्ता व परिश्रम का मिले-जुले संयोग का भरपूर लाभ उठाएंगे। आर्थिक क्षेत्र में लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। सफलताएं आंतरिक क्षमताओं का एहसास कराएंगी। संतान संबंधी दायित्वों की पूर्ति होगी।

कुम्भः- शासन-सत्ता में व्यस्तता बढ़ेगी। मन आर्थिक सुदृढ़ता हेतु चिंतित होगा। सामाजिक सक्रियता से मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी। राजनीति को ग्रहों की अनुकूलता का लाभ मिलेगा। परिजनों के सुख-दुख के प्रति मन चिंतित होगा।

मीनः- महत्वाकांक्षी अभिलाषाएं मन में असन्तिुष्ट पैदा करेंगी। तामसिक विचारों को मन से दूर ही रखें। विपरीतलिंगी संबंधों के प्रति आकर्षण बढ़ेगा।

राशि रत्न

विवाहिता ने ससुराल पक्ष पर लगाया दहेज उत्पीड़न का आरोप, रिपोर्ट दर्ज

शाहाबाद/ हरदोई, चसं। कोतवाली क्षेत्र के अल्लाहपुर इब्नेजई निवासी विवाहिता ने ससुर और उसके पुत्रों पर दहेज उत्पीड़न और मारपीट का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज करवाई है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की है। प्राप्त विवरण में विवाहिता गुलफिशा पत्नी इमरान के अनुसार उसका विवाह एक वर्ष पूर्व हुआ था। उसके पिता ने हैसियत से ज्यादा दहेज दिया था।लेकिन उसके ससुर वसी अहमद,जेठ गुलजार, देवर उस्मान और ननद गुलशन अतिरिक्त दहेज में पांच लाख रुपए की मांग को लेकर उसे आए दिन प्रताड़ित करते हैं।

दो मई को सुबह दस बजे विपक्षियों ने एक राय होकर अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर उसे मारपीट कर घायल कर दिया।उसका पति इमरान उसे बचाने आया तो आरोपियों ने उसके साथ भी मारपीट की।पीड़िता की तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

हरदोई की आस्था त्रिवेदी ने ग्रैंड फिनाले में दूरदर्शन के रियलिटी शो 'वाह उस्ताद' में जगह बनाई

समर्थकों और शुभचिंतकों ने जताई खुशी, उप्र की लोकगीत शैली में दी प्रस्तुति

चर्चित राजनीति। संवाददाता

हरदोई। भारतीय शास्त्रीय व अर्ध शास्त्रीय संगीत पर आधारित बहुचर्चित रियलिटी शो वाह उस्ताद में हरदोई की बेटी आस्था त्रिवेदी ने ग्रैंड फिनाले में अपना स्थान पक्का कर लिया है। आज आखिरी प्रस्तुति पेश कर आस्था त्रिवेदी ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए ग्रैंड फिनाले में जगह बना ली है जिससे समर्थकों और शुभचिंतकों में खुशी की लहर दौड़ गई है।

आस्था ने टॉप 6 की दौड़ की द्वितीय प्रस्तुति उत्तर प्रदेश की लोकगीत शैली में दी, जिसे निर्णायकों से सराहना प्राप्त हुई। उनकी पहली प्रस्तुति भी बेहद प्रभावशाली रही थी। आज टॉप सिक्स की अंतिम प्रस्तुति के राज जोग माला की प्रस्तुति देकर ग्रैंड फिनाले में प्रवेश कर लिया है। यह शो दूरदर्शन और दिल्ली घराना द्वारा संयुक्त रूप से प्रस्तुत किया जा रहा है, जिसमें देशभर से 18 वर्ष से अधिक आयु के संगीत प्रशिक्षित प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं।

'वाह उस्ताद' शो को सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की वेव्स 2025 पहल और क्रिएट इन इंडिया चैलेंज के तहत प्रसारित किया जा रहा है।1 मई से 4 मई तक मुंबई के Jio वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में होने वाले WAVES 2025 (World Audio Visual & Entertainment Summit) वैश्विक सम्मेलन में आस्था सहित कुछ अन्य प्रतिभाशाली प्रतिभागियों की प्रस्तुति हुई

है। इस समिट का उद्देश्य भारत को मीडिया और मनोरंजन का अंतरराष्ट्रीय केंद्र बनाना है। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसका उद्घाटन किया और 'ऑरेंज इकोनॉमी' की महत्ता पर जोर दिया। इसमें 90 से अधिक देशों के 10,000 प्रतिनिधि, 1,000 रचनाकार और 350 स्टार्टअप्स भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम में मास्टरक्लास, पैनल चर्चा, 'Create in India' चैलेंज और सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ शामिल हैं। यह भारत की रचनात्मकता को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करता है। आस्था त्रिवेदी आर. आर. इंटर कॉलेज, हरदोई के शिक्षक श्याम नारायण त्रिवेदी और बेसिक शिक्षिका अंजू त्रिवेदी की पुत्री हैं। इससे पहले भी वह दूरदर्शन के प्रादेशिक चैनलों पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर चुकी हैं और प्रदेश व राष्ट्रीय स्तर पर कई मंचों पर सराही गई हैं। उनके परिवार में संगीत एक परंपरा है। आस्था की छोटी बहन अनुषा त्रिवेदी भी मधुर गायन के लिए जानी जाती हैं। कार्यक्रम में पारंपरिक शास्त्रीय रचनाओं के साथ फ्यूजन और मौलिक रचनाओं को भी शामिल किया गया है। कुल 26 एपिसोड्स में विभाजित इस शो में प्रतिभागियों का मूल्यांकन देश के प्रमुख संगीतज्ञों द्वारा किया जा रहा है।

निर्णायक मंडल में पंडित सज्जन मिश्रा, मीट ब्रदर्स, शान, रूप कुमार राठौड़, तलत अजीज, अनूप जलोटा, मालिनी अवस्थी और जसविंदर नरूला जैसे ख्याति प्राप्त नाम शामिल हैं। प्रतियोगिता के विजेताओं को नकद पुरस्कार के साथ रिकॉर्डिंग अनुबंध और प्रतिष्ठित संगीतज्ञों से मार्गदर्शन प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। यह शो डीडी नेशनल पर प्रसारित हो रहा है और यूट्यूब पर भी दर्शकों के लिए उपलब्ध है।

बाल विद्या भवन पब्लिक स्कूल के छात्रों ने रचा सफलता का इतिहास

चर्चित राजनीति। संवाददाता

हरदोई। 'जरूरी नहीं रौशनी चरागों से ही हो, शिक्षा से भी घर रौशन होते हैं।' इस कथन को सत्य सिद्ध किया है बाल विद्या भवन पब्लिक स्कूल के मेधावी विद्यार्थियों ने। कल सत्र 2024-25 के I.S.C कक्षा 12 एवं I.C.S.E कक्षा 10 का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया, जिसमें विद्यालय के सभी परीक्षार्थियों ने शत, प्रतिशत सफलता प्राप्त कर विद्यालय एवं जनपद का गौरव बढ़ाया।12th में जाह्नवी सिंह 93.25 फीसदी, मो. अनश 92.75 प्रतिशत, साक्षी सिंह 92.25 प्रतिशत, नितिन मिश्रा 90.50 प्रतिशत, गिनी राज 90.25, कक्षा 10 (I.C.S.E) के टॉपर्स में प्रखर सिंह 95.4 प्रतिशत, ईशान सिंह 94.6 प्रतिशत, माधव पाण्डेय 93.4 प्रतिशत, शौर्य प्रताप सिंह 89 प्रतिशत,आदर्श गुप्ता 88.4 प्रतिशत रहे। विद्यालय की प्रबंध निदेशिका कीर्ति सिंह एवं प्रधानाचार्या कनुप्रिया सिंह ने विद्यार्थियों को मिठाई खिलाकर बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कीर्ति सिंह ने इस अवसर पर कहा, शिक्षा जीवन का अभिन्न अंग है जो व्यक्ति को उसके सपनों को साकार करने में सहायक बनती है। बाल विद्या भवन पब्लिक स्कूल, हरदोई का एकमात्र ऐसा संस्थान है जो अंतर्राष्ट्रीय गुणवत्ता की शिक्षा प्रदान करता है। विद्यालय में इंटरएक्टिव पैनल, सेंट्रल वाई-फाई सिस्टम, रोबोटिक्स जैसी तकनीकों से बच्चों को वैश्विक स्तर की शिक्षा दी जाती है। कहा, बच्चे राष्ट्र की नींव होते हैं। वे उर्वर भूमि पर लहलहाती फसलों के समान हैं। राष्ट्र की जड़ें ये छात्र हैं, जो आने वाली पीढ़ियों को कार्य, आराधना व विद्वता का फल प्रदान करते हैं। एक राष्ट्र के निर्माण में माता, पिता एवं शिक्षक की प्रमुख भूमिका होती है, जिनमें शिक्षक सर्वाधिक महत्वपूर्ण होते हैं। शिक्षक ही विद्यार्थियों को एक मूर्ति की भांति गढ़ते हैं और उनके उज्ज्वल भविष्य की नींव रखते हैं।

- **आईएससी और आईसीएसई परीक्षा परिणामों में 100 फीसदी सफलता, जनपद हरदोई का नाम किया रोशन**

प्रधानाचार्या कनुप्रिया सिंह ने भी सभी छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा, विद्यालय के मेधावी छात्रों ने अपने प्रदर्शन से न केवल विद्यालय, बल्कि पूरे जनपद का नाम रोशन किया है। यह सफलता सभी के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। मैं इन छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करती हूं। इस अवसर पर एकेडमिक हेड अश्वनी दीक्षित,शोभित वाजपेयी,रवि कांत दीक्षित एवं विद्यालय के सभी शिक्षकों ने छात्रों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

श्री गोविंद वृद्धजन सेवा और गो विज्ञान समिति द्वारा गौ पूजन

चर्चित राजनीति। संवाददाता

हरदोई। श्री गोविंद वृद्धजन सेवा एवं गो विज्ञान समिति के द्वारा अपने गौ सेवा संकल्प के संदर्भ में पूर्व निर्धारित गौ सेवा कार्यक्रम मजरा सदईबेटा में सत्रहा गौशाला परिसर में संस्था की तरफ से हरा चारा,गुड़,सेंधा नमक एवं केला,गौ माता के लिए व्यवस्था कर उनको हरा चारा खिलाया गया। संस्था के पदाधिकारी एवं सदस्य गण बहुत ही उत्साह उमंग के साथ गौ माता की सेवा की एवं उनका पूजन अर्चन भी किया। संस्था के अध्यक्ष गोविंद गुप्ता ने कहा कि लखनऊ जाकर गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष (उत्तर प्रदेश) श्याम बिहारी गुप्ता से मिलकर, शहर के अंदर पंचगव्य औषधियों के निर्माण की व्यवस्था संस्था के माध्यम से हो, उनके समक्ष ऐसा प्रस्ताव रखेंगे। साथ में उन्होंने जनमानस से गौ सेवा करने का आवाहन भी किया। संस्था के उपाध्यक्ष राजेश गुप्ता ने कहा कि जिले की विभिन्न गौशालाओं में जाकर गौ सेवा करने की बात कही।

संस्था की महिला अध्यक्ष श्रीमती विनीता पांडे ने कहा गौ माता में 33 कोटि देवी देवता निवास करते हैं इसलिए गौ माता की सेवा कर सभी देवी देवताओं की सेवा हो जाती है।संस्था के उप प्रबंधक सोनू गुप्ता जी ने कहा कि गौ सेवा सर्वोपरि सेवा है।इस अवसर पर संस्था के मार्गदर्शन आर.पी.सिंह सोमवंशी, कोषाध्यक्ष आनंद पांडे श्रीमती सुधा गुप्ता, रमेश चंद्र गुप्ता, दिलीप गुप्त एडवोकेट, दाताराम गुप्ता, धीरज गुप्ता, श्रीमती नीलम गुप्ता,श्रीमती मंजू वर्मा, श्रीमती शशि गुप्ता,श्री रितेश गुप्ता, श्री चंद्र मोहन पांडे आदि भक्तगण मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने किया सेल्फी प्वाइंट का उद्घाटन

चर्चित राजनीति। संवाददाता

हरदोई। जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने डीएम चौराहे पर नव निर्मित सेल्फी प्वाईट का उदघाटन किया। इस बहुप्रतीक्षित उदघाटन के अवसर पर बड़ी संख्या में नगर वासी उपस्थित रहे। लोगों ने सेल्फी प्वाईट के सामने खड़े होकर अपनी सेल्फी खिंचवाई। सेल्फी प्वाईट पर एक अशोक स्तम्भ तथा एक जय हिन्द शिला की स्थापना की गयी है जो दूधिया रोशनी में काफी आकर्षक लग रहा था। पुरोहितों द्वारा मंत्रोच्चार के बीच जिलाधिकारी ने सेल्फी प्वाईट को आम जनता को समर्पित किया।

- **सेल्फी प्वाइंट पर एक अशोक स्तम्भ तथा एक जय हिन्द शिला की स्थापना की गयी**

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सौम्या गुरूरानी, अपर जिलाधिकारी प्रियंका सिंह, अपर जिलाधिकारी प्रफुल्ल त्रिपाठी, नगर मजिस्ट्रेट सुनील कुमार त्रिवेदी, चेयरमैन सुखसागर मिश्र मधुर, जिला सूचना अधिकारी संतोष कुमार, एनएचएआई के अधिकारी व बड़ी संख्या में नगर वासी उपस्थित रहे।

डीएम ने रायपुर गुलरिया प्रधान के प्रशासनिक और वित्तीय अधिकार किए सीज

मनरेगा, नल रिबोर सहित लाखों के फर्जी भुगतान पर हुई कार्यवाही

शाहाबाद /हरदोई, चसं। विकास खंड शाहाबाद के ग्राम रायपुर गुलरिया के प्रधान द्वारा 22_23,23_24 में वित्तीय कार्यों में मनमाने ढंग से बिना कार्य करवाए लाखों के भुगतान निकाले जाने के मामले में गांव निवासी युवक की शिकायत पर जांच के बाद डीएम ने ग्राम प्रधान के वित्तीय और प्रशासनिक अधिकार सीज कर दिए हैं।

उन्होंने तीन सदस्यीय टीम द्वारा प्रधान के कार्यों का संचालन किए जाने के निर्देश दिए हैं। रायपुर गुलरिया निवासी नेकराम पुत्र बृजपाल ने 10 अक्तूबर 2024 को ग्राम प्रधान रमेश चंद्र कुशवाहा के विरुद्ध जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह को दिए गए शिकायती पत्र में ग्राम प्रधान पर वित्तीय अनियमितता के गंभीर आरोप लगाते हुए जांच करने की मांग की थी।

पीड़ित के प्रार्थना पत्र में लगाए गए आरोपों की सत्यता की जांच के लिए डीएम श्री सिंह ने आदेश दिए थे।

जांच अधिकारियों ने मनरेगा में बिना कार्य किए भुगतान किए जाने,पंचायत भवन की रिपेयरिंग बिना करवाए भुगतान लिए जाने,पांच नल करवाकर आठ नल रिबोर करवाने का भुगतान निकाले जाने समेत अन्य कई वित्तीय अनियमितताएं पाते हुए अपनी जांच आख्या प्रस्तुत की थी।जिसके आधार पर 30 अप्रैल को जिलाधिकारी श्री सिंह ने ग्राम प्रधान रमेश चंद्र कुशवाहा के प्रधान पद के वित्तीय और प्रशासनिक अधिकारों को ग्राम पंचायत राज अधिनियम की धारा 95 की उपधारा एक के खंड छ के तहत सीज करने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने अंतिम जांच के लिए जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी हरदोई और संजीव कुमार सहदेव सहायक अभियंता नलकूप खंड को एक माह में जांच पूर्ण कर आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।प्रधान पद के वित्तीय और प्रशासनिक क्रिया कलापों की जांच आख्या आने तक तीन सदस्यीय समिति द्वारा संचालन किए जाने के निर्देश जारी किए हैं।

अमृत वर्षकाल में जाति जनगणना बनेगी अमृत : सुनील अर्कवंशी

चर्चित राजनीति। संवाददाता

हरदोई। जातिगत जनगणना का निर्णय पिछड़ी अति पिछड़ी दलित अति दलित जैसी अनेक उपेक्षित और वंचित पिछड़ी जातियों के लिए एक ऐतिहासिक वरदान साबित होगी। उक्त बातें सुभासपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुनील अर्कवंशी ने एक अभिनंदन समारोह में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि भारत में पहली बार 1931 में जातीय जनगणना हुई। 1941 में जातीय आंकड़े जुटाए गए लेकिन इनको सार्वजनिक नहीं किया गया। इस बार देश मे सरकार की जातिगत जनगणना की घोषणा से बहुत खुशी का माहौल है और सरकार पर भरोसा है कि जल्द से जल्द जनगणना कराकर आंकड़े पेश करेगी जो विपक्ष के मुँह पर तमाचा होगा क्यों कि विपक्ष हमेशा इस मुद्दे की बात तो करता रहा है पर कभी भी सरकार में रहते हुए जातिगत जनगणना कराने का कार्य नहीं लिया। आजादी के इतने वर्षों बाद भी कई जातियों की वास्तविक संख्या और उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति पर कोई ठोस सरकारी आंकड़ा उपलब्ध नहीं है, जिससे उन्हें योजनाओं और नीतियों का समुचित लाभ नहीं मिल पा रहा। जाति जनगणना के माध्यम से इन जातियों की पहचान सुनिश्चित की जा सकेगी और उनके विकास के लिए योजनाएं प्रभावी ढंग से लागू की जा सकेंगी। इससे आरक्षण, प्रतिनिधित्व और संसाधनों के बंटवारे में पारदर्शिता आएगी, जिससे समाज में समता और न्याय की स्थापना संभव हो सकेगी। ऐसे में जातियों के आंकड़ों से पता चल सकता है कि कोई खास जाति किन क्षेत्रों में है, उनकी सामाजिक आर्थिक स्थिति क्या है और विभिन्न जातियों का प्रतिनिधित्व कितना है। इस जानकारी का इस्तेमाल सामाजिक न्याय और उनके जीवन कल्याण के लिए नीतियां बनाने में किया जा सकता है। सुहेलदेव

भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष केबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं के माध्यम से इस मुद्दे को सरकार में रहते हुए भी संघर्ष करती रही है साथ ही गाँव गाँव मे अभियान चलाकर लोगो को जातिगत जनगणना कराने की बात करती रही है और सामाजिक न्याय के लिए अपनी आवाज बुलंद करती रही है।

कार की टक्कर मारने वाले बोलेरो चालक पर रिपोर्ट

शाहाबाद /हरदोई, चसं। कोतवाली क्षेत्र के खेड़ा तिराहा पर 2 मई की रात 11 बजे रिश्तेदारी से वापस जा रहे कार सवार लोगों को टक्कर मार कर घायल कर देने वाले बोलेरो चालक के विरुद्ध कोतवाली पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर उसकी तलाश शुरू की है। प्राप्त विवरण में शाहजहांपुर जनपद के तिलहर थाना क्षेत्र के ग्राम नियामतपुर निवासी अशोक कुमार पुत्र श्री कृष्ण के अनुसार वह शाहाबाद कोतवाली क्षेत्र के ग्राम कुरसेली रिश्तेदारी से वापस घर जा रहा था।उसकी कार अर्टिगा संख्या यूपी 27बीजे 9864 पर उसके साथी रामकुमार,सुरेश,रमेश और लौधूराम भी साथ में थे। खेड़ा तिराहे पर सामने से आ रही तेज रफ्तार बोलेरो संख्या यूपी 30 डीटी 1114 के चालक नसीम अहमद ने उसकी कार में टक्कर मार दी।जिससे वह सभी लोग घायल हो गए।जिन्हे सीएचसी शाहाबाद से इलाज के लिए जिला अस्पताल शाहजहांपुर रेफर किया गया है।जहां उनका इलाज किया जा रहा है। पीड़ित के लिखित प्रार्थना पत्र के आधार पर कोतवाली पुलिस ने बोलेरो चालक के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

संक्षिप्त समाचार

कॉन्सेप्ट कार्स ने रचा इतिहास, लगातार 9 सालों से देश का नम्बर एक मारुति सुजुकी

हरदोई, चसं। सपनों को साकार करने वाली मेहनत जब जुनून का रूप ले ले, तब इतिहास रचा जाता है। यही कर दिखाया है कॉन्सेप्ट कार्स ने जो आज हिंदुस्तान का पहला मारुति सुजुकी कार विक्रेता बन गया है। जिसने लगातार नौ वर्षों तक पूरे देश में नंबर एक बनने की अभूतपूर्व उपलब्धि प्राप्त की है। यह केवल कोई आँकड़ा नहीं, बल्कि भारतीय ऑटोमोबाइल क्षेत्र में समर्पण, सेवा और विश्वास की वो मिसाल है जो हर ग्राहक के चेहरे पर मुस्कान लाने के संकल्प से जन्मी है। कॉन्सेप्ट कार्स को न केवल नेक्सा श्रेणी में मारुति सुजुकी का सर्वोच्च ओमेगा पुरस्कार प्राप्त हुआ है, बल्कि यह भारत का एकमात्र विक्रेता है जिसे दोनों सर्वोच्च पुरस्कार टाइटेनियम और ओमेगा एक साथ मिले हैं। इस सम्मान के चलते प्रतिष्ठान के निदेशक यशवर्धन अग्रवाल एवं सूर्यवर्धन अग्रवाल को अज़रबैजान की राजधानी बाकू में आयोजित मारुति सुजुकी विशेष डीलर मीट में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया है। यह सफलता सिर्फ एक कंपनी की नहीं, बल्कि भारत की उस आत्मा की है जो अपने पुरुषार्थ से हर स्तर पर श्रेष्ठता का उदाहरण पेश करती है। कॉन्सेप्ट कार्स ने अपने कार्यक्षेत्र में जनपद के नाम को प्रदेश और देश में गौरव से ऊँचा किया है।

राष्ट्रीय स्तर पर ऑनलाइन प्रतियोगिताओं के आठवें सीजन का पोस्टर लॉन्च

हरदोई, चसं। अंतर्ध्वनि जन कल्याण समिति के तत्वावधान में राष्ट्रीय स्तर पर ऑनलाइन प्रतियोगिताओं के आठवें सीजन का पोस्टर लॉन्च बिलग्राम चुंगी स्थित कृष्णा डांस क्लासेज में किया गया। पोस्टर लॉन्च मुख्य अतिथि भाजपा प्रबुद्ध प्रकोष्ठ के संयोजक अविनाश मिश्रा द्वारा हुआ। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रतियोगिताएं प्रतिभागियों के सम्यक बौद्धिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। कहा, ये ऑनलाइन प्रतियोगिताएं प्रधानमंत्री मोदी द्वारा शुरू किए गए डिजिटल इंडिया मूवमेंट को बढ़ावा देती हैं।

मुख्य आयोजक कुलदीप द्विवेदी ने बताया कि ऑनलाइन प्रतियोगिताएं राष्ट्रीय स्तर पर 1 जून से 30 जून तक आयोजित की जाएंगी। जिनका मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों को कार्यशाला सा अनुभव देकर उनकी प्रतिभा को आकार देना है। बताया, विभिन्न वर्गों में नृत्य, गायन, एक्टिंग, रील मेकिंग, फैंसी ड्रेस, मॉडलिंग, चित्रकला, मेहंदी, कहानी लेखन व भाषण सहित 10 प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। जिनके माध्यम से विभिन्न प्रदेशों के प्रतिभागी घर बैठे ही प्रतिभाग कर पाएंगे। गायन, नृत्य व मॉडलिंग प्रतियोगिता में 35 वर्ष से अधिक उम्र के प्रतिभागियों का रुझान देखते हुए वरिष्ठ वर्ग भी बनाया गया है। प्रत्येक प्रतियोगिता में निर्णायक उस विधा के जानकार ही रहेंगे ताकि प्रतिभागियों को उनसे मिलने वाली जानकारी से अधिकाधिक लाभ मिल सके। प्रतियोगिताओं में 31 मई तक ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन के द्वारा प्रवेश लिया जा सकता है। इस मौके पर अनुराधा मिश्रा, अखिलेश गुप्ता, दीपक कपूर, रज्जन सिंह, दुर्गेश अवस्थी, अश्वनी गुप्ता आशु, कालिन्द्री वैश्य, डॉ आशी गुप्ता, खुशबू टंडन, गौरी गौर, शरद कश्यप व अभिषेक मिश्रा आदि मौजूद रहे।

किशोरी के साथ छेड़छाड़ करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

हरदोई, चसं। सांडी थाना क्षेत्र में करीब एक माह पूर्व एक किशोरी के साथ छेद छाड़ कर उसे जान से मार डालने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने नामजद आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

प्राप्त विवरण में 9 अप्रैल को किशोरी के पिता द्वारा थाना सांडी पर तहरीर दी गयी कि सुभाष पुत्र बुद्धलाल निवासी ग्राम मदारा थाना सांडी द्वारा उसकी पुत्री के साथ छेडछाड व जान से मारने की धमकी दी गयी। इस सम्बन्ध में वादी की तहरीर के आधार पर थाना सांडी पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध पास्को एक्ट के तहत रिपोर्ट दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी थी। थाना सांडी के उपनिरीक्षक रामकुमार शुक्ला व पुलिस बल द्वारा उपरोक्त अभियोग से सम्बन्धित नामजद आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से आरोपी को जेल भेज दिया गया।

दुकानदार से टप्पेबाजी कर चौदह हजार उड़ाए

शाहाबाद/ हरदोई, चसं। कोतवाली क्षेत्र के अल्लाहपुर तिराहे पर एक दुकानदार के बाजार जाते समय बाइक सवार दो युवकों ने टप्पेबाजी कर रुपए पार कर दिए।पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की है। पीड़ित कस्बे के मोहल्ला मौलागंज निवासी हमीद पुत्र शहदुल्ला के अनुसार दो मई को वह दुकान से अपनी बहू को दवा दिलवाने के लिए बाजार जा रहा था। अल्लाहपुर तिराहे के निकट ही अचानक यूपी 30 बीएस 4896 नंबर की बाइक सवार दो युवकों ने उसे रोका और उससे रास्ता पूछने लगे।बाइक सवार एक युवक ने बाइक से उतर कर उसकी जेब में रखे 14000 रुपए टप्पेबाजी कर निकाल लिए। पीड़ित की लिखित तहरीर के आधार पर पुलिस ने अज्ञात बाइक सवारों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

मारपीट की अलग अलग घटनाओं में आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज

शाहाबाद/ हरदोई, चसं। कोतवाली क्षेत्र शाहाबाद और मझिला थाना क्षेत्र में हुई मारपीट की अलग अलग घटनाओं में शाहाबाद और मझिला पुलिस ने पीड़ितों की लिखित तहरीर के आधार पर आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की है।

कोतवाली शाहाबाद के ग्राम कचूरा निवासी अमन पुत्र जोगेंद्र के अनुसार दो मई की रात 8 बजे वह खेत से घर लौट कर आ रहा था।रास्ते में विपक्षी भारत पुत्र रूपन ने अपने पुत्र विमलेश के साथ मिलकर पुरानी रंजिश में उसे गाली गलौज किया मना करने पर उसे मारपीट कर घायल कर दिया।कोतवाली क्षेत्र के ग्राम हैदरपुर निवासी सचिन पुत्र वीरेंद्र के अनुसार 2 मई को उसके भाई का तिलक समारोह था। डीजे पर बच्चों के विवाद में गांव के शिवम पुत्र रामबाबू ने अपने साथी विपिन और प्रसांत के साथ मिलकर उसे गाली गलौज करते हुए लाठी डंडों से मारा पीटा।मझिला थाना क्षेत्र के ग्राम लोना निवासी सीता पत्नी रामू के अनुसार गांव के विजय पाल ने पत्नी विमला और पुत्र रामू के साथ मिलाकर पुरानी किसी बात को लेकर उसे मारपीट कर घायल कर दिया। शाहाबाद और मझिला थाना क्षेत्र में हुई मारपीट की अलग अलग घटनाओं में पुलिस ने पीड़ितों की लिखित तहरीर के आधार पर आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

संक्षिप्त समाचार

अंतर कृषि विश्वविद्यालय खेल में आंचल का कमाल

अयोध्या, एजेंसी। आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय में 22वीं अखिल भारतीय अंतर कृषि विश्वविद्यालयीय खेलकूद प्रतियोगिता जारी है। दूसरे दिन के मुकाबलों में अयोध्या कृषि विश्वविद्यालय की आंचल ठाकुर ने 1500 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने 5 मिनट 49 सेकेंड का समय निकाला। हिसार कृषि विश्वविद्यालय की प्रीति ने रजत और प्रतीक्षा ने कांस्य पदक हासिल किया। पुरुषों की 400 मीटर हर्डल में कर्नाटक के ध्यान चितप्पा ने स्वर्ण जीता। हिसार के कुलदीप कुमार को रजत और सीवामोगा के प्रज्वल को कांस्य मिला। महिला ऊंची कूद में बेंगलुरु की हर्षिता डी ने 1.48 मीटर की छलांग के साथ स्वर्ण जीता। रायचूर की भाग्यश्री कल्याणी ने 1.37 मीटर के साथ रजत पदक प्राप्त किया। चक्र प्रक्षेपण में बेंगलुरु की ज्योति जी ने 25.52 मीटर की दूरी के साथ स्वर्ण जीता। पुरुष वर्ग में पंजाब कृषि विश्वविद्यालय के रवींदर राज सिंह ने 36.16 मीटर फेंक के साथ स्वर्ण हासिल किया। कबड्डी में अयोध्या ने कानपुर को 35-17 से हराया। धारवाड़ ने बरेली को 31-21 से और बांदा ने सिडिपेड तेलंगाना को 31-15 से पराजित किया। खो-खो में अयोध्या की महिला टीम ने मथुरा को 3-0 से हराया। पुरुष खो-खो में आईसीएआर नई दिल्ली ने मेरठ को 12 अंकों से पराजित किया। छत्तीसगढ़ और दिल्ली के बीच मुकाबले में दुर्ग को वॉकओवर मिला। विजय प्रताप सिंह, सुरेश कुमार सिंह, चेयरमैन, रेफरी बोर्ड कबड्डी, (लेफ्टिनेंट) डॉ. नवीन कुमार सिंह, शशांक शर्मा, मानवेन्द्र प्रताप सिंह, सुरेश्वर प्रताप सिंह, निधि पाल, श्रेया वर्मा, राघवेंद्र तिवारी, जितेंद्र कुमार मौर्य, डॉ. देवनारायण, कृष्ण भानु सिंह, अभिनव सिंह राजपूत, अभिषेक सिंह, अवनीश कुमार राय, इंजनीयर वी.के सिंह, सरवरे आलम, अरविंद यादव, ओम, शिव तिवारी, कुमार मंगलम सिंह, निर्भय, नारायण, रघुपति यादव, पंकज द्विवेदी, रोहित त्रिपाठी, आदित्य सिंह, शराफत अली, रमाकांत, अनुराग सिंह, आनंद दूबे, हिमांशु प्रताप सिंह, ऋषि सिंह, डॉ. वी.पाल, कन्हैया मिश्रा, विनोद सिंह, अमन त्रिपाठी, जयंत मौर्य, अभिनव वर्मा, शुभांकर, अविरल सिंह, अमर राव, ऋचा सिंह, श्रेया सिंह, बाल कृष्ण यादव, अनुभव सिंह यादव, बृजेंद्र कायोगदान रहा।

प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना में 141 करोड़ 45 लाख मंजूर

लखनऊ, चसं। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देशों के अनुक्रम में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 में प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना में भारत सरकार से मदर सेक्शन के रूप में प्रथम किश्त की अवमुक्त केन्द्र की धनराशि 10000 लाख के सापेक्ष अनुदान सं0-10 के अन्तर्गत शेयरेबल कम्पोनेन्ट हेतु केन्द्रांश 5095. लाख में 40 प्रतिशत राज्यांश 3396.67 लाख को सम्मिलित करते हुए कुल 8491.67 लाख तथा नॉन शेयरेबल कम्पोनेन्ट हेतु 3700 लाख, इस प्रकार कुल धनराशि 12191.67 लाख रूपये को अवमुक्त किये जाने की स्वीकृति प्रदान की गयी है। इस सम्बन्ध में आवश्यक शासनादेश उत्तर प्रदेश शासन खाद्य प्रसंस्करण अनुभाग द्वारा जारी कर दिया गया है। यह धनराशि निदेशक उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग उत्तर प्रदेश के निवर्तन पर रखे जाने की स्वीकृति प्रदान की गयी हैं। इस धनराशि में सब्सिडी मद में 84 करोड़ 91 लाख 67 हजार, व्यावसायिक तथा विशेष सेवाओं के भुगतान मद में 9 करोड़ 50 लाख, प्रशिक्षण हेतु यात्रा एवं अन्य प्रशासनिक मद में रू 3 करोड़ 50 लाख तथा मशीन व सज्जा उपकरण और संयंत्र मद में 24 करोड़ की धनराशि का प्राविधान किया गया है। प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन में अनुदान सं 81 के अंतर्गत 252 लाख की व अनुदान सं 83 के अंतर्गत 1701.67 लाख रूपये की स्वीकृति उत्तर प्रदेश शासन द्वारा प्रदान की गयी है। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि स्वीकृत धनराशि का व्यय राज्य सरकार तथा भारत सरकार द्वारा अनुमोदित कार्ययोजना के अनुसार योजना की गाइडलाइन्स का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए किया जायेगा। दिशा-निर्देशों का पूर्णतः अनुपालन किये जाने का दायित्व निदेशकवित्त नियंत्रक का होगा। वित्तीय स्वीकृतियों जारी करने अथवा धनराशि व्यय किये जाने से पूर्व समस्त औपचारिकताओं की पूर्ति अनिवार्यतः सुनिश्चित कर ली जाये। यह भी निर्देश दिए गए हैं स्वीकृत धनराशि का आहरण योजना की गाइडलाइन एवं तदविषयक भारत सरकार के दिशा-निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए किया जायेगा।

यंग खिलाड़ियों को लेकर अनिल कुंबले का बड़ा बयान, कहा-आज के क्रिकेटर नहीं हिचकिचाते

मुंबई, एजेंसी। भारत के दिग्गज स्पिनर अनिल कुंबले का कहना है कि वर्तमान समय के क्रिकेटर यह बताने से नहीं हिचकिचाते हैं कि उनके दायरे में क्या हो रहा है, जबकि ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज मैथ्यू हेडन का मानना है कि एक खिलाड़ी का ब्रांड प्रशासक या प्रसारक जितना शक्तिशाली हो गया है।

भारत के पूर्व कप्तान कुंबले भी हेडन की इस बात से सहमत थे कि जो खिलाड़ी पहले अपने ड्रेसिंग रूम में कैमरा रखने के लिए सहमत नहीं होते थे, वे अब माइक पकड़कर टीम की रणनीतियों पर चर्चा करने में खुश होते हैं। कुंबले ने यहां एक पैनल चर्चा के दौरान कहा कि क्रिकेट में जो भी नए बदलाव आए हैं उनमें से अधिकतर प्रसारण से जुड़े हुए हैं। कुंबले ने कहा कि पहले खिलाड़ी इन नए परिवर्तनों का उपयोग करने से हिचकिचाते थे लेकिन अब समय बदल रहा है। यदि आप 2008 से लेकर अब तक की स्थिति को देखें, तो प्रसारण के नजरिए से भी, आईपीएल में, क्रिकेट में बड़े पैमाने पर नई चीज जुड़ी हैं। कुंबले इस बात से सहमत थे कि लगभग हर कोई एक ब्रांड बनने की कोशिश कर रहा है और इंटरनेट मीडिया इसमें अहम भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि इंटरनेट मीडिया की बदौलत हमने पिछले कुछ वर्षों में यही बदलाव देखा है। एक युवा खिलाड़ी या एक स्थापित खिलाड़ी के रूप में, आप हर किसी को अपने जीवन में आने दे रहे हैं। क्या चल रहा है, लोग उसका प्रदर्शन कर रहे हैं। आपका व्यक्तित्व क्या है, लोग उसका प्रदर्शन कर रहे हैं, इसलिए उन्हें कैमरों के सामने आने से कोई आपत्ति नहीं है। भारत के पूर्व कप्तान ने कहा कि जीत के बाद भी हमारे लिए ड्रेसिंग रूम में कैमरा लाना आसान नहीं था। तब पूछा जाता था, क्या हम आपके साथ जश्न मनाने के लिए ड्रेसिंग रूम में आ सकते हैं। हम कहते थे अरे, बस पीछे हट जाओ। यह हमारी जगह है लेकिन अब चीजें बदल गई हैं। हेडन ने कहा कि एक खिलाड़ी का ब्रांड क्रिकेट बोर्ड या प्रसारक जितना मजबूत हो सकता है, क्योंकि खिलाड़ी स्वयं अपना प्रसारक हो सकता है। उन्होंने कहा कि आवश्यकता और संघर्ष परिवर्तन चक्र के प्रमुख तत्व हैं। अगर मैं एक प्रसारक के रूप में लगभग दो दशकों से शुरुआत पर गौर करता हूं तो यह हमारा दर्शकों के साथ गहरे जुड़ाव से संबंधित है।

कोटक महिंद्रा बैंक का एकल आधार पर लाभ मार्च तिमाही में 14 फीसदी घटकर 3,552 करोड़ रुपए

नयी दिल्ली, एजेंसी। निजी क्षेत्र के कोटक महिंद्रा बैंक का एकल आधार पर शुद्ध लाभ पिछले वित्त वर्ष (2024-25) की जनवरी-मार्च तिमाही में 14 प्रतिशत की गिरावट के साथ 3,552 करोड़ रुपए रहा। वित्त वर्ष 2023-24 की समान तिमाही में बैंक का शुद्ध लाभ 4,133 करोड़ रुपए था। कोटक महिंद्रा बैंक ने शनिवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि समीक्षाधीन तिमाही में उसकी कुल आय बढ़कर 16,712 करोड़ रुपए हो गई, जो एक साल पहले इसी अवधि में 15,285 करोड़ रुपए थी। मार्च तिमाही में बैंक की ब्याज से आमदनी बढ़कर 13,530 करोड़ रुपए रही, जो 2023-24 की समान तिमाही में 12,307 करोड़ रुपए थी। बैंक की शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) इस दौरान पांच प्रतिशत बढ़कर 7,284 करोड़ रुपए रही, जो 2023-24 की समान तिमाही में 6,909 करोड़ रुपए थी। परिसंपत्ति गुणवत्ता के मामले में, बैंक की कुल कर्ज में सकल गैर-निष्पादित आस्तियां (एनपीए) चौथी तिमाही में बढ़कर 1.42 प्रतिशत हो गईं, जो पिछले साल मार्च के अंत में 1.39 प्रतिशत थीं।

हालांकि, शुद्ध कर्ज के मुकाबले शुद्ध एनपीए मार्च, 2025 में थोड़ा कम होकर 0.31 प्रतिशत हो गया, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 0.34 प्रतिशत था। एकीकृत आधार पर, कोटक महिंद्रा बैंक का शुद्ध लाभ मार्च तिमाही में आठ प्रतिशत घटकर 4,933 करोड़ रुपए रह गया, जबकि एक साल पहले इसी तिमाही में यह 5,337 करोड़ रुपए था। बैंक की कुल आमदनी भी मार्च तिमाही में घटकर 27,174 करोड़ रुपए रह गई, जो पिछले वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में 27,907 करोड़ रुपए थी। पूरे वित्त वर्ष 2024-25 के लिए बैंक का एकल आधार पर लाभ बढ़कर 16,450 करोड़ रुपए हो गया, जो 2023-24 में 13,782 करोड़ रुपए था। बैंक ने कहा, ÷पिछले वित्त वर्ष में बैंक का मुनाफा 19 प्रतिशत बढ़कर 16,450 करोड़ रुपए हो गया (कोटक जनरल इंश्योरेंस के विनिवेश पर 2,730 करोड़ रुपए का लाभ शामिल है) जो वित्त वर्ष 2024 में 13,782 करोड़ रुपए था।

लखनऊ को हराकर पंजाब पहुंची प्लेऑफ के करीब

चर्चित राजनीति। एजेंसी

धर्मशाला। पंजाब किंग्स के सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह की आतिशी पारी ने धर्मशाला के ठंडे मौसम में गर्माहट ला दी। हालांकि, वह आईपीएल करियर के दूसरे शतक से चूक गए। प्रभसिमरन ने 48 गेंदों पर सात छक्कों और छह चौकों के साथ 91 रन कूटे। सिंह की पारी के चलते पंजाब किंग्स ने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ आईपीएल 2025 के 54वें मैच में 236 रन बनाए। जवाब में लखनऊ की टीम 199 रन ही बना सकी। पंजाब ने 37 रन से इस मुकाबले को अपने नाम किया। इस जीत के साथ ही पंजाब के 15 अंक हो गए हैं और टीम प्वाइंट्स टेबल में दूसरे पायदान पर पहुंच गई है।

उलटा पड़ गया पंत का दांव : एक दिन पहले हुई वर्षा और आसमान में बादलों को देखते हुए लखनऊ के कप्तान ऋषभ पंत का मानना था कि उन्हें नहीं पता विकेट कैसा व्यवहार करेगी इसलिए उन्होंने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय किया। लखनऊ की प्लेइंग 11 में आकाश सिंह की एंट्री हुई। आकाश ने पहले ही ओवर में प्रियांश आर्य (1) को चलता किया। इसके बाद प्रभसिमरन और जोश इंग्लिस (30) ने छक्कों की वर्षा कर दी। इंग्लिस ने दूसरे ओवर में ही मयंक यादव को लगातार तीन छक्के जड़े तो चौथे ओवर में प्रभसिमरन ने दो छक्के व एक चौका जड़ा। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 48 रन की ताबड़तोड़ साझेदारी कर टीम को खराब शुरुआत से उबारा। प्रभसिमरन ने 30 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया और लगातार तीसरे मैच में पचासा जड़ा। यह उनके आईपीएल करियर का आठवां अर्धशतक है। वह पंजाब के लगातार तीन पारियों में अर्धशतक लगाने वाले तीसरे आरंभिक बल्लेबाज बन गए। इससे पहले क्रिस गेल और केएल राहुल ही ऐसा कर सके थे। प्रभसिमरन यही नहीं रुके और उन्होंने आतिशबाजी जारी रखी और कप्तान श्रेयस के साथ 78 रन की साझेदारी कर डाली। प्रभसिमरन ने आवेश खान के एक ओवर में दो छक्के व दो चौके जड़े और शतक की ओर बढ़ रहे थे, तभी दिग्वेश की गेंद पर रिवर्स स्वीप खेलने के चक्कर में वह निकोलस पूरन को कैच दे बैठे। जब प्रभसिमरन आउट हुए तब वह शतक से केवल नौ रन दूर थे। 91 रन बनाने के लिए प्रभसिमरन ने 48 गेंदों का सामना किया। अपनी पारी में उन्होंने चौके से ज्यादा छक्के मारे। उनके बल्ले से सात छक्के व छह चौके जड़े। प्रभसिमरन के अलावा पंजाब किंग्स के कप्तान कप्तान श्रेयस अय्यर (45) और जोस इंग्लिस (30) ने भी अपने ताबड़तोड़ शॉट्स से दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। नेहल वढेरा ने 9 गेंदों पर 16 रन की पारी खेली। शशांक सिंह 15 गेंदों पर 33 रन और मार्कस स्टोइनिस ने 5 गेंदों पर 15 रन की नाबाद पारी खेली।

महंगे साबित हुए मयंक और आवेश : लखनऊ के तेज गेंदबाजी आक्रमण के दो सबसे प्रमुख गेंदबाज मयंक यादव और आवेश खान इस मुकाबले में बेहद ही महंगे साबित हुए। मयंक ने जहां अपने चार ओवर में 60 रन लुटाए तो आवेश ने 57 रन खर्चे। इन दोनों को ही कोई भी विकेट नहीं मिल सका। आकाश महाराज सिंह और दिग्वेश राठी के खाते में 2-2 विकेट आए। 237 रन चेज करने उतरी लखनऊ सुपर जायंट्स को अर्शदीप सिंह ने शुरुआत में ही बैकफुट पर धकेल दिए। 27 के स्कोर पर लखनऊ के तीन विकेट गिर चुके थे और सभी अर्शदीप ने चटकाए थे। तीसरे ओवर में अर्शदीप ने 2 सफलताएं प्राप्त कीं। सिंह ने पहले मिचेल मार्श को कैच आउट कराया और फिर उसी ओवर में एडेन मार्कराम (13) को बोल्ड किया। अर्शदीप शानदार लय में दिख रहे थे ऐसे में श्रेयस अय्यर ने उन्हें लगाता तीसरा ओवर भी थमा दिया। तेज गेंदबाज भी कप्तानों की उम्मीदों पर खरे उतरे और उन्होंने पारी के 5वें ओवर में निकोलस पूरन को LBW आउट किया। पूरन ने 5 गेंदों का सामना किया और 6 रन बनाए। 4 नंबर पर बल्लेबाजी करने आए लखनऊ के कप्तान ऋषभ पंत के पास आज बड़ी पारी खेलने का मौका था। हालांकि, वह

- धर्मशाला में प्रभसिमरन ने की रन वर्षा, सिर्फ पांच रन से शतक से चूके
- पंजाब ने लखनऊ को दिया था 237 रन का टारगेट

एक बार फिर फेल रहे। जोरदार शॉट खेलने के प्रयास में उनके हाथ से बल्ला तक छूट गया और वह कैच आउट हुए। विकेटकीपर बल्लेबाज में 17 गेंदों पर 18 रन की धीमी पारी खेली। 18वें सीजन में पंत सिर्फ 1 फिफ्टी लगा पाए हैं। CSK के खिलाफ उन्होंने 63 रन जड़े थे। रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे डेविड मिलर (11) का बल्ला भी नहीं चला। अब्दुल समद ने लोअर ऑर्डर में तेजी से रन बनाए, लेकिन वह मार्को यानसेन के हाथों कॉट एंड बोल्ड हो गए। समद ने 25 गेंदों का सामना किया और 45 रन बनाए। आयुष बदोनी (74) को युजवेंद्र चहल ने अर्शदीप सिंह के हाथों कैच आउट कराया। आवेश खान 19 और प्रिंस यादव 1 रन बनाकर नाबाद रहे। पंजाब की ओर से अर्शदीप सिंह ने किफायती गेंदबाजी की। उन्होंने 4 ओवर में सिर्फ 16 रन देकर 4 विकेट चटकाए। युजवेंद्र चहल और विजय कुमार महंगे साबित हुए। चहल ने 4 ओवर में 50 तो विजय कुमार ने 3 ओवर में 49 रन लुटा दिए। अजमतुल्लाह उमरजई के खाते में 2 और यानसेन-चहल ने 1-1 विकेट झटका।

> प्रभसिमरन ने 48 गेंदों पर सात छक्कों और छह चौकों के साथ 91 रन कूटे। सिंह की पारी के चलते पंजाब किंग्स ने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ आईपीएल 2025 के 54वें मैच में 236 रन बनाए। जवाब में लखनऊ की टीम 199 रन ही बना सकी। पंजाब ने 37 रन से इस मुकाबले को अपने नाम किया।

नर्वस 90 से भरा रहा वीकेंड, शतक की दहलीज पर पहुंचकर आउट हुए इतने बल्लेबाज : इंडियन प्रीमियर लीग 2025 का रोमांच इन दिनों चरम पर है। 2 टीमें जहां प्लेऑफ की रेस से बाहर हो चुकी हैं तो वहीं 8 के बीच अभी भी जंग जारी है। आईपीएल 2025 का मौजूदा वीकेंड शतक के लिहाज से कुछ खास नहीं रहा। शनिवार और रविवार को हुए 3 मुकाबलों में 3 बल्लेबाज शतक की दहलीज पर पहुंचकर कैच आउट हो गए। इनमें 2 बल्लेबाज अपने करियर का पहला शतक लगाते। वहीं शनिवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का सामना चेन्नई सुपर किंग्स से हुआ था। आरसीबी ने इस मैच में चेन्नई को 2 रन से हराया था। 214 रन चेज करने उतरी चेन्नई की ओर से सलामी बल्लेबाज आयुष म्हात्रे ने तूफानी बल्लेबाजी की। हालांकि, छक्के से अपना पहला शतक पूरा करने के प्रयास में वह कैच आउट हुए। आयुष म्हात्रे ने 9 चौकों और 5 छक्कों की मदद से 48 गेंदों पर 94 रन बनाए थे। वह लुंगी एनगिडी की गेंद पर क्रूणाल पांड्या को कैच थमा बैठे थे। रविवार को डबल हेडर मुकाबले देखने को मिले। दिन के पहले मैच में कोलकाता नाइटराइडर्स ने राजस्थान रॉयल्स को 1 रन से शिकस्त दी। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पर इस मैच में बेहतरीन लय में दिख रहे थे। हालांकि, करियर के पहले शतक के बेहद करीब पहुंचकर पर वैभव अरोड़ा को कैच थमा बैठे। रियान ने 45 गेंदों पर 95 रन कूट दिए। इस दौरान उनके बल्ले से 6 चौके और 8 छक्के निकले।

हार से झल्लाए रियान पराग : क्या मैच था केकेआर और राजस्थान रॉयल्स का। पहले KKR के बल्लेबाजों ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 200 से ऊपर का स्कोर खड़ा किया और फिर उनके स्पिनरों मोईन अली और वरुण चक्रवर्ती ने उन्हें पारी की शुरुआत में ही आगे कर दिया। हालांकि, राजस्थान के कप्तान रियान पराग कुछ और ही सोचकर आए थे। उन्होंने हेटमायर के साथ एक बेहतरीन साझेदारी की और राजस्थान की मैच में वापसी कराई। लेकिन, 18वें ओवर में वह आउट क्या हुए मैच फिर से पलट गया। हालांकि, शुभम दुबे ने अंतिम ओवर में कुछ बाउंड्री लगाकर मैच को रोमांचक बनाया। हालांकि, वह अंतिम गेंद पर तीन रन नहीं बना सके और राजस्थान एक रन से मैच हार गई। आखिरी गेंद पर मिली हार के बाद रियान पराग निराश दिखे। उन्होंने तो यहां तक कह दिया कि वह इंटरव्यू तक नहीं देना चाहते हैं। रियान पराग ने कहा, मैं खुद के आउट होने से बहुत दुखी था, मुझे यह मैच समाप्त करना चाहिए था। मुझे लगता है कि गेंदबाजी के दौरान हम आखिरी छह ओवरों में और बेहतर कर सकते थे। मुझे लगता है कि वे 120 या 130 रन पर थे और हमारे स्पिनरों ने वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया था। पराग ने कहा, हम पीछे मुड़कर देखें तो ऐसे लगता है कि कुछ और कर सकते थे। रसेल 10 गेंदों पर 2 रन बना चुका था और उसके बाद जिस तरह से उसने तेजी दिखाई, उसे देखना शानदार था। यह ऐसा मैदान है जहां छक्के लगते हैं। विकेट थोड़ा मुश्किल था, इसलिए मुझे अपनी लड़ाई चुननी पड़ी।

इंटरव्यू देने का मन नहीं : राजस्थान के कप्तान ने कहा, मुझे लगता है कि मैंने इसे बहुत अच्छा किया, जब तक मैं आउट नहीं हो गया। मैं खुद से यही कहता रहा हूं, हारने वाले कप्तान के तौर पर इंटरव्यू देने का मन नहीं कर रहा। हम मैदान पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए और इसका खामियाजा हमें भुगतना पड़ रहा है। राजस्थान अगर 207 रन के लक्ष्य को चेज कर लेती तो वह केकेआर का खेल बिगाड़ सकती थी। कोलकाता नाइट राइडर्स इस जीत के साथ प्लाइंट्स टेबल में छठे स्थान पर पहुंच गई है। उसके 13 अंक हो गए हैं। बता दें कि प्लेऑफ की उम्मीद लेकर ईडन गार्डन्स पर उतरी कोलकाता नाइट राइडर्स ने राजस्थान को आखिरी गेंद पर एक रन से हराया और अपने को टूर्नामेंट में बनाए रखा है। राजस्थान को आखिरी गेंद पर 3 रन की जरूरत थी, लेकिन केकेआर ने नहीं बनाने दिया। 207 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए राजस्थान रॉयल्स की शुरुआत बेहद खराब रही। इस सीजन शतक जड़कर इतिहास रच चुके वैभव सूर्यवंशी मात्र 4 रन बनाकर आउट हो गए। अपने डेब्यू मैच में करुणाल सिंह राठौर बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए। इसके बाद तीसरे विकेट के लिए कप्तान रियान पराग और यशस्वी जायसवाल के बीच 31 गेंद पर 58 रन की साझेदारी हुई। मैच में रोमांच तब बढ़ गया, जब जायसवाल 34 रन बनाकर मोईन अली का शिकार बने। इसके बाद वरुण चक्रवर्ती ने तीन गेंद के अंदर ध्रुव जुरेल (0) और वानिंदु हसरंगा (0) का विकेट लेकर केकेआर की तरफ मैच मोड़ दिया। हालांकि, एक छोर पर खड़े कप्तान रियान पराग ने मोईन अली के एक ओवर में लगातार पांच छक्कों की मदद से 32 रन कूट कर मैच फिर से राजस्थान की तरफ ला दिया। दूसरे छोर से शिमरन हेटमायर ने भी बखूबी साथ दिया, लेकिन 29 रन बनाकर वह हर्षित राणा का शिकार बने।

सैनिक ढाबा ने बेड़ारु को पराजित कर 'कप' पर जमाया कब्जा

चर्चित राजनीति। संवाददाता

शिवगढ़, रायबरेली। क्षेत्र के नगर पंचायत शिवगढ़ वार्ड नम्बर 8 ढेकवा में चल रही स्वर्गीय वीरेंद्र प्रसाद त्रिपाठी स्मारक टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का फाइनल मैच रविवार को सैनिक ढाबा भवानीगढ़ तथा राजवर्धन इलेवन बेड़ारु के मध्य खेला गया। जिसमें सैनिक ढाबा ने बे?ारु को 6 विकेट से पराजित कप अपने नाम कर लिया। गौर तलब हो कि सैनिक ढाबा ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्र रक्षण करने का निर्णय लिया। वहीं राजवर्धन इलेवन बेड़ारु पहले बैटिंग करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 154 रनों के स्कोर पर ऑल आउट हो गई। जवाब में लक्ष्य का पीछा करने उतरी सैनिक ढाबा भवानीगढ़ ने 14वें ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर 6 विकेट से मैंच जीत कर कप अपने नाम कर लिया।

मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हैदरगढ़ चेयरमैन आलोक तिवारी, विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित शिवगढ़ सीएचसी में तैनात एएनएम रश्मि रावत, स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी जयराम यादव, पूर्व बछरावां विधानसभा प्रत्याशी लक्ष्मीकांत रावत, नर्सिंग ऑटोमोबाइल शोरूम के प्रबंधक सूरज सिंह ने संयुक्त रूप से विजेता टीम को 21000 रुपये नगद पुरस्कार व कप तथा उपविजेता टीम को 11000 रुपए नगद पुरस्कार व कप देकर दोनों टीमों को सम्मानित करने के साथ ही सभी खिलाड़ियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। मैन ऑफ द सीरीज सैनिक ढाबा टीम के उमेश बाबू को तथा मैन ऑफ द मैच अंकित को दिया गया। वहीं बेस्ट बॉलर का खिताब शोमी को, बेस्ट बैट्समैन का खिताब उमेश अजारी को दिया गया। एम्पायर की भूमिका जहां अभिषेक मिश्रा, आशू शुक्ला ने निभाई तो वहीं रोमांचक कमेंट्री ध्यानू पाण्डेय, साकिब मंसूरी ने की। इस मौके पर पूर्व खेल शिक्षक रामनरेश मेहता, राज बहादुर सिंह, आयोजन कमेटी के संरक्षक महेश प्रसाद त्रिपाठी, अजय शंकर द्विवेदी, रश्मि रावत, ध्यानू पाण्डेय, विवेक शुक्ला, योगेश त्रिपाठी, जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि पवन मिश्रा, जय सिंह, पिंकू सिंह, श्याम बहादुर सिंह, कमल बहादुर सिंह, धीरज मिश्रा, सोनू पांडेय, भरत बाजपेयी, संगम तिवारी, रिंकू दुबे पंकज मिश्रा, दीपांशु, रिंकू दुबे आदि लोग उपस्थित रहे।

क्राइस्ट चर्च कॉलेज में जे.जी. स्पोर्ट्स अकादमी द्वारा आयोजित प्रथम जे.जी. वॉली क्लैश सम्पन्न

लखनऊ, चसं। क्राइस्ट चर्च कॉलेज मैदान में आज जे.जी. स्पोर्ट्स अकादमी द्वारा प्रथम जे.जी. वॉली क्लैश का सफल आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी के महानगर अध्यक्ष श्री आनंद द्विवेदी ने विजेता टीम को पुरस्कार प्रदान किया और अपने प्रेरणादायक शब्दों से सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। प्रतियोगिता में शहर भर से कई प्रतिभाशाली वॉलीबॉल टीमें भाग लेने आई। खिलाड़ियों के बीच जबरदस्त जोश और खेल भावना देखने को मिली। पूरे कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में खेल के प्रति जागरूकता बढ़ाना और उन्हें स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के लिए प्रोत्साहित करना था। मुख्य अतिथि श्री द्विवेदी जी ने कहा, ÷खेल न केवल शारीरिक स्वास्थ्य का साधन है, बल्कि यह जीवन में अनुशासन, नेतृत्व और टीम भावना भी सिखाता है। आज के युवा खिलाड़ी ही आने वाले समय में हमारे देश का गौरव बनेंगे। उन्होंने खिलाड़ियों से अपील की कि वे खेल को अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाएं और मेहनत तथा लगन से अपनी प्रतिभा को निखारें। विजेता टीम के साथ उपविजेता और श्रेष्ठ खिलाड़ियों को भी ट्रॉफी व प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम के समापन पर आयोजकों ने भविष्य में और भी बड़े स्तर पर खेल आयोजनों की योजना बनाने की घोषणा की, जिससे शहर के युवा खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का और अधिक अवसर मिले।

23वीं कुमार सुरेंद्र सिंह मेमोरियल शूटिंग चौंपियनशिप में सेना के शूटर्स का दबदबा

भोपाल, एजेंसी। यहां चल रही 23वीं कुमार सुरेंद्र सिंह मेमोरियल (केएसएसएम) निशानेबाजी चौंपियनशिप की पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में सेना के निशानेबाजों ने शीर्ष छह में से पांच स्थान हासिल किए। केदारलिंग बालकृष्ण उचागांवे ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि उनके साथी अजय कुमार अंबावत को रजत पदक मिला। नौसेना के उज्ज्वल मलिक ने कांस्य पदक जीता। शनिवार को मध्यप्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी में फाइनल मुकाबले में, केदारलिंग और अजय दोनों 24 में से 22 शॉट्स के बाद 223.6 अंकों के साथ बराबरी पर थे। अजय ने 23वें शॉट में परफेक्ट 10.9 अंक हासिल कर बढ़त बना ली, लेकिन आखिरी शॉट में 9.6 अंक के कारण जीत उनसे छिन गई। केदारलिंग ने दबाव में शानदार 10.6 अंक का आखिरी शॉट लगाकर कुल 244.4 अंकों के साथ जीत दर्ज की। इस स्पर्धा में कुल 552 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता सरबजोत सिंह ने 579 अंक बनाए और 18वें स्थान पर रहे। वहीं सेना के रविंदर सिंह और ओलंपियन गुरप्रीत सिंह ने क्रमशः 583 और 581 अंक हासिल किए। रविंदर फाइनल में छठे स्थान पर रहे। जूनियर वर्ग में चंडीगढ़ के धैर्य पराशर ने 241.6 अंकों के साथ गोल्ड मेडल जीता। क्वालीफिकेशन में 300 से अधिक जूनियर खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। राजस्थान के संदीप बिश्नोई को रजत और हरियाणा के कपिल को कांस्य मिला। धैर्य ने युवा वर्ग में भी रजत पदक जीता। फाइनल में उन्हें स्थानीय खिलाड़ी युगप्रताप सिंह राठौड़ ने हराया। उत्तर प्रदेश के चिराग शर्मा ने कांस्य पदक जीता।

कृति सेनन की मां चाहती थीं इस उम्र में हो जाए बेटी की शादी, वायरल वीडियो में हुआ खुलासा

इन दिनों अभिनेत्री कृति सेनन चर्चा में हैं। उनकी लव लाइफ को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं। ऐसे में सोशल मीडिया पर कृति सेनन और उनकी मां का एक पुराना वीडियो वायरल हो रहा है। इस वीडियो में कृति सेनन की मां गीता सेनन ने यह माना है कि वह अपनी बेटी की शादी को लेकर चिंता में रहती थीं। गीता चाहती थीं कि कृति सेनन की शादी 23 या 24 साल में हो जाए।

कृति सेनन की मां से जब पूछा गया कि क्या आप कृति सेनन की शादी को लेकर चिंतित हैं? तो गीता ने कहा हां, मैं उससे अकसर कहा करती थी कि वह 23 साल की उम्र में शादी कर ले। मैं सोचा करती थी कि मैंने देर में शादी की। देखो जब नूपुर पैदा हुई होगी तो मैं 30 साल के आस-पास रही होंगी। तो मैं सोचती हूं कि 23-24 साल की उम्र शादी की सही उम्र है। वायरल वीडियो एक फैन पेज का है। हम इस वीडियो की पुष्टि नहीं करते हैं। बहरहाल, अफवाहें हैं कि कृति सेनन कबीर बहिया को डेट कर रही हैं। हालांकि, न तो कृति सेनन ने और न ही कबीर बहिया ने अपने रिश्ते के बारे में कुछ कहा है। वह अकसर विदेश में छुट्टियां मनाने के लिए जाया करते हैं। इसलिए अफवाहों का बाजार गर्म रहता है।

अफवाहें यह भी हैं कि दोनों 2025 में शादी करने वाले हैं। एक न्यूज समूह ने अपनी एक खबर में लिखा है कि कृति सेनन के करीबियों ने इस बात से इंकार किया है। रिपोर्ट के अनुसार इस साल कृति के पास समय ही कहां है? वह अभी दिल्ली में हैं और अगले कुछ महीनों के लिए आनंद एल राय की फिल्म की शूटिंग पर पूरी तरह से ध्यान दे रही हैं। जैसे ही यह खत्म हो जाता है, वह सीधे अपने अगले प्रोजेक्ट पर लग जाती हैं-बीच में मुश्किल से ही कोई ब्रेक मिलता है। आपको बता दें कबीर बाहिया वर्ल्डवाइड एविएशन एंड टूरिज्म लिमिटेड के संस्थापक हैं। उनके पिता साउथल ट्रैवल, एक प्रमुख यूके-आधारित ट्रैवल एजेंसी के मालिक हैं। इस कंपनी की वजह से कबीर विमानन और यात्रा उद्योग में एक उल्लेखनीय व्यक्ति हैं। बता दें कि बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सेनन फिल्म डॉन 3 में रणवीर सिंह के साथ काम करती नजर आ सकती हैं। बॉलीवुड फिल्मकार फरहान अख्तर, रणवीर सिंह को लेकर डॉन 3 बनाने जा रहे हैं। पहले डॉन 3 में कियारा आडवाणी काम करने वाली थी। कियारा के बाद डॉन 3 में शरवरी वाघ के काम करने की चर्चा थी। अब कहा जा रहा है कि डॉन 3 में कृति सेनन हुई एंट्री हो गई है। डॉन 3 की शूटिंग अबतक शुरू नहीं हुई है। रणवीर सिंह जल्द से जल्द अपनी अपकमिंग फिल्मों की शूटिंग खत्म कर दूसरे प्रोजेक्ट्स की तरफ बढ़ना चाहते हैं। रणवीर ने फिल्म 'धुरंधर' का काम लगभग पूरा कर लिया है। इसके बाद वो अगले प्रोजेक्ट्स की तरफ बढ़ेंगे। कहा जा रहा है कि फरहान अख्तर ने 'डॉन 3' के लिए लोकेशन की तलाश भी कर ली है। 'डॉन 3' को बड़े लेवल पर यूरोप में शूट किया जाएगा। साथ ही लोकेशन पहले ही तय हो चुकी हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, स्क्रिप्ट भी तैयार हो चुकी है। टीम का प्लान है कि अक्टूबर या नवंबर 2025 तक फिल्म की शूटिंग शुरू हो सके। बता दें कि हाल ही में अभिनेत्री कृति सेनन ने साझा कि उन्होंने बॉलीवुड की कुछ नामी, टैलेंटेड एक्ट्रेसेस से काफी कुछ सीखा है। वह इन्हें अपना आइडल मानती हैं। इन एक्ट्रेसेस में काजोल, तब्बू, डिंपल कपाड़िया और करीना कपूर शामिल हैं। मुझे पता है कि ये इतना आसान नहीं होता लेकिन अभिनय मैंने दूसरों को देखकर ही सीखा है। अक्सर कहा जाता है कि अभिनेत्रियों के बीच सहज संवाद कम ही होता है पर मैंने जितनी भी हीरोइन के साथ काम किया, उनमें डिंपल (कपाड़िया) मैम का रुतबा सबसे अलग दिखा है। उनका क्या ही तो स्टाइल है, कमाल कॉन्फीडेंस और उनके रंग बिरंगे धूप के चश्मे, उफ़! एक दिन मैं भी उनके जैसे किरदार करना चाहूंगी। करीना कपूर को वैसे देखिए तो वह बहुत ही मस्तमौला टाइप की इंसान लगती है। लेकिन, सेट पर आते ही वह एकदम से बदल जाती हैं। कैमरे की नजरों में वह अलग ही दिखती हैं। हर सीन से पहले हर संवाद को तरह तरह से बोलकर याद करती हैं। तब्बू मैम का ताव हिंदी सिनेमा में सबसे अनोखा है। उनके किरदारों की पूरी एक फेहरिस्त मेरे पास है जिनको मौका मिले तो मैं तुरंत करना चाहूंगी। वह अपने अभिनय की आशुकवि हैं। उनके दिमाग में न जाने कहां से वह सब कैमरा ऑन होते ही आ जाता है। उनके चेहरे की एक मुस्कुराहट पूरे सीन का भाव बदल देती है। काजोल मैम के साथ मैंने पहले फिल्म 'दिलवाले' की थी और फिर 'दो पत्ती'। इतने साल अभिनय करने के बाद भी वह हर बार कुछ नया, कुछ बेहतर करने के लिए एक न्यूकमर की तरह लालायित दिखती हैं। अभिनय के प्रति उनका ये समर्पण अक्सर मुझे शाहरुख (खान) सर की याद दिलाता है। वहीं दूसरी ओर कृति सेनन ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट किया था, जिसमें कृति ने ऐसी बात साझा कि उनके फैंस खुश हो गए। कृति ने जो पोस्ट की, उमसें एक कैप्शन भी लिखा है। जिसमें वह लिखती हैं, 'इस प्यार के महीने में बरेली में होगा प्यार भी, तकरार भी और हंगामा भी, फिर से।' दरअसल, इस पोस्ट और कैप्शन के जरिए कृति ने बताया है कि उनकी फिल्म 'बरेली की बर्फी' री-रिलीज हो रही है।

साल 2017 में रिलीज हुई फिल्म 'बरेली की बर्फी' थिएटर में री-रिलीज हो रही है। कृति सेनन की यह फिल्म वैलेंटाइन वीक यानी 7 फरवरी पर री-रिलीज हो रही है। इस बात की जानकारी ही कृति ने अपने फैंस को सोशल मीडिया के जरिए की। इस फिल्म को वह अपने सबसे प्यारी फिल्म बताती हैं। कृति के फैंस ने भी फिल्म की री-रिलीज पर रिएक्शन दिए हैं। कई यूजर्स का कहना है कि बिट्टी के किरदार में कृति सेनन को दोबारा बड़े पर्दे पर देखने में मजा आएगा। फिल्म 'बरेली की बर्फी' में कृति सेनन की जोड़ी राजकुमार राव और आयुष्मान खुराना के साथ बनी थी। फिल्म एक रोमांटिक, कॉमेडी रही। इसमें कृति ने बिट्टी नाम की लड़की का रोल किया था, जो बरेली में रहती है। वह अपनी मर्जी से जिंदगी को जानी चाहती है। फिल्म में प्यार, तकरार और खूब सारा हंगामा है। यह फिल्म दर्शकों को भी खूब पसंद आई थी। कृति सेनन के अपकमिंग प्रोजेक्ट की बात करें तो इस साल वह आनंद एल रॉय की फिल्म 'तेरे इश्क में' नजर आएंगी। इस फिल्म में वह साउथ एक्टर धनुष के अपोजिट नजर आएंगी। हाल ही में इस फिल्म का ट्रेलर लॉन्च हुआ था, जिसमें कृति सेनन का अंदाज देखकर दर्शक हैरान रह गए। :: एजेंसी

न तो कृति सेनन ने और न ही कबीर बहिया ने अपने रिश्ते के बारे में कुछ कहा है। वह अकसर विदेश में छुट्टियां मनाने के लिए जाया करते हैं। इसलिए अफवाहों का बाजार गर्म रहता है। अफवाहें यह भी हैं कि दोनों 2025 में शादी करने वाले हैं। एक न्यूज समूह ने अपनी एक खबर में लिखा है कि कृति सेनन के करीबियों ने इस बात से इंकार किया है।

ऑफ शोल्डर मोनोकिनी पहन अवनीत कौर ने इंटरनेट पर लगाई आग, तस्वीरें देख मर-मिटे फैंस

टीवी से लेकर बॉलीवुड तक का सफर तय करने वाली अवनीत कौर इन दिनों अपनी बोल्ड और ग्लैमरस तस्वीरों को लेकर सुर्खियों में हैं।हाल ही में एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर अपना लेटेस्ट फोटोशूट शेयर किया है, जो फैंस के बीच तेजी से वायरल हो रहा है। इसके साथ उन्होंने ब्लैक ट्रांसपेरेंट लैगिंग और मैचिंग हाई हील्स कैरी की हैं, जो उनके लुक को और भी आकर्षक बना रही हैं। अपने आउटफिट को संतुलित करते हुए अवनीत ने व्हाइट पर्ल नेकलेस और मैचिंग ईयर स्टड्स पहन रखे हैं। उन्होंने ग्लॉसी मेकअप और खुले बालों के साथ अपने लुक को पूरा किया है। कुछ तस्वीरों में अवनीत ने मोनोकिनी के साथ ब्लैक रफल श्रग भी पहना है, जो उनके पूरे लुक में एलीगेंस का टच जोड़ता है। इस लुक में उन्होंने अलग-अलग एंगल से कैमरे के सामने पोज दिए दृ कभी बैठकर, कभी खड़े होकर और कभी लेटकर। अवनीत की ये तस्वीरें इंटरनेट पर आते ही छा गई। उनके फैंस लगातार कमेंट्स कर उनकी तारीफकर रहे हैं। किसी ने लिखा, मस्त है।, तो किसी ने कहा, हमेशा की तरह खूबसूरत। वहीं एक यूजर ने कमेंट किया- गॉर्जियस और ग्लैमरस। टीवी सीरियल्स से अपनी पहचान बनाने वाली अवनीत अब बॉलीवुड में भी अपनी जगह पक्की कर रही हैं। उनकी फैन फॉलोइंग दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है और सोशल मीडिया पर उनका हर अंदाज चर्चा में रहता है। :: एजेंसी

अनिल कपूर की मां के निधन के बाद सांत्वना देने पहुंचे आमिर खान, गर्लफ्रेंड गौरी स्प्रैट भी साथ आईं नज़र

बॉलीवुड एक्टर अनिल कपूर और बोनी कपूर की मां निर्मल कपूर का 2 मई को निधन हो गया, जिससे पूरा कपूर खानदान बेहद सदमे में हैं। इस दुख के समय में बॉलीवुड इंडस्ट्री के लोग कपूर फैमिली का ढांढस बंधाने उनके घर पहुंच रहे हैं। इसी बीच बीते दिन आमिर खान भी इस मुश्किल घड़ी में अनिल कपूर और उनके परिवार को सहारा देने पहुंचे। इस दौरान उनके साथ गर्लफ्रेंड गौरी स्प्रैट भी नजर आई, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। सामने आई तस्वीरों और वीडियोज में देखा जा सकता है कि आमिर खान और गौरी गाड़ी से उतरने के बाद सीधा अनिल कपूर के घर चले गए। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर सामने आया है। वीडियो में आमिर के चेहरे पर मायूसी और उदासी साफ झलकी। वहीं, उनकी गर्लफ्रेंड गौरी भी कैजुअल लुक में काफी मायूस सी दिखीं। बता दें, अनिल कपूर की मां निर्मल कपूर काफी समय से बीमार थीं और धीरूभाई कोकिलाबेन अंबानी अस्पताल में भर्ती थीं, लेकिन 90 साल की उम्र में उन्होंने दुनिया को अलविदा कह दिया थीं। शनिवार 3 मई को उनका अंतिम संस्कार किया गया, जिसमें बॉलीवुड की कई हस्तियां शामिल हुई। :: एजेंसी

प्रकाश राज का फिर विवादित बयान

साउथ फिल्म इंडस्ट्री के मशहूर अभिनेता प्रकाश राज ने हाल ही में एक इंटरव्यू में सरकारी नीतियों, धार्मिक विवादों और लोकतंत्र में सवाल पूछने के अधिकार को लेकर अपनी बेबाक राय रखी। उन्होंने साफकहा कि वह किसी व्यक्ति के खिलाफनहीं हैं, बल्कि समाज में बढ़ रही असमानता और नफ़रत के खिलाफअपनी आवाज उठा रहे हैं। प्रकाश राज का कहना है कि वह सरकार से सवाल पूछना अपना लोकतांत्रिक अधिकार मानते हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी देश के नागरिक को यह हक है कि वह सत्ता से जवाब मांगे और गलत नीतियों का विरोध करे। उन्होंने यह भी जोड़ा कि आलोचना करना किसी के खिलाफनहीं, बल्कि समाज को बेहतर बनाने की दिशा में उठाया गया कदम है। धार्मिक स्थलों को लेकर चल रहे विवादों पर प्रकाश राज ने अपनी बात रखते हुए कहा-अगर आप किसी मस्जिद को खोदेंगे तो मंदिर मिलेगा, मंदिर को खोदेंगे तो बुद्ध मिल सकते हैं। आखिर कहां तक खोदते रहेंगे? उन्होंने आगे कहा कि इतिहास को बार-बार कुरेदने से समाज बंटता है, जबकि असली जरूरत है कि हम शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसे जरूरी मुद्दों पर बात करें। प्रकाश राज ने कुछ ऐतिहासिक हस्तियों पर बार-बार होने वाली चर्चाओं पर चुटकी लेते हुए कहा-नेहरू जब मरे, मैं पैदा भी नहीं हुआ था। औरंगजेब से मेरा क्या लेना देना? टीपू सुल्तान से मेरा क्या लेना देना? आज के सवालों का जवाब चाहिए, इतिहास में खोदने से क्या मिलेगा? उन्होंने साफकिया कि वह किसी भी पार्टी या सरकार के विरोधी नहीं हैं, लेकिन अगर कोई नीति लोगों को बांटने का काम करती है, तो उस पर सवाल उठाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि मंदिर-मस्जिद की राजनीति से देश को कोई लाभ नहीं होने वाला, बल्कि इससे समाज में नफ़रत बढ़ती है। प्रकाश राज ने कहा कि एक कलाकार होने के नाते उनकी जिम्मेदारी है कि वे समाज को आईना दिखाएं और सोचने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने युवाओं से अपील की कि किसी भी मुद्दे पर आंख मूंदकर विश्वास न करें, बल्कि तथ्यों को समझें और सोच-समझकर निर्णय लें। अंत में, उन्होंने देशवासियों से कहा कि धर्म, जाति और भाषा के नाम पर बंटने के बजाय हमें एकजुट होकर देश की तरक्की के लिए काम करना चाहिए। :: एजेंसी

लगा थप्पड़ मार दूं, पड़ोसी की इस हरकत पर चढ़ा वीर दास का पारा, ट्वीट कर बताई पूरी बात

बॉलीवुड एक्टर और कॉमेडियन वीर दास अक्सर अपनी बेबाक टिप्पणियों को लेकर सोशल मीडिया पर चर्चा में रहते हैं। वो जरा सी भी लापरवाही या घटिया हरकत को नहीं देख पाते और अपने मन की भड़ास निकाल देते हैं। अब हाल ही वीर दास ने अपने पड़ोसी की हरकत पर गुस्सा भड़क गया, जो डिलीवरी बॉय संग बदतमीजी से पेश आ रहा था। कॉमेडियन ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर कर पड़ोसी की हरकत की जमकर निंदा की। वीर दास ने अपनी पोस्ट में लिखा, पड़ोस वाली बिल्डिंग से किसी को एक डिलीवरी बॉय पर चिल्लाते सुना। वो बस 10 मिनट लेट था। ऐसा गुस्सा आया कि लगा किसी थप्पड़ मार दूं। मुंबई में एक आम डिलीवरी बॉय अपनी इलेक्ट्रिक स्कूटी पर जैसे द मार्शियन फिल्म का सीन दोहरा रहा होता है। थोड़ा तो सब्र रखें। वीर दास का ये पोस्ट सोशल मीडिया पर आते ही वायरल हो गया और यूजर्स इस पर कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया देते नजर आए। एक यूजर ने लिखा, जब आधी सड़कें खोदी हुई हैं तब समय पर डिलीवरी की उम्मीद करना अमानवीय है। दूसरे ने कहा, हमें उन लोगों का आभार मानना चाहिए जो हमारी जिंदगी को आसान बनाते हैं। कृतज्ञता के बिना इंसान हमेशा छोटा ही रहेगा। तो किसी ने लिखा, ऐसे लोग अपनी हताशा को सही जगह निकालने की हिम्मत नहीं रखते, इसलिए इन बेचारे डिलीवरी वर्कर्स पर गुस्सा उतारते हैं। शर्मनाक। :: एजेंसी

गर्मी में शिशुओं को हीट रैश से कैसे बचायें

गर्मी का मौसम आते ही बच्चों की देखभाल में विशेष ध्यान देना जरूरी हो जाता है, खासकर शिशुओं की। छोटे बच्चों की त्वचा बहुत नाजुक और संवेदनशील होती है, इसलिए गर्मी में उन्हें हीट रैश यानी घमौरियों की समस्या जल्दी हो जाती है। हीट रैश की वजह से शिशुओं की स्किन पर लाल धब्बे, जलन, खुजली और छाले हो सकते हैं, जिससे उन्हें बहुत असहज महसूस होता है।

पेरेंट्स के लिए यह समझना मुश्किल हो सकता है कि बच्चा क्यों परेशान है। लेकिन घबराने की जरूरत नहीं, आप कुछ सरल घरेलू उपाय अपनाकर अपने शिशु को इस गर्मी में हीट रैश से बचा सकते हैं। गर्मी में पसीना और नमी ही हीट रैश का सबसे बड़ा कारण होते हैं। इसलिए कोशिश करें कि शिशु की त्वचा हमेशा सूखी रहे। अगर पसीना आए, तो साफ और मुलायम सूती कपड़े से हल्के हाथों से पोंछें। शिशु को हल्के, ढीले और सूती कपड़े पहनाएं, जिससे हवा आसानी से अंदर जा सके। तंग या सिंथेटिक कपड़े बिलकुल न पहनाएं।

शिशु का शरीर गर्मी में जल्दी ओवरहीट हो सकता है। इसे रोकने के लिए, शिशु को पंखे या एसी वाले ठंडे और हवादार कमरे में रखें। सीधी धूप से बचाएं और बाहर ले जाते समय पूरी तैयारी करें। ऐसे कपड़े पहनाएं जो शरीर को ठंडा रखें और पसीना सोख सकें। गर्मी में डायपर की नमी से रैशेज होने की संभावना ज्यादा होती है। समय-समय पर डायपर बदलें और शिशु को थोड़ा समय डायपर फ्री रखें। हर बार डायपर बदलने पर त्वचा को साफ और सूखा करें। जहां तक हो सके, दिन में कुछ घंटों के लिए डायपर न पहनाएं। गर्मी में शिशु की त्वचा पर हैवी क्रीम या लोशन लगाने से पसीना अंदर फंस सकता है। इससे रैश और खुजली की समस्या हो सकती है। नहाने के बाद हल्का नारियल तेल या कोई नेचुरल तेल लगाएं। स्किन को सांस लेने दें, भारी प्रोडक्ट्स से बचें। गर्मी में दिन में एक से दो बार सामान्य पानी से स्नान कराना फायदेमंद होता है। नहाने से स्किन की गंदगी और पसीना साफहो जाता है। :: लोकल डेस्क

प्रथम पृष्ठ का शेष समाचार

मांडविया ने शिक्षकों

रंजन राव, टोक्यो ओलंपिक के रजत पदक विजेता रवि दहिया, ओलंपियन और राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता दीपक पुनिया, गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड धारक रोहताश चौधरी (भारत के पुश-अप मैन) और प्रसिद्ध पर्वतारोही नरेंद्र कुमार के साथ राष्ट्रीय स्तर की कई हस्तियों, स्कूलों, विश्वविद्यालयों और निजी संस्थानों सहित शहर भर के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के शिक्षक, सलाहकार और अकादमिक प्रशिक्षक ने साइकिल चलाई।

हर चेहरे पर

आए थे। जिस पर मुख्यमंत्री ने नियमसंगत कार्रवाई को लेकर आश्वस्त किया। आरटीई, खेत की पैमाइश, आवास, चकरोड, खेतों में कब्जा, बिजली कनेक्शन समेत अन्य फरियाद लेकर पीड़ित पहुंचे, जिसके समाधान का मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया। जनता दर्शन में कई पीड़ित परिवार के साथ आए थे। मुख्यमंत्री ने इस दौरान बच्चों को दुलारा, उनकी शिक्षा के बारे में जानकारी ली और चॉकलेट भी दी। योगी ने बच्चों को खूब पढ़ने और उज्ज्वल भविष्य का भी आशीर्वाद दिया।

मोदी ने खेलो

वैभव सूर्यवंशी का नाम लेते हुए कहा कि हर एक घर से प्रत्येक वर्ग के युवा खेल में अपना योगदान करें। खेल मंत्री डॉ मनसुख मांडविया ने कहा कि जानकी भूमि है बिहार ज्ञान की भूमि है, विज्ञान की भूमिका है। बिहार नीतीश कुमार के नेतृत्व में बदल रहा है. आज यूथ गेम्स में 10000 से अधिक खिला?ी शामिल हुए हैं। बिहार नेशनल और इंटरनेशनल स्तर पर अपना स्थान कायम कर रहा है। देश में भारत एक से पांच तक में अपना स्थान रखना है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार का स्थान आगे किया है। आज इतनी इतना बड़ा आयोजन किया जा रहा है इसके लिए मैं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं। बिहार के धरती पर मेडल जीतेंगे और देश को आगे बढ़ाएंगे। देश की मशहूर गायिका मैथिली ठाकुर की देवी स्तुति से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। कुछ देर बाद पंकज त्रिपाठी की ऐतहासिक गौरव गाथा सुनाएंगे। खास बात यह है कि इस महाकुंभ में बिहार के 700 से अधिक खिलाड़ी शामिल हो रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान बिहार के तीन खिलाड़ी जलती मशाल लेकर कॉम्प्लेक्स का चक्कर लगाएंगे। इस कार्यक्रम को लेकर साथ तैयारी पूरी कर ली गई है। युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा बिहार सरकार के सहयोग से खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 का आयोजन दिनांक चार मई से 15 मई तक बिहार में आयोजित है। यह प्रतियोगिता बिहार के कुल पांच शहरों में पटना, राजगीर, गया, भागलपुर एवं बेगूसराय में आयोजित की गयी है। इसमें कुल 28 खेलों की प्रतियोगिता तथा ई-स्पोर्ट्स की डेमो प्रतियोगिताएं होंगी। इसमें देष के विभिन्न राज्यों एवं केन्द्रशासित प्रदेश से लगभग 10,000 खिला?ी, प्रशिक्षक, सपोर्ट स्टाफ, तकनीकी पदाधिकारी आदि शामिल हुए। बिहार खेल प्राधिकरण के महानिदेशन रवीन्द्रण शंकरण ने बताया कि राज्य में पहली बार खेलो इंडिया यूथ गेम्स का आयोजन हो रहा है। यह हमलोगों के गर्व का पल है। कार्यक्रम को लेकर सारी तैयारी पूरी हो चुकी है।

मोदी व वायुसेना

बीते दस दिनों से नियंत्रण रेखा के पार से गोलीबारी कर रहा है। इस स्थिति को देखते हुए प्रधानमंत्री और वायु सेना प्रमुख के बीच हुई मुलाकात काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। सेना के मुताबिक, पाकिस्तानी सैन्य चौकियों से 3-4 मई की रात के दौरान भी फायरिंग की गई। इस गोलीबारी का भारतीय सेना ने तुरंत जवाब दिया। पाकिस्तानी सेना की चौकियों ने जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा, बारामूला, पुंछ, राजौरी, मेंढर, नौशेरा, सुंदरबनी और अखनूर के आसपास के इलाकों में नियंत्रण रेखा के पार से बिना किसी उकसावे के छोटे हथियारों से गोलीबारी की है। भारतीय सेना ने तुरंत और सटीक रूप से इसका जवाब दिया। पाकिस्तान जहां एक ओर लगातार नियंत्रण रेखा पर गोलीबारी कर रहा है, वहीं दूसरी ओर वह भारतीय सेना से जुड़े संस्थानों पर साइबर अटैक भी कर रहा है। पाकिस्तान अभी तक भारतीय सेना से जुड़े शिक्षण संस्थानों, मेडिकल संस्थानों एवं वेलफेयर से जुड़ी वेबसाइट पर साइबर अटैक कर चुका है। हालांकि, पहले से सतर्क साइबर सुरक्षा एजेंसियों ने पाकिस्तान के इरादों को विफल कर दिया।

मुख्यमन्त्री योगी ने

मेमोरियल अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था, जहां हार्ट अटैक की वजह से उनकी सांस बंद हो गई। गौरतलब है कि विजय राय राष्ट्रीय सहारा अखबार के ग्रुप एडिटर हुआ करते थे। बाद में विजय राय को प्रिंट का सलाहकार बना दिया गया था। फिर उन्हें सहारा मीडिया के टीवी विंग का भी सलाहकार बनाया गया। राय ने अपने करियर की शुरुआत अकादमिक जगत में एक शिक्षक के रूप में की थी, लेकिन पत्रकारिता में रुचि के चलते उन्होंने बतौर पत्रकार राष्ट्रीय सहारा अखबार में संवाददाता के रूप में कार्य करना प्रारंभ कर दिया। राय को खबरों के चुनाव, प्रस्तुतिकरण और चुटीली हेडलाइन्स देने के लिए जाना जाता है। सहारा न्यूज नेटवर्क के मैनेजमेंट ने उनके व्यापक अनुभव के मद्देनजर उनको अखबार के साथ-साथ टेलिविजन की भी जिम्मेदारी देते हुए पूरे न्यूज नेटवर्क के संपादकीय सलाहकार की जिम्मेदारी सौंप दी थी। विजय राय का जन्म छह जुलाई 1967 को उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले में हुआ था। प्रारम्भिक शिक्षा कुशीनगर और देवरिया में हासिल करने के पश्चात इन्होंने काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी से ग्रेजुएशन किया। विजय राय के पिता महिमा राय उत्तर प्रदेश पुलिस सेवा से संबद्ध थे। उन्होंने पत्रकारिता की शुरुआत राष्ट्रीय सहारा समाचार पत्र के संवाददाता के रूप में की थी। उनके छोटे भाई प्रदीप राय पेशे से वकील हैं जो समाचार चौनल एपीएन (एपीएन) के सर्वेसर्वा हैं। इनके एक और छोटे भाई विनय राय भी पत्रकार हैं, जो एपीएन लाइव हिन्दी समाचार चौनल के प्रबंध संपादक हैं।

एक्सिस, आईसीआईसीआई समेत

रुपए का जुर्माना लगा है। एक्सिस बैंक ने भी आंतरिक/कार्यालय खातों के अनधिकृत संचालन पर आरबीआई के निर्देशों का पालन नहीं किया है, जिसके कारण एक्सिस बैंक पर 29.60 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। आरबीआई ने अपने आदेश में साफ किया है कि इस जुर्माने का उद्देश्य बैंकों द्वारा ग्राहकों के साथ किए गए किसी लेन देन या वैधता पर सवाल उठाना नहीं है। यह कार्रवाई नियमों का सही तरीके से पालन न करने के तहत की गई है।

हमें भागीदारों की

करती है, इसका एहसास करना होगा। इस शिखर सम्मेलन का जिक्र उन्होंने एक्स पोस्ट पर भी किया। उन्होंने लिखा- आर्कटिक सर्कल इंडिया फोरम 2025 में शामिल हो और बातचीत कर मुझे खुशी हुई। आर्कटिक में विकास के वैश्विक परिणामों के बारे में बात की और ये भी कि कैसे बदलती विश्व व्यवस्था इस क्षेत्र को प्रभावित करती है। आर्कटिक में भारत की बढ़ती जिम्मेदारियों को रेखांकित किया, कनेक्टिविटी, प्रौद्योगिकी, संसाधनों, अनुसंधान और अंतरिक्ष में अवसरों को पहचाना। साथ ही ग्लोबल वार्मिंग के जोखिमों के बारे में अधिक समझ की मांग की। इंडिया फोरम का आयोजन आर्कटिक सर्कल और ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन (ओआरएफ) द्वारा विदेश मंत्रालय और भारत के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सहयोग से किया जा रहा है।

आतंकी हमले का

अपना पूरा जीवन देश सेवा में समर्पित किया। उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में किसानों की भूमिका बेहद अहम है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का रास्ता हमारे खेतों से होकर गुजरता है। भारत हमेशा से कृषि प्रधान देश रहा है और आज हम एक नई कृषि क्रांति के मुहाने पर खड़े हैं जो हमारे भविष्य को तय करेगी। धनखड़ ने किसानों के दुख-दर्द को समझने और उनके प्रति संवेदनशील रहने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हमें अपने किसानों को सिर्फ उत्पादक नहीं, बल्कि 'एग्रीप्रेन्योर' यानी कृषि उद्यमी बनाना होगा। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के नारे 'जय जवान, जय किसान' की याद दिलाई, जिसे बाद में अटल बिहारी वाजपेयी ने 'जय विज्ञान' से जोड़ा और अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे 'जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान, जय अनुसंधान' तक बढ़ाया है।

गरीब परिवारों को

की संख्या बढ़ाई जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि मंडल स्तर पर देसी नस्ल की गायों की प्रतियोगिता कराई जाए। अच्छे गो आश्रय स्थलों को चिह्नित कर सम्मानित किया जाए। इसी प्रकार, गौ आधारित उत्पाद बनाने वाली संस्थाओं के बीच भी प्रतियोगिता आयोजित की जाए। मुख्यमंत्री को जानकारी दी गई कि वर्तमान में प्रदेश के 7693 गो आश्रय स्थलों में 11.49 लाख गोवंश संरक्षित हैं। इनकी निगरानी सीसीटीवी से की जा रही है और निरीक्षण भी हो रहा है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि यहां केयर टेकर की तैनाती, उन्हें समय से वेतन भुगतान, भूसा बैंक की स्थापना तथा पानी हरे चारे और चोकर की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि आश्रय स्थलों में समय-समय पर पशु चिकित्सकों को भेजकर जांच भी कराई जाए। मुख्यमंत्री ने कृषि विभाग की समीक्षा में कहा कि किसान सिर्फ योजनाओं के लाभार्थी नहीं बल्कि समग्र विकास में सक्रिय भागीदार बनेंगे। नए उत्तर प्रदेश में कृषि केवल जीविका नहीं, बल्कि समृद्धि और आत्मनिर्भरता का आधार बनेगी। ऐसे में किसानों को विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलाने के साथ ही श्री अन्न और प्राकृतिक खेती को बढावा दिया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के कुल कृषि क्षेत्र का 11.41 फीसदी हिस्सा उत्तर प्रदेश में है। खाद्यान्न उत्पादन में प्रदेश की हिस्सेदारी 20.89 फीसदी है, जो किसानों की मेहनत और सरकार की प्रभावी नीतियों का प्रमाण है। 2016-17 में जहां खाद्यान्न उत्पादन 557.46 लाख मीट्रिक टन था, वह 2024-25 में बढ़कर 725.12 लाख मीट्रिक टन से अधिक हो गया है। इसी अवधि में दलहन और तिलहन उत्पादन में दोगुने से अधिक वृद्धि दर्ज की गई है। बीज की गुणवत्ता और उपयुक्तता पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि जलवायु क्षेत्रों के अनुसार बीज विकसित किए जाएं। बीज विकास निगम द्वारा किसानों से बीज खरीद की राशि बढ़ाने और संसाधित बीजों की उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। लखनऊ में प्रस्तावित चौधरी चरण सिंह बीज पार्क की स्थापना को तत्काल प्रारंभ करने के निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने इसे बीज क्षेत्र में क्रांति का आधार बताया। सीएम ने उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद जैसे संस्थानों के अधिकतम उपयोग की आवश्यकता जताई।

देश जो चाहता

वैसा होकर रहेगा। उन्होंने कहा कि रक्षा मंत्री के तौर पर मेरी जिम्मेदारी है कि मैं अपने सैनिकों के साथ मिलकर काम करूं और देश की सीमाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करूं। मेरी जिम्मेदारी है कि मैं सशस्त्र बलों के साथ मिलकर उन लोगों को मुंहतोड़ जवाब दूं जो हमारे देश पर बुरी नजर रखते हैं। पहलगाम आतंकी हमले के अगले दिन एक कार्यक्रम में सिंह ने कहा था कि सरकार हर वह कदम उठाएगी जो जरूरी और उचित होगा। उन्होंने कहा था कि हम न केवल इस घटना को अंजाम देने वालों का पता लगाएंगे, बल्कि हम उन लोगों तक भी पहुंचेंगे, जिन्होंने पर्दे के पीछे बैठकर भारतीय धरती पर इस नापाक कृत्य को अंजाम देने की साजिश रची है। कार्यक्रम में सिंह ने 'देश की आत्मा की रक्षा' में संतों और आध्यात्मिक लोगों की भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा कि एक जवान रणभूमि में लड़ता है जबकि एक संत जीवनभूमि में लड़ता है। भारत की शक्ति केवल उसकी सशस्त्र सेनाओं में ही नहीं, बल्कि उसकी संस्कृति और आध्यात्मिकता में भी निहित है। उन्होंने कहा कि यह वह भूमि है जो अर्जुन जैसे योद्धा के लिए जानी जाती है, लेकिन इसने दुनिया को भगवान बुद्ध जैसा संत भी दिया है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक विजय शंकर शर्मा द्वारा ग्रुप 5 प्रकाशन 55-बी, वजीर हसन रोड, लखनऊ से मुद्रित एवं डी-206-सी, विभूतिखण्ड गोमती नगर लखनऊ से प्रकाशित। सम्पादक- विजय शंकर शर्मा
(M.)- 9628478339, 9335322739 Ph: 0522- 4075237 Fax: 0522- 2306048 Email- charchitrajnit@gmail.com

नीट परीक्षा में जूड़ा खुलवाया, ईयररिंग उतरवाई

पेरेंट्स-पुलिस में बहस, परीक्षा सम्पन्न, पुलिस और सुरक्षा बल की पर्याप्त तैनाती

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में नीट-यूजी परीक्षा संपन्न हो गई। इसमें 35 हजार से अधिक स्टूडेंट्स हिस्सा लिया। दोपहर दो बजे से शुरू होकर शाम पांच बजे परीक्षा खत्म हुई। इसके पहले सभी 73 परीक्षा केंद्रों पर पांच फेज में स्टूडेंट्स की चेकिंग की गई थी। इस दौरान महिला अभ्यर्थियों के जूड़े खुलवाए गए और ईयरिंग उतरवाए गए। डेढ़ बजे परीक्षा केंद्रों के मेन गेट बंद कर दिए गए थे। लेट स्टूडेंट्स परीक्षा में शामिल नहीं हो सके। वह अंदर जाने के लिए गिड़गिड़ाते रहे, लेकिन उन्हें परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं दिया गया। इस बार नीट परीक्षा को लेकर बेहद सतर्कता बरती गई।

परीक्षा केन्द्र के मेन गेट पर चेकिंग के बाद, बायोमेट्रिक हाजिरी और उसके बाद परीक्षा कक्ष से पहले चेक किया गया। अलीगंज सेंटर पर स्टूडेंट्स को परीक्षा दिलाने आए पेरेंट्स की पुलिस से बहस हो गई। पेरेंट्स ने आरोप लगाया कि पुलिस जबरन मेन गेट से खदेड़ रही थी। वहीं आस-पास के जिलों से बैग और दूसरे सामान लेकर अकेले आए परीक्षार्थियों को सामान सुरक्षित रखने में परेशानी हुई। सभी केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए। पुलिस और सुरक्षा बल की पर्याप्त तैनाती रखी गई। परीक्षा केंद्रों के आसपास फोटो स्टेट की दुकानें बंद रहीं। सभी केंद्र पर मजिस्ट्रेट तैनात रहे।

48 केन्द्रों पर नीट-यूजी परीक्षा,तीन स्तरीय चेकिंग से गुजरे अभ्यर्थी : वाराणसी में आज नीट-यूजी 2025 की परीक्षा चल रही है। सेंटर पर सुबह 11 बजे से अभ्यर्थियों को एंट्री दी जा रही है। अभ्यर्थियों को कड़ी जांच से गुजरना पड़ रहा है। दोपहर 2 बजे से परीक्षा शुरू होगी। वाराणसी में कुल 24 हजार से अधिक परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल होंगे, जिनके लिए 48 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। बीएचयू के एक सेंटर में छात्र की रूद्राक्ष की माला उतरवा दी गई, जबकि छात्राओं के बालों की पिन और नोज रिंग भी उतरवाई गई। केवल बीएचयू में ही 11 केंद्र बनाए गए हैं। बॉयोमेट्रिक, फेस रिकग्निशन और पहचान पत्र की जांच की जा रही है। इलेक्ट्रॉनिक सामान ले जाने की अनुमति नहीं है। परीक्षार्थियों को परीक्षा शुरू होने से दो घंटे पूर्व, यानी दोपहर 11.30 बजे तक अपने परीक्षा केंद्र पर पहुंचना अनिवार्य है। इस बार नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने निजी कॉलेजों को परीक्षा केंद्र बनाने से परहेज किया है। जिले में परीक्षा का समन्वयक केंद्रीय विद्यालय को नियुक्त किया गया है, जबकि परीक्षा केंद्र बीएचयू, केंद्रीय विद्यालय परिसर तथा अन्य सरकारी व अनुदानित कॉलेजों में बनाए गए हैं। एमबीबीएस, बीडीएस और बीएएमएस जैसे पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए यह परीक्षा आयोजित की जा रही है। निष्पक्ष और सुरक्षित परीक्षा सुनिश्चित करने के लिए एनटीए की ओर से पर्यवेक्षक, सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टैटिक मजिस्ट्रेट तैनात किए गए हैं। साथ ही एसटीएफ और एलआईयू की निगरानी भी रहेगी।

22 सेंटरों पर नीट परीक्षा,कड़ी सुरक्षा के बीच अभ्यर्थियों को मिली एंट्री : आगरा में 22 सेंटरों पर नीट परीक्षा हो रही है। इससे पहले अभ्यर्थियों को सुबह सवा 11 बजे से कड़ी सुरक्षा के बीच एंट्री दी गई। हेयर पिन, जूते और बेल्टें परीक्षा केंद्र के बाहर की उतरवा दिए गए। बॉयोमेट्रिक, फेस रिकग्निशन और पहचान पत्र की जांच की गई।

इलेक्ट्रॉनिक सामान ले जाने की अनुमति नहीं दी गई। दोपहर 2 बजे से शुरू होने वाली परीक्षा 5 बजे तक चलेगी। एक मई से अभ्यर्थियों को एडमिट कार्ड देने शुरू कर दिए गए थे। जिसमें पोस्टकार्ड फोटो के साथ सेल्फ डिक्लरेशन फॉर्म, पासपोर्ट साइज फोटो वाला भाग, बाएं हाथ के अंगूठे का निशान नियत स्थान पर लगाकर ले जाना अनिवार्य है। बिना एडमिट कार्ड के प्रवेश नहीं दिया जाएगा। सेंटर के अंदर सिर्फपानी की ट्रांसपेरेंट बोतल ले जाने की अनुमति होगी। 180 सवालों को 180 मिनट में ही सॉल्व करना है। बुकलेट में ही निर्धारित स्थान पर रफ काम करना होगा। ओएमआर शीट सेंटर पर ही जमा करनी होगी। हर सेंटर पर अभ्यर्थियों की जबरदस्त चेकिंग की गई। लड़कियों के जहां बाल तक खुलवा दिए गए, वहीं लड़कों की जेबें और शर्ट के अंदर तक चेक या गया। लड़कियां सेंटर के अंदर जाने से पहले अपने बालों के रबर बैंड उतार कर बाल खोलकर अंदर गईं। ज्यादातर अभ्यर्थी लोअर, टीशर्ट और चप्पल में ही एग्जाम देने पहुंचे थे। जिन अभ्यर्थियों के पास पानी की ट्रांसपेरेंट बोतलें थी, उन्हें अंदर ले जाने की अनुमति दी गई। अभ्यर्थी अपने साथ पेन लेकर आए थे, उनके पेन बाहर ही रखवा दिए गए। किसी भी अभ्यर्थी को सिक्का तक अंदर ले जाने की अनुमति नहीं थी। कलावा, अंगूठियां, चेन, धागे तक उतरवा दिए गए।

● सभी परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए

नीट यूजी परीक्षा शांतिपूर्ण एवं सफलतापूर्वक सम्पन्न : जनपद के 6 परीक्षा केंद्रों पर राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा नीट यूजी 2025 का आयोजन शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ। परीक्षा अपराह्न 2 बजे से सायं 5 बजे तक एक पाली में आयोजित की गई। परीक्षा के दौरान जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह द्वारा राजकीय इंटर कॉलेज सहित विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया गया। उनके साथ अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) एवं नगर मजिस्ट्रेट भी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था, प्रवेश-निकास प्रक्रिया, सीसीटीवी निगरानी, स्वच्छता, पेयजल, बायोमेट्रिक उपस्थिति एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं की गहनता से जांच की गई, जो पूर्णतः संतोषजनक पाई गई। परीक्षा को निष्पक्ष एवं पारदर्शी रूप से संपन्न कराने के लिए राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (नेट) द्वारा पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय कैन्ट को नोडल केंद्र बनाया गया है।

प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर एक पर्यवेक्षक की तैनाती की गई थी। परीक्षार्थियों की सुविधा और परीक्षा की गोपनीयता सुनिश्चित करने हेतु सभी केंद्रों पर मोबाइल, कैलकुलेटर, स्मार्ट वॉच जैसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्रयोग पूर्णतः प्रतिबंधित रहा तथा परीक्षा सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में आयोजित की गई। जनपद में कुल 2991 परीक्षार्थियों के पंजीकरण में से 64 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। सभी 6 परीक्षा केंद्रों पर नामित स्टेटिक मजिस्ट्रेट भ्रमणशील रहे। परीक्षा केंद्रों के 500 मीटर की परिधि में फोटो कॉपी की दुकानें, साइबर कैफे इत्यादि बंद रखे गए। पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय कैंट प्रथम, पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय कैंट ओसीएफ द्वितीय, पीएमश्री राजकीय इंटर कॉलेज, जीएफ कॉलेज, इस्लामिया इंटर कॉलेज एवं स्वामी सुखदेवा आनंद कॉलेज में संपन्न हुई। जनपद प्रशासन द्वारा यह सुनिश्चित किया गया कि परीक्षार्थियों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं हुई।

66 छात्रों ने नीट परीक्षा छोड़ी,3001 में से 2935 परीक्षार्थी मौजूद रहे : लखीमपुर-खीरी में रविवार को नीट (यूजी)-2025 की परीक्षा सात केंद्रों पर सफलतापूर्वक संपन्न हुई। कुल 3001 पंजीकृत परीक्षार्थियों में से 2935 ने परीक्षा दी, जबकि 66 छात्र अनुपस्थित रहे। जिला प्रशासन ने परीक्षा के सुचारु संचालन के लिए व्यापक प्रबंध किए।

जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल और पुलिस अधीक्षक संकल्प शर्मा ने राजकीय इंटर कॉलेज, अब्दुल कलाम गर्ल्स इंटर कॉलेज, आर्यकन्या इंटर कॉलेज और गुरुनानक इंटर कॉलेज का निरीक्षण किया। उन्होंने सीसीटीवी कैमरों की जांच की और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। अपर जिलाधिकारी संजय कुमार सिंह ने डीआईओएस डॉ महेंद्र प्रताप सिंह और केंद्रीय विद्यालय के प्राचार्य आशीष कुमार दीक्षित के साथ अन्य परीक्षा केंद्रों का दौरा किया। इनमें राजकीय पॉलीटेक्निक, वाईडी कॉलेज, भगवानदीन आर्यकन्या इंटर कॉलेज और डीएस कालेज शामिल थे। परीक्षा केंद्रों पर नियुक्त मजिस्ट्रेट पूरी परीक्षा के दौरान मौजूद रहे। प्रशासन की कड़ी निगरानी के चलते परीक्षार्थियों को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण माहौल में परीक्षा देने का अवसर मिला।

देश-विदेश डायरी

तेल अवीव एयरपोर्ट पर मिसाइल हमला, दिल्ली से जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट को अबू धाबी भेजा गया

तेल अवीव, एजेंसी। 4 मई 2025 की सुबह इजरायल के सबसे बड़े हवाई अड्डे बेन गुरियन इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास अचानक मिसाइल हमला हुआ। यह हमला उस वक्त हुआ जब दिल्ली से उड़ान भर चुकी एयर इंडिया की फ्लाइट एआई139 वहां उतरने वाली थी। हमले की जानकारी मिलते ही फ्लाइट को तुरंत अबू धाबी की ओर मोड़ दिया गया। एयर इंडिया की ओर से जारी बयान में कहा गया कि फ्लाइट सुरक्षित रूप से अबू धाबी में उतर गई है और जल्द ही दिल्ली लौटेगी। एयरलाइन ने अपने बयान में कहा हमारे यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसलिए एआई139 फ्लाइट को घटना स्थल से दूर किया गया। इसके साथ ही एयर इंडिया ने 6 मई 2025 तक दिल्ली और तेल अवीव के बीच की सभी फ्लाइट्स को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है। एयर इंडिया ने बताया कि जिन यात्रियों ने 3 से 6 मई 2025 के बीच की फ्लाइट्स में बुकिंग कराई थी, उन्हें दो विकल्प दिए जा रहे हैं।इजरायली पुलिस के अनुसार, यमन से दागी गई मिसाइल टर्मिनल 3 के पास स्थित एक सड़क पर आकर गिरी। पुलिस कमांडर यायर हेट्ज्रोनी ने पत्रकारों को मौके पर बने गड्ढे का निरीक्षण कराया और बताया कि गड्ढा दसियों मीटर गहरा और चौड़ा था। हमले के बाद एयरपोर्ट से धुएँ का गुबार उठता देखा गया। लोगों में अफरा-तफरी मच गई। कुछ यात्री चिल्लाते हुए भागते और छिपते भी नजर आए। हालांकि, कोई जानमाल का बड़ा नुकसान नहीं हुआ। इजरायली इमरजेंसी सेवा श्मैगन डेविड एडोम के मुताबिक चार लोग हल्के रूप से घायल हुए हैं। हूथी विद्रोहियों, जो यमन से संबंध रखते हैं और इजरायल के खिलाफलंबे समय से सक्रिय हैं, उन्होंने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। उनका दावा है कि उन्होंने एक हाइपरसोनिक बैलिस्टिक मिसाइल दागी। इस मिसाइल की रफ्तार बहुत तेज होती है और इसे रोकना बेहद मुश्किल। हूथियों ने यह हमला गाजा में चल रहे युद्ध और फिलिस्तीनियों के साथ एकजुटता दिखाने के लिए किया है। इजरायल के रक्षा मंत्री इजरायल कैट्ज ने बयान जारी कर कहा जो कोई हमें नुकसान पहुंचाएगा, हम उसे सात गुना नुकसान देंगे। यह चेतावनी साफसंकेत देती है कि इजरायल इस हमले का जवाब देने की तैयारी में है। फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट के अनुसार, जब एआई139 जॉर्डन के हवाई क्षेत्र में थी, तभी स्थिति की गंभीरता को देखते हुए उसे अबू धाबी की ओर डायवर्ट किया गया। यह निर्णय सुरक्षा कारणों से तुरंत लिया गया ताकि यात्रियों और चालक दल की जान को कोई खतरा न हो। इजरायली अधिकारियों ने बताया कि बम निरोधक दस्तों और सुरक्षा बलों द्वारा अंतिम तलाशी के बाद एयरपोर्ट को दोबारा चालू कर दिया गया है। हवाई यातायात धीरे-धीरे सामान्य हो रहा है लेकिन सतर्कता बरती जा रही है।

गाजा में पत्रकारों ने अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा की मांग की

गाजा, एजेंसी। दक्षिणी गाजा के खान यूनिस में दर्जनों पत्रकारों ने शनिवार को विरोध प्रदर्शन किया, जिसमें अंतरराष्ट्रीय समुदाय से मीडियाकर्मियों को बार-बार इजरायल द्वारा निशाना बनाए जाने से बचाने का आग्रह किया गया। यह विरोध प्रदर्शन विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर फिलिस्तीनी पत्रकार सिंडिकेट द्वारा आयोजित किया गया था। पत्रकार शहर के नासिर मेडिकल कॉम्प्लेक्स में एकत्रित हुए और पत्रकारों की हत्या बंद करो लिखे हुए पोस्टर लहराये। विरोध प्रदर्शन के दौरान एक भाषण में सिंडिकेट के उप प्रमुख तहसीन अल-अस्तल ने इजरायल पर फिलिस्तीनी पत्रकारों को सीधे तौर पर मारकर और उनके घरों को नष्ट करके उनके खिलाफअपराध करने का आरोप लगाया। अल-अस्तल ने गाजा में मीडिया की स्थिति को दुनिया में सबसे खतरनाक कहा, क्योंकि यहां सुरक्षा गारंटी का अभाव है, प्रेस संस्थानों का विनाश हो रहा है और सबसे बुनियादी काम के साधनों से वंचित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इजरायली कब्जा इन अपराधों के लिए पूरी तरह से जिम्मेदार है, उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों से हत्यारों को जवाबदेह ठहराने के लिए गंभीर कार्रवाई करने का आह्वान किया। हमास द्वारा संचालित मीडिया कार्यालय ने शनिवार को बताया कि सात अक्टूबर, 2023 को गाजा युद्ध शुरू होने के बाद से इजरायल ने 212 पत्रकारों की हत्या की है, 409 को घायल किया है और 48 अन्य को गिरफ्तार किया है।

हूती मिसाइल अटैक ने भेद दिया इजरायल का डिफेंस सिस्टम, 25 मीटर गहरा गड्ढा बना

नई दिल्ली, एजेंसी। हूती विद्रोहियों की तरफ से दागी गई मिसाइल ने इजरायल का पूरा एयर डिफेंस सिस्टम ही भेद दिया। मिसाइल कथित तौर पर हवाई सुरक्षा की चार परतों को पार कर गई और बेन गुरियन हवाई अड्डे के टर्मिनल 3 से सिर्फ़ 75 मीटर की दूरी पर गिरी। इस हमले में वहां 25 मीटर गहरा गड्ढा बन गया। इस पर हूती के सैन्य प्रवक्ता याह्या सारी ने कहा कि इजरायल का मुख्य एयरपोर्ट अब हवाईयात्रा के लिए सुरक्षित नहीं है। इस बीच इजराइल हवाईअड्डा प्राधिकरण ने कहा कि हवाईअड्डे पर परिचालन शुरू कर दिया गया है। बता दें कि जिस हिस्से में मिसाइल गिरी, वह इजरायल के सबसे संदेवनशील क्षेत्रों में से एक है। हमले में करीब 8 लोगों के घायल होने की बात कही जा रही है। इजरायल के पास हवाई हमलों का मुकाबला करने के लिए बेहद उन्नत तकनीक है। आयरन डोम के रूप में जाना जाने वाला यह सिस्टम मिसाइल लांचर से 4 किमी से 70 किमी की दूरी पर कम दूरी के रॉकेट, साथ ही गोले और मोर्टार को रोकने के लिए डिजाइन किया गया है।

23वें दिन पूरी हुई 84 कोस परिक्रमा

अयोध्या, चसं। अयोध्या से 12 अप्रैल को अयोध्या से शुरू हुई 84 कोसी की धार्मिक परिक्रमा रविवार को 23वें दिन पूरी हो गई। विश्व हिंदू परिषद के हनुमान मंडल दल के नेतृत्व में निकली यह परिक्रमा मखौड़ा धाम से 13 अप्रैल को विधिवत शुरू हुई थी। 265 किलोमीटर लंबी यह यात्रा पांच जिलों से होकर गुजरी और रविवार को अयोध्या पहुंचकर राम मंदिर की परिक्रमा के साथ इसका समापन हुआ। इस परिक्रमा में देशभर के अलावा नेपाल से भी हजारों श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। अयोध्या में रामकोट परिक्रमा के साथ ही भक्तों ने इस धार्मिक यात्रा को पूरा किया। अयोध्या लौटे श्रद्धालुओं का जगह जगह भव्य स्वागत किया गया। जगह जगह पुष्प वर्षा और भंडारों के जरिए श्रद्धालुओं का अभिनंदन हुआ। श्रद्धालुओं ने इस दौरान की गई व्यवस्थाओं की दिल खोलकर तारीफ की। मूलभूत सुविधाएं जैसे चिकित्सा, भोजन, जल सेवा और रात्रि विश्राम की अच्छी व्यवस्था रही। कई श्रद्धालुओं ने कहा कि इतनी सहज यात्रा पहले कभी नहीं की।

नेपाल के मुख्यमंत्री कमल बहादुर शाह पहुंचे अयोध्या, बोले-रामलला के दर्शन की इच्छा हुई पूरी

चर्चित राजनीति। संवाददाता

अयोध्या। नेपाल के सुदूर पश्चिम प्रांत के मुख्यमंत्री कमल बहादुर शाह रविवार को अयोध्या पहुंचे। उन्होंने रामलला के दर्शन किए और कहा कि यह उनके जीवन का भावुक क्षण है। कमल बहादुर शाह विशेष विमान से महर्षि वाल्मीकि इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचे, जहां मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा दृ ÷मैं भगवान राम की पवित्र जन्मभूमि पर आया हूं, यह मेरे लिए सौभाग्य की बात है। रामलला के दर्शन की मेरी लंबे समय से इच्छा थी, जो आज पूरी हुई।मुख्यमंत्री शाह ने भारत और नेपाल के सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने की बात कही।

उन्होंने कहा कि अयोध्या और नेपाल के बीच गहरा धार्मिक रिश्ता है, जिसे नेपाल और मजबूत करना चाहता है। उन्होंने कहा कि भारत और नेपाल का संबंध केवल भौगोलिक नहीं, बल्कि ऐतिहासिक और सांस्कृतिक भी है। भारत-नेपाल कनेक्टिविटी को लेकर उन्होंने कहा कि बस सेवा और सड़कों की मरम्मत का काम चल रहा है। जिन सड़कों की जरूरत है, उन्हें ठीक किया जा रहा है ताकि लोग आसानी से यात्रा कर सकें, उन्होंने कहा। पहलगाम आतंकी हमले पर मुख्यमंत्री शाह ने दुख

जताया और कहा कि नेपाल किसी भी तरह की आतंकवादी गतिविधियों को मंजूर नहीं करता। उन्होंने कहा कि नेपाल की सरकार और वहां के लोग आतंकवाद के सख्त खिलाफहैं। इस तरह की घटनाएं बंद होनी चाहिए। जो लोग शहीद हुए हैं, उन्हें मैं श्रद्धांजलि देता हूं,उन्होंने कहा सीमा सुरक्षा पर उन्होंने कहा कि नेपाल अपनी सीमाओं पर किसी भी आतंकी गतिविधि को नहीं होने देगा। हमारे जवान पूरी ताकत और एनर्जी के साथ सतर्क हैं।

रामलला जिस टेंट में रहे, उसे मंदिर में रखा जाएगा : अयोध्या में भगवान श्रीराम जिस टेंट में थे। वह टेंट ट्रस्ट के पास सुरक्षित है। उसे मंदिर परिसर में स्मृति चिह्न के तौर पर रखा जाएगा। 1949 में जिस सिंहासन पर विराजमान थे, वह भी मिल गया है। उसे भी दर्शन के लिए रखा जाएगा। यह श्रद्धालुओं को प्रेरणा देगा कि भविष्य में फिर से ऐसी स्थिति उत्पन्न न हो। ये बातें श्री राम मंदिर भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने कही। फर्स्ट फ्लोर पर राम दरबार की प्रतिमाएं आ चुकी हैं। राम और सीता सिंहासन पर विराजमान होंगे। लक्ष्मण और शत्रुघ्न पंखा डोलाते हुए दिखेंगे। हनुमानजी और भरत की प्रतिमाएं चरणों में बैठे हुए होंगी। नृपेंद्र मिश्रा ने कहा कि अभी इस पर विचार हो रहा है कि मंदिर के प्रथम तल के किस दरवाजे पर कितना सोना लगाया जाए। यह फैसला सोने की मात्रा के आधार पर लिया जाएगा। जो श्रद्धालुओं ने भेंट किया है। फिलहाल, सोने का आकलन किया जा रहा है। इसके बाद ही यह तय किया जाएगा कि मंदिर में कहां-कहां सोना लगेगा।

दरअसल, रविवार को श्री राम मंदिर भवन निर्माण समिति की बैठक का अंतिम दिन था। बैठक में शनिवार को लिए गए फैसलों के बारे में समित के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने जानकारी दी। अब परकोटे को मंदिर को जोड़ना मुख्य चुनौती है। इसके लिए मंदिर के पश्चिमी दिशा में एक लिफ्ट और एक ब्रिज का निर्माण किया जा रहा है। जो श्रद्धालुओं की आवाजाही को सरल बनाएगा। काम तेजी से चल रहा है। समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा बताया-राम मंदिर के शिखर पर दो प्रकार की विशेष लाइटें लगाई जा रही हैं।

विस्टाडोम ट्रेन से छात्राओं ने किया दुधवा और कतर्निया का शैक्षिक भ्रमण

लखनऊ, चसं। ईको टूरिज्म डेवलपमेंट बोर्ड द्वारा प्रदेश में ईको टूरिज्म को बढ़ावा देने और युवाओं को ईको पर्यटन के प्रति जागरूक करने की दिशा में एक अभिनव पहल की गई है। इसके तहत रविवार को लखनऊ की छात्राओं को एक दिवसीय शैक्षिक भ्रमण पर दुधवा टाइगर रिजर्व और कतर्निया घाट भेजा गया। यह यात्रा अत्याधुनिक विस्टाडोम ट्रेन से कराई गई, जो स्वयं में ही एक अनूठा अनुभव था।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री ने बताया कि इस शैक्षिक यात्रा में लखनऊ के एमडी शुक्ला इंटर कॉलेज की छात्राएं शामिल हुईं, जो युवा टूरिज्म क्लब की सदस्य हैं। यात्रा की शुरुआत बिछिया स्टेशन से हुई और समापन मैलानी में किया गया। रास्ते भर छात्राओं ने प्रकृति की मनोरम छवियों को देखा, जंगलों की जैव विविधता को निहारा और वन्यजीव संरक्षण के महत्व को समझा।

लखनऊ की बृज की रसोई : एक मानवीय पहल जरूरतमंदों को मिला गरम, ताजा और पौष्टिक भोजन

चर्चित राजनीति। संवाददाता

आशियाना/लखनऊ। लखनऊ के आशियाना इलाके में प्रत्येक रविवार की भांति एक खूबसूरत और दिल छू लेने वाला नज़ारा देखने को मिला, जब इण्डियन हेल्पलाइन सोसाइटी द्वारा संचालित बृज की रसोई ने सैकड़ों बेसहारा, गरीब बच्चों, बुजुर्गों और मजदूर परिवारों को निःशुल्क गरमागरम भोजन परोसा। संस्था के संस्थापक विपिन शर्मा ने बताया, अन्नदान सिर्फ पेट भरना नहीं, किसी के चेहरे पर उम्मीद और मुस्कान लाना है। ये हमारा संकल्प है, जो हर हफ्ते सैकड़ों ज़िंदगियों में थोड़ी राहत और ढेर सारा अपनापन भर देता है। मीडिया प्रभारी दीपक भुटियानी ने जानकारी दी कि इस बार का भोजन वितरण सेक्टर-एम. की रिक्शा कॉलोनी, रतन खंड पानी टंकी के पास झुग्गियों, अम्बेडकर यूनिवर्सिटी के सामने झुग्गियों में, निर्माणाधीन स्कूल के मज़दूरों और जोन-8 के पास बसी झुग्गियों में किया गया। सभी को गरमागरम चना-आलू की सब्ज़ी और चावल परोसा गया। संजय श्रीवास्तव के मुताबिक, इस आयोजन में करीब 1200 लोगों को भोजन मिला।

वहीं अमित गुप्ता ने कहा, भोजन सिर्फ स्वादिष्ट ही नहीं, बल्कि पूरी तरह से स्वच्छ और पौष्टिक भी था- जिससे लोगों का पेट ही नहीं, सेहत भी खुश हुई। आशीष श्रीवास्तव ने बताया, बृज की रसोई महज एक सेवा अभियान नहीं है, बल्कि यह समाज के सबसे ज़रूरतमंद लोगों को सम्मान देने की पहल है। संस्था का मकसद है उन लोगों तक पहुँचना, जिनके लिए दो वक्त की रोटी भी एक संघर्ष है। भोजन वितरण के दौरान यह भी खास ध्यान रखा गया कि हर किसी को प्यार और सम्मान के साथ बैठाकर खाना परोसा जाए, ताकि किसी को भी खुद को छोटा महसूस न हो। स्थानीय लोग और स्वयंसेवक भी इस नेक काम में पूरे दिल से जुटे रहे। कई बुजुर्गों और बच्चों ने तहे दिल से संस्था को धन्यवाद कहा और खुशी जाहिर की। संस्था रामकुमार दोहारे ने बताया कि उनकी योजना है कि बृज की रसोई की सेवा को लखनऊ के दूसरे इलाकों तक भी नियमित रूप से पहुँचाया जाए। साथ ही, कई जगह स्थायी वितरण केंद्र खोलने की तैयारी भी की जा रही है। इस सेवा कार्य में रामकुमार दोहारे, दीपक भुटियानी, संजय श्रीवास्तव, अमित गुप्ता, आशीष श्रीवास्तव, विनोद मिश्रा, मुकेश कनौजिया, नबल सिंह, सूरज पाण्डेय, अथर्व श्रीवास्तव समेत कई समाजसेवी जुड़े रहे।

कार्यक्रम के अंत में विपिन शर्मा ने सभी सहयोगियों और स्वयंसेवकों का हृदय से धन्यवाद करते हुए कहा बृज की रसोई सचमुच में एक ऐसी पहल है, जो यह साबित करती है कि जब दिल से सेवा की जाए, तो समाज में बदलाव लाना मुश्किल नहीं होता।